नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 14

अंक : 28

सोमवार, 12 से 18 अगस्त 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट सहित अन्य मांगों को लेकर जारी रहेगी रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल 03

वीभत्सता की पराकाष्ठा है कोलकाता का रेप-मर्डर कांड 08

स्वदेश लौटीं विनेश फोगाट 10

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य 11

प्रशंसकों के प्यार से अभिभूत हैं सना मकबूल 12

इस्माईल खान

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनाव का ऐलान

जम्मू में 3 और हरियाणा में 1 चरण में होगा मतदान, 4 अक्टूबर को आएंगे नतीजे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभाओं के लिए चुनाव कार्यक्रम की शुक्रवार को घोषणा कर दी जिसमें कश्मीर में तीन चरणों में 18 और 25 सितम्बर तथा एक अक्टूबर को मतदान होगा जबकि हरियाणा की सभी सीटों पर एक अक्टूबर को वोट डाले जायेंगे। दोनों विधानसभाओं के लिए मतों की गणना चार अक्टूबर को होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा डा सुखबीर सिंह संधू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव की अवधि लोकसभा चुनाव की तुलना में कम रखी है। केन्द्र शासित प्रदेश में लोकसभा चुनाव पांच चरणों में कराये गये थे।

श्री कुमार ने बताया कि 90 सदस्यीय जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 24 सीटों के लिए अधिसूचना अमरनाथ जी यात्रा समाप्त होने के अगले दिन 20 अगस्त को जारी की जायेगी और नामांकन पत्र 27 अगस्त तक दायर किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 28 अगस्त को और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अगस्त होगी। जम्मू कश्मीर में 74 सीटें सामान्य श्रेणी की, सात अनुसूचित जाति तथा नौ सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। जम्मू कश्मीर में पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त कर उसे पुर्नगठित कर दो केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था। इससे पहले राज्य में अंतिम विधानसभा चुनाव वर्ष 2014 में हुए थे।

उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण में 26 सीटों के लिए चुनाव 25 सितम्बर को होगा जिसके लिए अधिसूचना 29 अगस्त को जारी की जायेगी। इस चरण में पांच सितम्बर तक नामांकन भरे जा सकेंगे, नामांकन पत्रों की जांच 6 सितम्बर को की जायेगी तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 9 सितम्बर होगी।

तीसरे और अंतिम चरण में 40 सीटों पर मतदान एक अक्टूबर को होगा। इसके लिए अधिसूचना 5 सितम्बर को जारी की जायेगी और नामांकन 12 सितम्बर तक किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 13 सितम्बर को की जायेगी और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 17 सितम्बर होगी।

अमित शाह ने विधानसभा चुनाव की घोषणा का किया स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मैं आज भारत के चुनाव आयोग द्वारा जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत करता हूं। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने कई अथक प्रयासों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने का एक नया युग शुरू किया है। विधानसभा चुनाव लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करेगा, जिससे क्षेत्र के लिए विकास के एक नए दौर का द्वार खुलेगा। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों से अपील करता हूं कि वे चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लें और बड़ी संख्या में मतदान करके ऐसी सरकार बनाएं जो शांति और विकास को बनाए रखे और युवाओं के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करे। शाह ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि बीते 10 सालों में हरियाणा में मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने खर्ची-पर्ची मुक्त नौकरी से लेकर ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया और किसान व गरीब कल्याण के कार्यों द्वारा सुशासन का नया अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस विधानसभा चुनाव में हरियाणा के मतदाता प्रचंड बहुमत से प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनायेंगे।

अब क्या है जम्मू-कश्मीर में सीटों का समीकरण

परिसीमन के बाद जम्मू इलाके में 6 विधानसभा सीटें बढ़ गईं और कश्मीर में भी एक सीट का इजाफा हुआ। जम्मू-कश्मीर में आखिरी 2014 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इलेक्शन के बाद अप्रत्याशित बदलाव हुआ था। भाजपा और पीडीपी ने साथ मिलकर सरकार बनाई थी, जो पूरे 5 साल नहीं चल पाई। फिर 2019 आया तो राज्यपाल शासन के दौरान ही आर्टिकल 370 हट गया और फिर पुनर्गठन होने के बाद जम्मू-कश्मीर राज्य की बजाय केंद्र शासित प्रदेश बन गया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने का आदेश दिया है।

2019 में हरियाणा में कितनी सीटें जीती थी भाजपा

बता दें कि हरियाणा में विधानसभा की कुल 90 सीटें हैं, जिनमें से भाजपा के पास फिलहाल 40 विधायक ही हैं। निर्दलीयों के साथ वह सरकार चला रही है, लेकिन इस बार वापसी करने की चुनौती उसके सामने होगी। भाजपा ने 2014 में पहली बार हरियाणा में अपने दम पर सरकार बनाई थी और तब से लगातार दो बार सत्ता में रह चुकी है। चुनाव से कुछ महीने पहले ही उसका राज्य की सत्ता में शामिल रही जननायक जनता पार्टी से गठबंधन टूट चुका है, जो 2019 के विधानसभा इलेक्शन के बाद हुआ था। इस तरह लगातार तीसरी बार भाजपा अकेले ही चुनावी समर में उतरने जा रही है।

हरियाणा में लोकसभा चुनाव में 44 सीटों पर आगे थी भाजपा

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को राज्य की 10 में से 5 सीटों पर जीत मिली थी। विधानसभा के अनुसार देखें तो उसे कुल 90 में से 44 विधानसभाओं में बढ़त मिली थी। यही वजह है कि तीसरी बार भी भाजपा में सत्ता में बने रहने की उम्मीद के साथ चुनाव में उतरने जा रही है। वहीं कांग्रेस को उम्मीद है कि दो बार की हार के बाद इस बार माहौल उसके पक्ष में आ सकता है। हरियाणा में आमतौर पर एक ही राउंड में मतदान होता रहा है। इसकी वजह यह है कि हरियाणा छोटा राज्य है और सुरक्षा की चुनौतियां भी जम्मू-कश्मीर या फिर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों जैसी नहीं हैं।

कोलकाता में डॉक्टर 'दुष्कर्म-हत्या' मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के कोलकाता आर जी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर (पीजी ट्रेनी डॉक्टर) के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने के मामले का स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई शुरू करने के लिए उच्चतम न्यायालय में एक पत्र याचिका दायर की गई है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को भेजे अपने पत्र सिकंदराबाद के आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज की बीडीएस डॉ. मोनिका सिंह ने कोलकाता में नौ अगस्त को महिला डॉक्टर के साथ शर्मशार करने वाली घटना और उसके बाद 14 अगस्त को आर जी कर मेडिकल कॉलेज पर हुए हमले की भी निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

याचिका में कोलकाता के उस कॉलेज में हाल ही में हुई घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए मेडिकल पेशेवरों पर क्रूर हमलों की कई घटनाओं का जिक्र करते हुए डॉ. सिंह कहा, मेडिकल पेशेवरों पर क्रूर हमलों से जुड़ी हाल की घटनाएं न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी हैं, बल्कि उन लोगों के सामने आने वाले गंभीर जोखिमों की भयावह याद दिलाती हैं जो जीवन बचाने के लिए अथक प्रयास करते हैं। इससे

ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए चिंता और बढ़ जाती है। अपने अधिवक्ता सत्यम सिंह के माध्यम से भेजी गई पत्र याचिका में उन्होंने लिखा, हमलों (14 अगस्त) ने अस्पताल के संचालन को बुरी तरह बाधित और चिकित्सा कर्मचारियों के बीच भय का माहौल पैदा कर दिया है। कॉलेज और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तत्काल केंद्रीय बलों की तैनाती की जानी चाहिए। याचिका में कहा गया है कि कोलकाता की घटना ने चिकित्सा समुदाय के मनोबल को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे पूरे देश में उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। डॉ. सिंह ने हमलों की गहन और निष्पक्ष जाँच के साथ-साथ देश भर के चिकित्सा संस्थानों के लिए व्यापक सुरक्षा उपायों करने का निर्देश देने की माँग की है। बीडीएस डाक्टर ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि इन घटनाओं ने भारतीय संविधान द्वारा गारंटीकृत मूल अधिकारों का उल्लंघन किया है, जिसमें जीवन का अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपने पेशे चुनने का अधिकार शामिल है।

बुलंदशहर में भीषण सड़क हादसा, पिकअप और बस की भिड़ंत

10 लोगों की मौत, 29 घायल

एनसीआर समाचार

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। रक्षाबंधन मनाने घर जा रहे मजदूरों की पिकअप को बस ने टक्कर मार दी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई बच्चों समेत 29 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद की एक ब्रेड कंपनी में मजदूरी करने वाले करीब 35 से अधिक मजदूर पिकअप में गाजियाबाद से अलीगढ़ जनपद की तहसील अतरौली के गांव रायपुर

में रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए जा रहे थे। जैसे ही सलेमपुर थाने के पास पहुंचे तो यहां तेज रफ्तार डग्गामार बस ने ओवरटेक के दौरान पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। घायल आठ लोगों को हायर सेंटर रेफर किया गया है, जबकि शेष 21 लोगों का जिला अस्पताल व निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हादसा इतना भयावह था कि बस की टक्कर के बाद पिकअप सवार लोग सड़क पर इधर-उधर जा गिरे। हादसे के दौरान बस चालक भी बस के स्टेयरिंग में फंसकर बुरी तरह से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अलीगढ़ की अतरौली तहसील के गांव अहेरिया नगला के मजदूर गाजियाबाद स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए सभी मजदूर रविवार सुबह करीब आठ बजे गाजियाबाद से पिकअप में सवार होकर अपने-अपने गांव लौट रहे थे। करीब 10.15 बजे जब वह सलेमपुर पहुंचे तो एक तेज रफ्तार डग्गामार बस ने साइड से टक्कर मार दी। जिससे पिकअप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई और फिर बस के पीछा से पिकअप में टकराया।

डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर केंद्र सख्त

कहा, हिंसा होने पर 6 घंटे के भीतर ही दर्ज हो एफआईआर

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सख्त हो गया है। मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए एक सख्त निर्देश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि अस्पताल परिसर में कर्मचारियों और स्वास्थ्य कार्यकताओं के खिलाफ कोई भी हिंसा होने पर छह घंटे के भीतर पुलिस में शिकायत दर्ज करानी होगी। इसकी जिम्मेदारी संबंधित संस्थान के प्रमुख की होगी। शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ हिंसा की घटनाएं सामने आईं है। किसी भी तरह की

हिंसा और हमले की रिपोर्ट संस्थान प्रमुख को 6 घंटे में करनी होगी। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एफआईआर दर्ज कराने की जिम्मेदारी पूरी तरह से संस्था प्रमुख की होती है। यह आदेश सभी एम्स और मेडिकल कॉलेजों के लिए लागू होगी।

डीजीएचएस की ओर से शुक्रवार को जारी ऑफिस मेमोरेंडम में स्पष्ट किया गया है कि हाल में डॉक्टर्स और अन्य हेल्थ केयर स्टॉ फ जो सरकारी अस्पतालों में कार्यरत हैं, उन पर ड्यूटी के दौरान हिंसा करने की घटनाएं लगातार सामने आई है। हेल्थ वर्कर को ड्यूटी के दौरान फिजिकल हिंसा का भी शिकार होना पड़ा है। कई मामले ऐसे सामने आए हैं कि उनको धमकियां और मौखिक तौर पर धमकाने का काम भी किया गया, जिसकी कई घटनाएं आई हैं। अधिकांश हिंसा के मामलों में मरीज या फिर मरीज के अटेंडेंट की तरफ से ऐसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। 6 घंटे के भीतर दर्ज करवानी होगी एफआईआरः इस तरह के सभी मामलों को देखते हुए यह निर्देश दिए गए हैं कि हेल्थ केयर वर्कर पर ड्यूटी के दौरान किसी भी तरह की हिंसा होती है तो इसके खिलाफ इंस्टीट्यूशन के प्रमुख की जिम्मेदारी बनती है कि वह घटना के 6 घंटे के भीतर संस्थागत एफआईआर दर्ज करवाएं। केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की ओर से जारी इस आदेश के प्रति सेंट्रल गवर्नमेंट अस्पतालों और इंस्टिट्यूट के निदेशक, चिकित्सा अधीक्षकों के अलावा दिल्ली व अन्या एम्स के निदेशक और सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल्स को भी भेज दी गई है।

मोदी ने रखा ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट का प्रस्ताव

ग्लोबल साउथ एकजुटता से दो तिहाई मानवता को न्याय दिलाए : प्रधानमंत्री

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारत ने ग्लोबल साउथ के देशों को उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर संतुलित और सतत विकास में सहयोग के लिए व्यापक 'ग्लोबल डेवेलपमेंट कॉम्पैक्ट' प्रस्ताव किया है और व्यापार संवर्द्धन एवं क्षमता निर्माण के लिए दो कोष गठित कर 35 लाख डॉलर के योगदान की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने समापन वक्तव्य में यह प्रस्ताव रखा।

श्री मोदी ने वर्चुअल रूप में आयोजित शिखर-सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में शामिल नेताओं के विचारों एवं सुझावों के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि आप सभी ने हमारी साझी चिंताओं और महत्वाकांक्षाओं को सामने रखा है। आपके विचारों से ये बात साफ है

कि ग्लोबल साउथ एकजुट है। आपके सुझावों में हमारी व्यापक भागीदारी का प्रतिबिंब है। आज की हमारी चर्चा से आपसी सामंजस्य के साथ आगे बढ़ने का रास्ता तैयार हुआ है। उन्हें विश्वास है कि इससे हमारे साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आप सभी की बात सुनने के बाद, आज मैं, आपके सामने भारत की ओर से एक व्यापक 'ग्लोबल डेवेलपमेंट कॉम्पैक्ट' प्रस्ताव रखना चाहता हूँ। इस कॉम्पैक्ट की नींव भारत की विकास यात्रा और विकास साझीदारी के अनुभवों पर आधारित होगी। यह कॉम्पैक्ट ग्लोबल साउथ के देशों द्वारा स्वयं निर्धारित की गई विकास प्राथमिकताओं से प्रेरित होगा। यह मानव केंद्रित होगा, और विकास के लिए बहुआयामी होगा और बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा। यह विकास के लिए ऋण के नाम पर जरूरतमंद देशों को कर्ज तले नहीं दबाएगा। यह साझीदार देशों के संतुलित और सतत विकास में सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि इस ह्यडेवेलपमेंट कॉम्पैक्ट' के तहत हम, विकास के लिए व्यापार, सतत वृद्धि के लिए क्षमता निर्माण, तकनीक साझीदारी, परियोजना केन्द्रित किफायती ऋण एवं अनुदान पर फोकस करेंगे। व्यापार संवर्द्धन गतिविधियों को बल देने के लिए, भारत 25 लाख डॉलर के विशेष फंड की शुरूआत करेगा। क्षमता निर्माण के लिए कारोबारी नीति और व्यापारिक सौदेबाजी में प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए 10 लाख डॉलर का फंड प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों में वित्तीय दबाव और विकास वित्त पोषण के लिए भारत, एसडीजी उत्प्रेरक नेतृत्व समूह में सहयोग दे रहा है। हम ग्लोबल साउथ को सस्ती और प्रभावी जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिए काम करेंगे। हम औषधि नियंत्रकों के प्रशिक्षण में भी सहयोग करेंगे। कृषि क्षेत्र में 'प्राकृतिक खेती' के अपने अनुभव और तकनीक साझा करने में हमें खुशी होगी। श्री मोदी ने कहा, 'आपने तनावों और संघर्षों से जुड़ी चिंताओं को भी प्रकट किया है। यह हम सभी के लिए गंभीर विषय है। इन चिंताओं का समाधान न्यायपूर्ण एवं समावेशी वैश्विक शासन पर निर्भर करता है। ऐसे संस्थान जिनकी प्राथमिकताओं में ग्लोबल साउथ को वरीयता मिले। जहाँ विकसित देश भी अपने दायित्व और प्रतिबद्धताएं पूरी करें।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

संसद सुरक्षा में चूक, दीवार कूदकर परिसर में घुसा युवक

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। अति सुरक्षित माने जाने वाले संसद भवन की सुरक्षा में एक बार फिर चूक का मामला सामने आया है और शुक्रवार को एक युवक दीवार फांद कर संसद भवन परिसर में कूद गया।

सूत्रों के अनुसार यह युवक रेड क्रॉस रोड की तरफ से दीवार फांद कर लोकसभा की ओर परिसर में कूदा था। कुछ कर्मचारीयों ने उसे दीवार से कूदते हुए देख लिया था। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया।

इस वर्ष के शुरू में केंद्रीय ओद्योगिक सुरक्षा बल (सी आई एस एफ) द्वारा संसद परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने के करीब छह महीने के अंदर ही सुरक्षा में चूक का यह बड़ा मामला सामने आया है। इससे पहले संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस के पास थी।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

मालदीव ने बांधे भारत की तारीफों के पुल

एक ही झटके में बदल गए मुइज्जू सरकार के सुर

मालदीव, एजेंसी। भारतीय पर्यटकों से लगे करारे झटके के बाद मालदीव संभल गया है। कुछ समय पहले तक चीन के करीब जाने वाला मालदीव अब भारत की तारीफ पर तारीफ कर रहा है। 78वें स्वतंत्रता दिवस से जुड़े एक समारोह में मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने भारत की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र बनकर उभरा है, जो उनके देश सहित कई देशों को प्रेरित करते हुए उदाहरण पेश करता है। मालदीव और भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी पर विचार करते हुए कहा कि यह इसके लोगों में निहित है और हमारे सक्रिय द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से मजबूत हुई है। जमीर ने मालदीव के राष्ट्रपति डॉ मोहम्मद मुइज्जू की सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया कि हमारे लोगों के

पारस्परिक लाभ के लिए हमारे दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को मजबूत और गहरा किया जाएगा।

पिछले साल नवंबर में चीन समर्थक मुइज्जू के शपथ लेने के बाद से कई महीनों से चली आ रही कटुता के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर की तीन दिवसीय यात्रा के बाद हाल ही में द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हुआ है। जयशंकर ने इस महीने की शुरूआत में द्वीपीय देशों का दौरा किया था और राष्ट्रपति मुइज्जू सहित देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की थी। इससे पहले, मुइज्जू जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए नई दिल्ली आए थे। वहीं, कुछ समय पहले ही मुइज्जू ने भारत से अपने सैन्य कर्मियों को उनके देश से वापस बुलाने की मांग की थी। आपसी बातचीत के बाद, भारत ने 10 मई की तय समय सीमा तक अपने कर्मियों को वापस बुला लिया और उनकी जगह नागरिकों को तैनात कर दिया।

मालदीव के विदेश मंत्री जमीर भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनने को सम्मान बताते हुए जमीर ने राष्ट्रपति मुइज्जू, सरकार और मालदीव के लोगों की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। जमीर ने कार्यक्रम के बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया, "(मैंने) भारत को उनकी उल्लेखनीय यात्रा के लिए बधाई दी, जो अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे विविध लोकतंत्र बनकर उभरा है, जो मालदीव सहित कई देशों को प्रेरित करते हुए उदाहरण प्रस्तुत करता है।" उन्होंने कहा, "मैंने मालदीव और भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी पर विचार किया - एक साझेदारी जो इसके लोगों में निहित है और हमारे सक्रिय द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से मजबूत हुई है।"

सिद्दारमैया पर एमयूडीए भूमि घोटाले में मुकदमा चलाने की मंजूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थारचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए हरी झंडी दे दी है।

तीन कार्यकताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर आधारित राज्यपाल के इस फैसले ने मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता को लेकर पहले से ही भड़के विवाद को और बढ़ा दिया है।

राज्यपाल के निर्देश ने श्री सिद्दारमैया की मुश्किलों को काफी बढ़ा दिया है, जिसे एक औपचारिक पत्र में सूचित किया गया है। पत्र में लिखा, राज्यपाल के निदेर्शानुसार भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 और धारा 218 के तहत याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों की जांच के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए सक्षम प्राधिकारी के निर्णय की प्रति संलग्न कर रहा हूं।

घोटाले में आरोप लगाये गये हैं कि श्री सिद्दारमैया ने पत्नी बीएम पार्वती, बेटे एस यतींद्र और वरिष्ठ एमयूडीए अधिकारियों के साथ मिलकर मैसूरु के एक पॉस इलाके में 14 प्रमुख

स्थानों पर अवैध आवंटन की साजिश रची है। कार्यकर्ता प्रदीप कुमार, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा का दावा है कि जाली दस्तावेजों का उपयोग करके इन आवंटनों के लिए राज्य के खजाने से 45 करोड़ रुपये की भारी राशि निकाली गयी है।

मुख्यमंत्री पर कई महीनों से यह आरोप लगते रहे हैं, लेकिन उन्होंने लगातार अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया था और कहा कि उन पर यह हमले राजनीति से प्रेरित हैं, उनकी छवि को धूमिल करने की साजिश है और इससे ज्यादा कुछ नहीं है। मुकदमा को आगे बढ़ाने का राज्यपाल का निर्णय एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के लिए जोखिम भरा हो सकता है।

श्री गहलोत ने भी मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करके पूछा है कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति क्यों न दी जाए। राज्यपाल ने सात दिनों के भीतर मुख्यमंत्री से आरोपों का जवाब मांगा था। इस पर राज्य की कैबिनेट ने तीव्र प्रतिक्रिया दी दृढ़ता से सिफारिश की कि राज्यपाल मुख्यमंत्री को जारी नोटिस वापस लें। राज्य में विपक्ष खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस विवाद को हाथों हाथ लपक लिया। वह इसके लिए केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग कर रही है। भाजपा ने पार्टी समर्थकों को एकजुट कर भ्रष्टाचार के खिलाफ हाल ही में बेंगलुरु से मैसूरु तक एक सप्ताह की पदयात्रा आयोजित की और कांग्रेस सरकार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री हालांकि इससे पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने भाजपा के आक्रामक रुख का जवाब देते हुए कहा कि उनकी पत्नी को दिया गया मुआवजा राज्य में भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान ही मंजूर किया गया था। उन्होंने इन आरोपों का पुरजोर खंडन किया और कहा कि ये आरोप उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा को धूमिल करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में लालू-तेजस्वी की चुप्पी क्यों : मंत्री जनक राम

पटना। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इस जघन्य अपराध के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। इस बीच, बिहार सरकार के मंत्री जनक राम ने राजद नेता तेजस्वी यादव से पूछा है कि वो इस मामले पर चुप क्यों हैं। उन्होंने इस घटना को हृदय विदारक करार दिया, साथ ही चुप्पी साधने के लिए आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधा।

मंत्री जनक राम ने कहा कि इस घटना से पूरा देश आहत है, यह पूरे देश के लिए बेहद शर्मनाक है। उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वे संविधान और दलितों के अधिकारों पर बड़े-बड़े भाषण देते हैं, लेकिन जब ऐसी घटनाएं घटती हैं, तो उनका कोई बयान सामने नहीं आता। जनक राम

ने कहा, तेजस्वी यादव और लालू यादव को हर घटना के बारे में भाषण देने की आदत है, लेकिन जब ऐसी घटना बंगाल में घटती है, तो उनका बयान कहीं नजर नहीं आता। यह बेहद शर्मनाक है और जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी।

राम ने आगे कहा कि देश में हो रहे अत्याचार, बलात्कार जैसी घटनाएं उनकी ताकत हैं। इसके बाद उन्होंने सवाल उठाया कि दलित और महादलित बच्चियों के साथ होने वाली घटनाओं पर इन नेताओं की चुप्पी क्यों है।

मेघालय उच्च न्यायालय ने एक बार इस्तेमाल योग्य प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया

शिलांग। मेघालय उच्च न्यायालय ने एक बार इस्तेमाल होने योग्य प्लास्टिक के राज्य भर के मंदिरों और दुकानों में इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मुख्य न्यायाधीश एस वैद्यनाथन की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय की पीठ ने टेट्रा पैक वाले कार्टन इस्तेमाल किए जाने वकालत की, जो मुख्य रूप से कागज से बने होते हैं और प्लास्टिक का एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। उसने कहा कि प्लास्टिक के खिलाफ लड़ाई सिर्फ पर्यावरण के लिए धर्मयुद्ध नहीं है, बल्कि हमारे ग्रह के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए एक लड़ाई है।

खंडपीठ ने शुक्रवार को इस मामले संबंधी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कहा, शुरूआत में इस तरह का कदम उठाना मंदिर परिसर से शुरू किया जा सकता है। मंदिर प्राधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पूजा स्थलों के अंदर और आसपास प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग न हो।

पीठ ने कहा, सभी मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि अगर कोई मंदिर के अंदर प्लास्टिक ले जाता है, तो उसे कुछ हद तक रोका जा सके।

पीठ ने दुकानों में भी प्लास्टिक की थैलियां रखने और उनका उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया और उल्लंघन करने वालों पर भारी जुमार्ना लगाने का प्रस्ताव रखा।

उसने कहा, यदि किसी दुकान में प्लास्टिक की थैलियां रखी पाई जाती हैं तो उस पर भारी जुमार्ना लगाया जाना चाहिए और यदि इसके बावजूद इसका इस्तेमाल जारी रहता है तो ऐसी दुकानों को ताला लगाकर सील कर दिया जाना चाहिए।

अमेरिका ने ईरान को चेताया

कहा- अगर इस्त्राइल पर किया हमला तो भुगतने होंगे विनाशकारी परिणाम

वॉशिंगटन अमेरिका के एक अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने इस्त्राइल पर हमला किया तो उसे विनाशकारी परिणाम भुगतने होंगे। साथ ही चेताया कि इससे गाजा संघर्ष विराम की दिशा में चल रही वार्ता भी पटरी से उतर जाएगी। बता दें, बीते माह के आखिरी दिन हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी। हानिया की मौत का जिम्मेदार लगातार इस्त्राइल को माना जा रहा है। हालांकि, इस्त्राइल ने अभी तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है।

परिणाम काफी विनाशकारी हो सकता...अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पत्रकारों से कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ईरानियों को प्रोत्साहित करेगा और मुझे पता है कि कई लोग पहले से उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इसका परिणाम काफी विनाशकारी हो सकता है, विशेष रूप से ईरान के लिए।'वहीं, राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा था कि कतर में दो दिनों तक चली बातचीत से गाजा में संघर्ष विराम होने की उम्मीद कहीं अधिक पास दिख रही है।

संघर्ष विराम समझौते का अवसर पटरी से न उतर जाए: अधिकारी...अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'यह ईरान का एक प्रतिनिधि हमास था, जिसने सात अक्तूबर को इस युद्ध को शुरू किया था। अब अगर ईरान कुछ ऐसा कर दे, जिससे व्यापक युद्ध विराम और बंधक रिहाई समझौते का सबसे अच्छा अवसर पटरी से उतर जाए, तो यह विडंबना होगी।'

ईरान ने इस्त्राइल को तेहरान में 31 जुलाई के हमले की प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। इस हमले में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानिया मारा गया था।

इस्त्राइल की रक्षा के लिए...

इस्त्राइल के विदेश मंत्री काट्ज ने शुक्रवार को अपने ब्रिटिश और फ्रांसीसी समकक्षों के साथ एक संयुक्त बैठक में कहा कि अगर इस्लामी गणराज्य इस्त्राइल पर हमला करता है तो वह किसी भी देश के अंदर घुसकर हमला करने में समर्थ है। काट्ज की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, अमेरिकी अधिकारी ने केवल इतना कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के साथ, हर संभव कदम के लिए तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हम इस्त्राइल की रक्षा के लिए आवश्यक सब कुछ करने जा रहे हैं।'

सात अक्टूबर को हुए हमले का किया था नेतृत्व...सात अक्टूबर को दक्षिणी इस्त्राइल में हुए आतंकवादी हमले में 12 सौ लोग मारे गए थे और लगभग ढाई सौ लोगों को बंधक बनाया गया था।

आदिवासी मुख्यमंत्री गरीब आदिवासी बेटे चौहान हेंब्रम के हत्यारे को दे रहा संरक्षण : हेमंत विश्व शर्मा

रांची, एजेंसी। असम सरकार के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हेमंत विश्व शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज गिरिडीह जिलांतर्गत बेंगाबाद स्थित झारखंड पुलिस के स्व हवलदार चोहन हेंब्रम के घर परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे।

यह क्षेत्र मुख्यमंत्री की धर्म पत्नी श्रीमती कल्पना सोरेन के विधानसभा क्षेत्र में आता है। भाजपा के दोनो नेताओं को बेंगा बाद पहुंचने के पूर्व प्रशासन ने स्व हेंब्रम की पत्नी और बच्चों को घर से अन्यत्र पहुंचा दिया। मिलने आए सास ससुर को भी पुलिस ले गई।

स्व हेंब्रम के घर पर उनकी वृद्धा माता सहित ग्रामीणों से हेमंत विश्व शर्मा एवम प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुलाकात की,घटना की विस्तृत जानकारी ली,घटना पर दुख व्यक्त करते हुए भाजपा की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मीडिया से बात करते हुए हेमंत विश्व शर्मा ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला

बोला।श्री शर्मा ने कहा कि यह सरकार आदिवासी विरोधी,संवेदनाहीन और निरंकुश सरकार है। जिसे केवल वोट बैंक की चिंता है।उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार अपराधियों का भी तुष्टिकरण करती है। समुदाय और धर्म विशेष के अपराधी को यह सरकार संरक्षण प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि गैंगरेप के आरोप में सजायाफ्ता अपराधी कैदी शाहिद अंसारी जो इलाज के नाम पर हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में इलाज रत था ने उसकी सुरक्षा में प्रतिनियुक्ति हवलदार स्व चौहान हेंब्रम की नृशंस हत्या कर दी। और फरार हो गया।

श्री शर्मा ने कहा कि ऐसा दुर्दांत अपराधी और सुरक्षाकर्मी की हत्या कर फरार हो जाए यह राज्य की ध्वस्त विधि व्यवस्था को उजागर करता है।

कहा कि अपराधी एक समुदाय विशेष का है इसलिए वह आज तक गिरफ्तार नही हुआ।जिससे स्पष्ट है कि राज्य की पुलिस उसका संरक्षण कर रही।और यह सब सरकार के इशारे पर हो रहा।

उन्होंने कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री का दंभ भरने वाले हेमंत सोरेन को आदिवासी हवलदार की हत्या विचलित,मर्माहत नही कर रही। इसीलिए वे चैन की वंशी बजा रहे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसे गंभीरता से लिया है।पार्टी ऐसी राजनीतिक सोच को प्रदेश से उखाड़ फेंकने केलिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि भाजपा स्व चौहान हेंब्रम के परिजनों के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हुए हर संभव सहायता का वचन देती है।उन्होंने कहा कि मोहम्मद शाहिद अंसारी की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित कराए राज्य सरकार और उसे फांसी की सजा भी दिलाए।

प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार अपराध और अपराधी दोनो की संरक्षक बन गई है। कहा कि हेमंत सरकार ने सर्वाधिक पीड़ित समाज आदिवासी ही है। इस राज्य में आम खास कोई सुरक्षित नहीं।अपराधी सड़क पर,घर में , जेल में ,अस्पताल में कहीं भी अपराध को अंजाम देने में सफल हो रहे हैं। कहा कि इसके पीछे एकमात्र कारण है अपराधियों को सरकार का संरक्षण ।उन्होंने कि हेमंत सरकार तुष्टिकरण की पराकाष्ठा कर रही।

श्री मरांडी ने कहा कि यह सरकार पीड़ित परिवार से मिलने में भी रोक लगा रही।पहले गोपीनाथ पुर जाने से रोका और बेंगाबाद से परिजनों को ही हटा दिया। सास ससुर तक को भी नही छोड़ा। केवल लाचार बृद्धा मां ही घर पर रहने को विवश है।कहा कि सच पर ज्यादा समय छुपाया नही जा सकता।सच प्रकट होता ही है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार की सच्चाई पूरी तरह प्रकट हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि स्व चौहान हेंब्रम की हत्या करने वाला सजफ्ता दुर्दांत फरार अपराधी शाहिद अंसारी की गिरफ्तारी हो तथा फास्ट ट्रेक कोर्ट में सुनवाई कर फांसी की सजा दिलाई जाए।

एक नजर

इजरायल के साथ बंधक वार्ता में कोई प्रगति नहीं -हमास

बेरूत। लेबनान में फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के प्रवक्ता अहमद अब्दुल हादी ने रविवार को कहा कि बंधक वार्ता के पहले चरण में कोई प्रगति नहीं दिखी है। कतर, मिस्र, अमेरिका और इजराइल की भागीदारी के साथ गुरुवार और शुक्रवार को दोहा में गाजा पट्टी में युद्धविराम पर वार्ता हुई। संघर्ष विराम की शर्तों पर विशिष्ट जानकारी की कमी के कारण हमास नेतृत्व ने वार्ता में भाग लेने से इनकार कर दिया। 'एक्सियोस' समाचार पोर्टल ने शनिवार को इस मामले से परिचित अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का लक्ष्य अगले सप्ताह के अंत तक गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते को अंतिम रूप देना और ईरान और लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह को इजरायल पर हमलों से रोकने प्रयास है।

विधायक की कार पर पथराव, मामला दर्ज

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आनंदपुरी थाना क्षेत्र में बागीदौरा से भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक जयकृष्ण पटेल की कार पर बृहस्पतिवार रात कुछ अज्ञात बदमाशों ने पथराव किया, जिससे उसके शीशे टूट गए। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में विधायक की ओर से अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। बांसवाडा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश भारद्वाज ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और दर्ज शिकायत के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी है। आनंदपुरी थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक जितेंद्र पाटीदार ने बताया कि अज्ञात बदमाशों ने बरजडिया गांव के पास विधायक की कार पर पत्थराव किया, जिससे चालक के पीछे वाली सीट का कांच टूट गया था। पाटीदार के अनुसार, इस संबंध में दर्ज शिकायत के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 324 (2) (शरारत जिसके कारण 20,000 से 1 लाख रुपये की हानि या क्षति हो) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुर्सी पर बोझ बनने के लिए नहीं आए : शिवराज

बुधनी (सीहोर)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि वे कुर्सी पर बोझ बनने के लिए नहीं आए और उन्हें लगता है कि अगर ठीक से काम करना है तो खूंटा गाड़ कर बैठ जाएं। श्री चौहान ने अपने लोकसभा क्षेत्र विदिशा के बुधनी विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान वे अपना संबोधन दे रहे थे। बुधनी उनका पूर्व विधानसभा क्षेत्र हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान वे यहीं से विधायक थे। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि वे कुर्सी पर बोझ बनने के लिए नहीं आए, सिर्फ चुनाव जीत जाएं तो फिर क्या मतलब। इसी क्रम में उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए भावुक अंदाज में कहा कि जब तक उनकी सांस चलेगी, जनता की भलाई के लिए चलेगी। उन्होंने कहा कि जनता ने ये महसूस भी किया होगा। श्री चौहान ने कहा कि वे बुधनी देर से आ पाए, अपने लोकसभा क्षेत्र के कई विधानसभाओं में नहीं जा पाए। उन्होंने सोचा कि अगर ढंग से काम करना है तो जरा खूंटा गाड़कर बैठ जाएं, तब काम चलेगा और इसलिए वे दिल्ली में डटे थे। श्री चौहान के यहां से त्यागपत्र दिए जाने के बाद से बुधनी विधानसभा क्षेत्र रिक्त है।

दूसरी जाति के युवक से संबंध को लेकर पिता ने बेटी की हत्या की

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक व्यक्ति ने दूसरी जाति के युवक से संबंध को लेकर अपनी बेटी की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) गजेंद्र सिंह वर्धमान के अनुसार, यह वारदात गिरवाई थाना क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया कि आरोपी की बेटी दूसरे समुदाय के युवक से प्रेम करती थी, लेकिन आरोपी और उसके परिवार के अन्य सदस्य इसके खिलाफ थे। वर्धमान के मुताबिक, शुक्रवार को पिता-पुत्री में इस बात को लेकर झगड़ा हुआ, जिसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर उसका गला घोंट दिया। वर्धमान के अनुसार, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

झारखंड में चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

रांची। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की ओर से आहूत 24 घंटे की हड़ताल से शनिवार को झारखंड में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। आईएमए के प्रदेश सचिव डॉक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहेंगी। उन्होंने कहा, हम प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग करते हैं और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में की गई तोड़फोड़ की निंदा करते हैं। आईएमए की प्रदेश इकाई के प्रमुख डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने कहा, सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के साथ ही डायग्नोस्टिक सेंटर भी हड़ताल में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हड़ताल के दौरान सभी वैकल्पिक सेवाएं, बा रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाएं और वैकल्पिक सर्जरी निलंबित रहेंगी। हालांकि, हड़ताल का आपातकालीन सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आईएमए झारखंड, राज्य स्वास्थ्य संघ (जेएचएसए), आरडीए-सीआईपी और अन्य प्रतिष्ठानों के सदस्य रांची में मार्च भी निकालेंगे।

बिहार में गंगा पर बन रहे पुल का एक हिस्सा ढहा

खगड़िया/भागलपुर। बिहार में गंगा नदी पर निमार्णाधीन पुल का एक हिस्सा शनिवार सुबह ढह गया। खगड़िया के जिलाधिकारी अमित कुमार पांडे ने बताया कि अगुवानी-सुल्तानगंज पुल का एक स्लैब सुबह करीब आठ बजे गिर गया। पांडे ने कहा, एक बात बताना चाहूंगा कि निमार्णाधीन पुल का पूरा ढांचा, जिसमें खामियां हैं, उसे ठेकेदार द्वारा तोड़ा जाना है। वहां निर्माण कार्य पहले ही रोक दिया गया है। ठेकेदार पटना उच्च न्यायालय के निर्देश पर ढांचे को तोड़ रहा है। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पिछले साल इस पुल के चार-पांच खंभे ढह गए थे, जिससे पूरा हिस्सा नदी में समा गया था। पिछले कुछ महीनों में राज्य में कई पुल ढह गए हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

ई-रिक्शा चालक और उसके साथियों ने युवक को पीटा, मौत

जयपुर। जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक ई-रिक्शा चालक और उसके दो साथियों ने एक युवक के साथ कथित तौर पर मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने शास्त्री नगर थाने के बाहर प्रदर्शन किया और मामले में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) बजरंग सिंह के अनुसार, शुक्रवार रात एक स्कूटी और ई-रिक्शा में टक्कर हो गई, जिसके बाद स्कूटी चालक और ई-रिक्शा चालक व उसके दो साथियों के बीच हाथापाई हो गई। सिंह ने बताया, घटना के बाद स्कूटी चालक और ई-रिक्शा चालक अपने-अपने घर चले गए। घर पहुंचने के बाद स्कूटी चालक दिनेश स्वामी (36) की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट सहित अन्य मांगों को लेकर जारी रहेगी रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन पिछले एक सप्ताह से जारी है। इसी क्रम में सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट एक्शन कमेटी ने आज फिर सभी आरडीए के साथ बैठक कर-के मांगें माने जाने तक प्रदर्शन जारी रखने का निर्णय लिया है। साथ ही आज शाम सभी डॉक्टरों से राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से जागरूकता मार्च निकालने के लिए जुटने की अपील की है। सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट एक्शन कमेटी का गठन दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मिलकर किया है। रेजिडेंट डॉक्टर्स का कहना है कि सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट की लड़ाई को वे इस एक्शन कमेटी के बैनर तले लड़ रहे हैं। सरकार द्वारा मांगें माने जाने तक उनकी लड़ाई जारी

रहेगी। बता दें कि 12 अगस्त से दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के रेजीडेंट डॉक्टर्स हड़ताल पर हैं। इस दौरान अस्पतालों में ओपीडी, इलेक्टिव सर्जरी और लैब की सेवाएं बंद चल रही हैं। जिसकी वजह से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीज अस्पताल पहुंचकर बिना इलाज के घर वापस लौट रहे हैं। हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं अस्पताल में चालू रखी गई हैं लेकिन इमरजेंसी सेवाएं भी पूरी क्षमता के साथ काम नहीं कर रही हैं। शनिवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने भी सभी प्राइवेट अस्पतालों से भी हड़ताल में शामिल होने की अपील की थी। कल सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टर भी हड़ताल पर रहे। बता दें कि दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के आरडीए कोलकाता की घटना के विरोध और सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर लगातार मार्च निकाल रहे हैं। दिल्ली एम्स ने अपने रेजिडेंट डॉक्टर्स को काम पर वापस लौटने के लिए मेमोरेंडम भी जारी किया है। जीटीबी अस्पताल ने भी रेजिडेंट डॉक्टरों को काम पर लौटने के लिए मेमोरेंडम जारी किया था। लेकिन इनकी परवाह न करते हुए रेजिडेंट डॉक्टर लगातार हड़ताल पर डटे हुए हैं। इससे मरीजों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। बता दें कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन 40000 से ज्यादा मरीज ओपीडी में इलाज कराने के लिए आते हैं। लेकिन, अस्पतालों में एक सप्ताह से चल रही हड़ताल के कारण मरीजों को दर दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। उन्हें सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में इलाज नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस ने की थी वक्फ की भूमि पर कब्जे की शुरूआत

भाजपा भी उसी राह पर : मौलाना कल्बे जव्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी। जोरबाग में रविवार को वक्फ बिल 2024 का विरोध करते हुए उलमा मौलाना कल्बे जव्वाद ने इसे केंद्र सरकार की बड़ी साजिश बताया। मौलाना ने कहा कि यह बिल वक्फ की संपत्ति पर कब्जे के लिए लाया जा रहा है। वक्फ संपत्ति मुसलमानों की संपत्ति है। इसे मुसलमानों ने अल्लाह की राह में दान दिया है। वक्फ बोर्ड इसका मालिक नहीं, बल्कि हिफाजत करने वाला एक चौकीदार है। उन्होंने कहा, "वक्फ जमीन पर कब्जे की शुरूआत कांग्रेस ने की थी। अब भाजपा भी उसी की राह पर चल पड़ी है। वक्फ की आठ लाख एकड़ जमीन बताई जा रही है, लेकिन इसमें से चौथाई भी बोर्ड के पास नहीं है। ज्यादातर जमीनों पर सरकार का कब्जा है।" शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने कहा, "वक्फ अधिनियम बनाते समय सरकार ने हमसे मिलने की कोशिश क्यों नहीं की। उन्हें मौलाना और उलेमा से बात करनी चाहिए थी। उन्होंने हमसे बात क्यों

नहीं की? हमसे सलाह किए बिना उन्होंने इसे पेश कर दिया।" उन्होंने आगे कि अब सरकार कह रही है कि हम क्यों नहीं मिल रहे हैं। शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने आगे कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर केंद्र सरकार को जागरूकता फैलाने की जरूरत है। क्योंकि लोगों को इसके नुकसान के बारे में कुछ भी पता ही नहीं है। इसके लागू होने से 95 वक्फ खुद पर खुद खत्म हो जाएंगे और जो 5 रहेगें वो जिले के डीएम के अधीन रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं तो उन्हें क्या नुकसान उठाना पड़ेगा। मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 मुसलमानों को नुकसान पहुंचाने का बहुत बड़ा षड्यंत्र है। हालांकि, हम इसके लिए सरकार से बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे के लिए हम खासतौर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से बात करेंगे। इस सिलसिले में हमारी मदद करें और इस बिल को संसद में पास न होने दें।

बाजारों में रही भीड़, जमकर राखियों की हुई खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन का त्योहार सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस खास त्योहार के लिए दिल्ली के बाजार 10 दिन पहले से ही सज गए थे, लेकिन सबसे ज्यादा खरीदारी रविवार को हुई। सदर बाजार, चांदनी चौक, कमला नगर मार्केट, सरोजनी नगर बाजार समेत दिल्ली के सभी बाजारों में रविवार को खरीदारों की जबरदस्त भीड़ लगी रही। राखियों के साथ-साथ मिठाइयों की भी जमकर खरीदारी हुई। इस बार पश्चिम बंगाल और गुजरात की राखियों की एक हजार से ज्यादा वेरायटियां बाजार में मौजूद हैं। 20 से लेकर एक हजार रुपये तक की राखियां बाजार में मौजूद हैं। इनमें बच्चों के लिए कार्टून वाली राखियां भी खूब पसंद की जा रही हैं। सदर बाजार में राखी के थोक कारोबारी अनिल कुमार ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में राखियों के डिजाइन में काफी बदलाव आया है। पूर्व में जहां धागे वाली या बड़ी-बड़ी राखियां पसंद की जाती थी, अब जरी और मेटल वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में भी राखी बनाने का काम किया जाता है, लेकिन कोलकाता और गुजरात से भी बड़ी मात्रा में दिल्ली के थोक बाजारों में राखियां पहुंच रही हैं। कोलकाता में जरी वाली राखी और गुजरात में मेटल वाली राखियां बड़े स्तर पर बनाई जाती है। उन्होंने बताया कि एक महीना पहले ही बाजार में राखियों का स्टॉक शुरू हो गया था। पहले जहां थोक बिक्री हो रही थी, वहीं अब दो दिन पहले से खुदरा बाजार में भी बिक्री बढ़ गई। एक दिन पहले ही बसों में भीड़ बढ़ गई इस बार रक्षाबंधन का पर्व सोमवार को है। ऐसे में एक दिन पहले रविवार को भी लोगों को अवकाश मिल गया। लगातार दो दिन की छुट्टी मिलने की वजह से बड़ी संख्या में लोग एक दिन पहले ही बहनों के पास या बहन अपने भाइयों के पास जाने लगी थीं। आमतौर पर जहां रक्षाबंधन के दिन बसों में भीड़ रहती है, वहीं रविवार को अवकाश के कारण लोगों ने एक दिन पहले ही सफर करना बेहतर समझा। हर उम्र के लोगों के लिए अलग हैं राखियों के डिजाइन कमला नगर मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने बताया कि बाजार में हर उम्र के लोगों के लिए अलग-अलग राखियां हैं। बच्चों के लिए कार्टून की राखियां मौजूद हैं। इनमें डोरेमोन, शिनचैन, नोबिता, छोटा भीम, मोटू-पतलू, स्पाइडर मैन के आकार वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। बहुत छोटे बच्चों के लिए छोटे-छोटे आकार की राखियां मौजूद हैं।

भाजपा नेताओं ने 291 झुग्गी एवं सेवा बस्तियों में मनाया रक्षा बंधन पर्व

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के साथ ही पार्टी सांसदों, विधायकों, पार्षदों, प्रदेश, जिला एवं मंडल पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं ने आज दिल्ली की 291 झुग्गी एवं सेवा बस्तियों में हर्षोल्लास के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने पूर्वी दिल्ली में एन.एच. 24 पर स्थित विनोद नगर की सेवा बस्ती नेहरु कैम्प की बहनों के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाया। इस मौके पर श्री सचदेवा ने बहनों को मिठाई खिलाई और सांकेतिक उपहार दिये। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि रक्षा बंधन के अवसर पर हर बार की तरह इस बार भी दिल्ली भाजपा के नेता कार्यकर्ता दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले भाई-बहनों के बीच पहुंचकर उनके साथ रक्षा बंधन का पर्व मना रहे हैं। झुग्गी वालों का पहले से ही हमें प्यार मिलता रहा है और हम रिश्तों को और सुदृढ करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार भाई बहनों का त्योहार है और दिल्ली की झुग्गी एवं पुनर्वास बस्तियों में रहने वाले भाई-बहनों के जीवन को सुधारने के लिए भाजपा पहले भी आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जे.जे. कैम्प प्रसाद नगर, बदरपुर में झुग्गी क्लस्टर की बहनों के साथ सामूहिक रक्षा बंधन पर्व मनाया।

सांसद एवं प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र चंदोलिया ने संजय कैम्प समयपुर बादली में झुग्गी क्लस्टर की बहनों के साथ सामूहिक रक्षा बंधन पर्व मनाया। नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने आज अर्जुन दास कैम्प लक्ष्मीबाई नगर में झुग्गी क्लस्टर के भाई बहनों के साथ सामूहिक रक्षा बंधन पर्व मनाया। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पश्चिम विहार डेरीवाला बाग झुग्गी झोंपड़ी क्लस्टर की बहनों के साथ रक्षा बंधन पर्व आज मनाया। विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आज सूरज पार्क वार्ड रोहिणी डी में सामूहिक रक्षा बंधन मनाया। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह ने किंग्सवे कैम्प झुग्गी क्लस्टर की बहनों के साथ रक्षा बंधन पर्व मनाया। एन.डी.एम.सी. उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने पहाड़ी बस्ती, ग्रीन पार्क की महिलाओं के साथ रक्षा बंधन उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया।

एक नजर

शिक्षकों के पदों को भरने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय में आरक्षित वर्ग के शिक्षकों के खाली पदों को भरने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग कुलपति से की गई है। शिक्षक संगठन फोरम ऑफ एकेडमिक्स फॉर सोशल जस्टिस ने कहा कि प्रोफेसर काले कमेटी की उपेक्षा कर-के कॉलेजों में प्रिंसिपल पदों पर नियुक्ति हो रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रिंसिपल पदों पर रोस्टर नहीं बनाया है। फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन और महासचिव प्रोफेसर केपी सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को लिखे पत्र में कहा है कि जिन कॉलेजों ने अपने यहां शिक्षक पदों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली है वहां के प्रधानाचार्यों को एक सर्कुलर जारी करके सख्त निर्देश दिए जाएं कि वे प्रिंसपल पदों पर आरक्षण और रोस्टर रजिस्टर तैयार कर-के उन्हें भरें।

आईपी यूनिवर्सिटी में फार्मा के लिए 27 अगस्त तक आवेदन का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपी यूनिवर्सिटी के एम॰ फार्मा, डी. फार्मा और लैटरल एंट्री टू बी. फार्मा प्रोग्राम में दाखिले के लिए 27 अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है। यह प्रोग्राम द्वारका कैम्पस स्थित सेंटर औफ एक्सलेन्स इन फार्मसूटिकल साइन्स(सीईपीएस) में उपलब्ध है। ये तीनों प्रोग्राम पहली बार यूनिवर्सिटी द्वारा शुरू किए जा रहे हैं। इन तीनों प्रोग्राम के लिए ऑफलाइन आवेदन पत्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इन आवेदन पत्र के साथ कुलसचिंव के पक्ष में निर्गत 2, 500 रुपए का बैंक ड्राफ़्ट विश्वविद्यालय सुविधा केंद्र में 27 अगस्त 4 बजे तक जमा कराने हैं। इस सेंटर के प्रमुख प्रो. ए.के. नरूला के अनुसार फार्मा इंडस्ट्री जिस तरह से ग्रोथ कर रही है इन प्रोग्राम की डिमांड हमेशा बनी रहेगी।

जामिया के शोधार्थी प्रखर श्रीवास्तव को फ्रांस की प्रतिष्ठित साइंस लैब में मिली नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मनोविज्ञान विभाग के वरिष्ठ रिसर्च फेलो प्रखर श्रीवास्तव को फ्रांस की एनेसी बिहेवियरल साइंस लैब में रिसर्च कॉन्ट्रैक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रो. समीना बानो के मार्गदर्शन में शोध कर रहे प्रखर ग्लोबल इंडेक्स ऑफ सोशल कनेक्शन के विकास में योगदान देंगे। वह अपने परिवार के साथ ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहते हैं। डॉ. हंस रोचा इजरमैन एवं मिगुएल सिलान के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्देश्य संस्कृतियों में सामाजिक संबंध तथा एकाकीपन को बेहतर ढंग से समझना है, जिसमें वैश्विक दृष्टिकोणों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत में इस परियोजना की शोध गतिविधियों हेतु प्रखर श्रीवास्तव जिम्मेदार होंगे। इस परियोजना के निष्कर्षों का उपयोग विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) तथा आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित व्यापक शोध समुदाय एवं हितधारकों हेतु एक पैमाना बनाने के उद्देश्य से किया जाएगा। विश्व भर में सामाजिक जुड़ाव से संबंधित वैश्विक नीतियों तथा प्रथाओं को प्रभावित करने की क्षमता इस पहल में है।

जलभराव के चलते कई जगह रेंगते रहे वाहन

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को राजधानी के कई हिस्सों में हल्की बारिश के चलते जलभराव की समस्या देखने को मिली। पानी भरने के चलते इन जगहों से वाहन चालकों के लिए निकलना काफी मुश्किल हो गया और उन्हें जाम का सामना करना पड़ा। उत्तरी दिल्ली के आधा दर्जन से ज्यादा इलाकों में यह समस्या रही। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर हुई बारिश की वजह से मजनू का टीला स्थित चौधरी फतेह सिंह मार्ग पर पानी भर गया। इस वजह से ट्रैफिक पुलिस ने इस रास्ते को बंद कर दिया और उसकी जगह वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों को भेजा गया। मजनू का टीला के पास भी सड़क के दोनों तरफ पानी भर गया, जिसे देर शाम तक पंप की मदद से निकालने का काम किया गया। आईटीओ के समीप भी बारिश की वजह से वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। रोहतक रोड पर मुंडका के पास सड़क के दोनों तरफ जल?भराव होने की वजह से यहां से वाहन चालकों के लिए निकलना बेहद मुश्किल भरा रहा। इस दौरान एक बाइक सवार भी गड्ढे में गिर गया। नजफगढ़-नांगलोई रोड पर भी जाम लगा रहा।

पटेल नगर के पास मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, छह घंटे तक रेल परिचालन बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी। पटेल नगर रेलवे स्टेशन के पास रविवार तड़के मालगाड़ी का एक वैगन पटरी से उतर गया। किसी तरह का कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन लगभग छह घंटे तक इस लाइन पर रेल परिचालन बाधित रहा। रेलवे प्रशासन दुर्घटना के कारण की जांच कर रहा है। रविवार तड़के लगभग सवा तीन बजे पंजाब के लेहरा मुहब्बत से तुगलकाबाद जा रही खाली मालगाड़ी पटेल नगर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसका एक वैगन पटरी से उतर गया। वैगन के टकराने से ओएचई (ओवर हेड इलेक्टिसिटी इक्यूपमेंट) का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे इस रूट पर रेल परिचालन बाधित हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। सुबह लगभग सवा नौ बजे दुर्घटनाग्रस्त वैगन को हटाने के साथ ही क्षतिग्रस्त ओएचई के खंभे को ठीक किया गया।

आईआईएम अहमदाबाद से ट्रेनिंग लेकर लौटे 48 एमसीडी स्कूल प्रिंसिपलों से शिक्षा मंत्री ने किया संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्कूल की तरह ही अब दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में भी शिक्षा क्रांति की शुरूआत हो चुकी है। इस दिशा में आईआईएम अहमदाबाद से पांच दिवसीय ट्रेनिंग लेकर लौटे एमसीडी स्कूलों के 48 प्रिंसिपलों से शिक्षा मंत्री आतिशी व मेयर शैली ओबरॉय ने संवाद किया। इस अवसर पर प्रिंसिपलों ने आईआईएम की अपनी लीडरशिप ट्रेनिंग, बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और पैरेंट्स को शिक्षा में भागीदार बनाने समेत ट्रेनिंग में सीखे हर पहलुओं से जुड़े अनुभव साझा किए।

आतिशी ने कहा कि जब भी सरकारी स्कूल, वहां के टीचर्स-प्रिंसिपल्स की बात आती है तो पूरे देश की अवधारणा है कि वो उदासीन होते हैं। लेकिन मुझे खुशी है कि हमारे प्रिंसिपलों ने इस अवधारणा को तोड़ने का काम किया है। हमारे प्रिंसिपल अपने जोश, उत्साह और सकारात्मकता को अपने स्कूल के टीचर्स और बच्चों में भी फैलायेंगे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल का मानना है कि जब तक शिक्षकों को वर्ल्ड क्लास एक्सपोजर नहीं मिलेगा तब तक वो बच्चों को वर्ल्ड क्लास शिक्षा नहीं दे सकते

इसलिए हमने एमसीडी स्कूलों के प्रिंसिपलों को आईआईएम में ट्रेनिंग के लिए भेजा है। ताकि वो वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग लें और फिर उसका इस्तेमाल अपने स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए करें। उन्होंने कहा कि जिस तरह से शिक्षक-प्रिंसिपल हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम उनके लिए दुनिया की सबसे शानदार ट्रेनिंग का प्रबंध कर रहे हैं, ठीक उसी तरह हम चाहते हैं कि शिक्षक-प्रिंसिपल हमारे स्कूली बच्चों को भी शानदार शिक्षा दें। स्कूल में पढ़ने वाला हर बच्चा ये महसूस करे कि वो आपके लिए महत्वपूर्ण है और वो स्कूल आकर डरे नहीं बल्कि स्पेशल महसूस करें। आतिशी ने कहा कि जो बच्चे सरकारी स्कूलों में आ रहे हैं, उन्हें उनके शिक्षकों-प्रिंसिपलों के अलावा गाइड करने, आगे बढ़ने का मौका देने वाला कोई और नहीं है।

नरेला के युवाओं के लिए नशा विरोधी जागरुकता अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला विधानसभा के शाहपुर गढ़ी गांव में रविवार सुबह युवाओं को नशे से दूर रहने को प्रेरित करने के लिए एक विशेष मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।

यह आयोजन नरेला के समाजसेवी सौरभ खत्री द्वारा आयोजित किया गया। आयोजन में दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नवनिर्वाचित सांसद योगेंद्र चंदोलिया, बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता विद्युत जामवाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की विशेष उपस्थिति रही। नशे के विरोध में सौरभ खत्री ने सभी क्षेत्रवासियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि दो चरणों में आयोजित इस मैराथन के सात किलोमीटर की दौड़ में 11.हजार, सात हजार एवं पांच हजार रुपये की धनराशि क्रमशः पहला दूसरा एवं तीसरे स्थान पर रहे प्रतिभागियों को दी गयी। इसके साथ ही तीन किलोमीटर की दौड़ में भाग ले रहे प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। यह मैराथन दौड़ भारत के

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' अभियान के अंतर्गत नरेला के समाजसेवी सौरभ खत्री का एक सराहनीय प्रयास है। इस आयोजन के माध्यम से नरेला के युवाओं को स्वस्थ और फिट रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

एम्स के न्यूरो सर्जन ने की खुदकुशी, छह महीने पहले ही पूरी की थी पढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के न्यूरो सर्जन ने खुदकुशी कर ली है। जानकारी के मुताबिक न्यूरो सर्जन ने पारवारिक कलह की वजह से यह कदम उठाया। वह दिल्ली के गौतम नगर इलाके में रहते थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान डॉक्टर राज घोनिया के तौर पर हुई है। उन्होंने छह महीने पहले एम्स से न्यूरो सर्जरी (एमसीएच) की पढ़ाई पूरी की थी। घटना के बाद घोनिया को एम्स के इमरजेंसी में लाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, डॉ. राज घोनिया की पत्नी सर गंगाराम अस्पताल में माइक्रोबायोलोजिकल विभाग में कार्यरत हैं। वह 16 जुलाई को राजपुर गुजरात गई थीं। जब उन्होंने पति को फोन किया तो उन्होंने रिसीव नहीं किया। इसके बाद उन्होंने सेकेंड फ्लोर पर रहने वाली डॉक्टर आकांक्षा को फोन कर बताया कि उनके पति फोन नहीं उठा रहे हैं। तब जाकर हादसे की सूचना मिली। सुसाइड नोट में लिखा- यह मेरी इच्छा थी डॉक्टर राज 15 दिन पहले ही यूएस से ट्रेनिंग करके लौटे थे। उन्होंने सुसाइड नोट चिपकाया था। इसमें लिखा था- "यह मेरी इच्छा थी। मैं इस गलती के लिए किसी को दोषी नहीं मानता हूं। कृपया इसके लिए किसी को प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए। कृपया मेरी इच्छा का सम्मान करें। खुश रहें। राज घोनिया।" फ्लैट से मिला सुसाइड नोट दिल्ली पुलिस ने बताया कि एम्स में काम करने वाले एक डॉक्टर ने दवा के ओवरडोज लेकर आत्महत्या कर ली।

बिधूड़ी ने किया दक्षिणी दिल्ली में 8 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज अपने संसदीय क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों और गांवों में 8 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने क्षेत्र को अगले छह महीने में मिलने वाली विश्वस्तरीय सुविधाओं की भी घोषणा की।

बिधूड़ी ने बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में बीआईडब्ल्यू कैंप की गलियों में निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। उन्होंने ताजपुर गांव की डिस्पेंसरी वाले बारातघर के सौंदर्यीकरण के कार्य की भी शुरूआत की। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। ताजपुर गांव की सड़कों और नालियों के निर्माण कार्य की भी बिधूड़ी ने शुरूआत की जिससे इलाके के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने मोलड़बंद गांव की सड़कों व नालियों और मीठापुर गांव की सड़कों व नालियों के निर्माण कार्यों की भी शुरूआत की। गगन विहार बारातघर के लिए रोड की जरूरत महसूस की जा रही थी। इस रोड के निर्माण कार्य का भी उन्होंने उद्घाटन किया। हरीनगर गांव की सड़क और नालियों के निर्माण कार्य की भी शुरूआत रविवार से हो गई। इसके अलावा उन्होंने प्रसाद नगर जेजे कैंप में जनसुविधा परिसर के निर्माण कार्य को भी शुरू किया। इस अवसर पर बिधूड़ी ने बताया कि बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के मीठापुर चौक से 6 लेन के नेशनल हाईवे, फ्लाई ओवर, आगरा-गुड़गांव केनाल रोड के फ्लाई ओवर और दुनिया के सबसे बड़े इको पार्क का निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है।

संगीतमय कार्यक्रम आप आए बहार आई'' का आयोजन लाजपत भवन ओडिटोरिम में हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। मधुर म्यूजिक ग्रुप द्वारा प्रस्तुत और नीरज गुप्ता द्वारा आयोजित संगीतमय कार्यक्रम आप आए बहार आई का आयोजन मूलचंद स्थित लाजपत भवन के ओडिटोरिम में किया गया, जिसमे दिल्ली और एनसीआर के अनेक सुरीले गायक-गायिकाओं ने हिस्सा लिया और अपनी मधुर गायकी से संगीत प्रेमियों को मत्रमुग्ध किया। इस लाइव संगीतमय कार्यक्रम में जिन गायक-गायिकाओं ने भाग लिया उनमें अरुण गोयल, प्रदीप प्रभाकरन, भुवना, जय कुमार, अरविंद, अनन्त त्रिपाठी, शंकर लाल, सुभाष गुप्ता, राजन अय्यर, अर्जुन महर्षि, खुशी सिंह, अतुल, अनिमेष भट्टाचार्य, सुजाता, एम के कामरा आदि के नाम शामिल है। शो की एंकरिंग मंजू त्रिपाठी ने की और म्यूजिक डिजाइनर नीरज गोस्वामी थे। अनिल बंसल, मनोज भल्ला, राजेश जैन, विमल मानुजा, के एस सेठी, डॉ विनोद आनंद, सुभाष भाटिया,आदि उपस्थित थे।

उपचुनाव में भाजपा जीतेगी सभी दस सीटें: केशव

एनसीआर समाचार

मिर्जापुर। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता शक्तिशाली है। जरूरत इस बात की है कि हनुमानजी की तरह उन्हें अपनी ताकत का एहसास कराया जाए। फूलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हर हाल में जीतना है। कार्यकताओं के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। वर्ष 2027 में भाजपा सरकार नहीं बनी तो यहां के भी हालात पश्चिम बंगाल जैसे हो जाएंगे। यह बातें शनिवार को इफको के सभागार में उप चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कही।

डिप्टी सीएम ने कहा कि झूठ की नाव ज्यादा देर नहीं टिकती। लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने झूठ का सहारा लिया था, जब पूरे देश में माहौल भाजपा के पक्ष में था। यदि केंद्र में मोदी सरकार न होती तो अनुच्छेद 370 नहीं हटती और राम मंदिर न बन पाता। मोदी सरकार ने जितना काम 10 वर्षों में कर दिया, कांग्रेस 70 साल में भी नहीं कर पाई। मौर्य ने इस उपचुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का ट्रायल बताया। कार्यकताओं में जोश भरते हुए उन्होंने कहा कि इन्हीं कार्यकताओं ने 2017, 2019 एवं 2022 में प्रदेश में बंपर जीत दिलाई है। आने वाले चुनाव में भी यही कार्यकर्ता चुनाव जिताने का काम करेंगे। नरेंद्र मोदी और योगी की सरकार में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त है।

फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में भी 10 साल में जो काम हुआ उतना पिछली सरकारें कई वर्षों में नहीं कर पाई। गांव की सड़कें भी हाईवे की तरह बन गईं। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि फूलपुर लोकसभा आपने जीत लिया, लेकिन विधानसभा में हम 18 हजार से पिछड़ गए थे। यह विपक्ष की मजबूती से नहीं हुआ,बल्कि हमारी कमी से हुआ है। यह उपचुनाव हमारे लिए चुनौती है। सभी एकजुट होकर लड़ेंगे तो हर हाल में यह चुनाव हम जीतेंगे। भाजपा गंगापार की अध्यक्ष कविता पटेल ने भी एकजुटता का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन चेयरमैन फूलपुर अमरनाथ यादव ने किया। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, सांसद प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व विधायक प्रभाशंकर पांडेय, अमरनाथ तिवारी, रतन सिंह मौर्य, कन्हैयालाल पांडेय, निर्मला पासवान, अनिरूद्ध सिंह, आलोक गुप्ता और विपेंद्र पटेल मौजूद रहे।

फिर बिलों से निकल रहे सपा के गुंडे हो जाएंगे सफाचट

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कहा कि फूलपुर विधानसभा सीट पर टिकट के कई दावेदार हैं, लेकिन टिकट चाहे जिसे मिले पर फूलपुर में कमल ही खिलेगा। जिस प्रकार से 2014, 2017, 2022 और 2024 में जनता ने कमल खिलाया है। इस बार भी हमें इसे दोहराना है। अंदावा में आयोजित सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि मौर्य ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हम प्रदेश में लक्ष्य से थोड़ा पीछे रह गए, फिर भी देश में एनडीए की सरकार बनी। फूलपुर में लगातार दूसरी बार कमल खिला है। सपा को घेरते हुए उन्होंने कहा कि सपा को थोड़ी बढ़त मिलने के बाद उनके गुंडे बिल से निकल आए हैं और अपराध कर रहे हैं। हमारी सरकार अपराधियों को सजा दिला रही है। अबकी बार वह खटाखट से सफाचट हो जाएंगे। इंडी गठबंधन पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि यह लोग जनता को गुमराह कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय संविधान खतरे में है कहकर विपक्षियों ने थोड़ी बढ़त बना ली है। वर्ष 2019 में हमने भव्य कुंभ का आयोजन किया था। उसी प्रकार महाकुंभ भी भव्य होगा। इनके बाद खादी ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी कार्यकताओं में जोश भरा। अतिथियों का स्वागत फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल ने किया। संचालन अमरनाथ यादव ने किया। इस मौके पर गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, महापौर गणेश उमेश केसरवानी, एमएलसी डॉ. केपी श्रीवास्तव, निर्मला पासवान मौजूद रहीं।

शाहजहांपुर में महिलाओं ने पौधों को बांधी राखी, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एनसीआर समाचार

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में महिलाओं ने पेड़ पौधों को राखी बांध कर पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया।

शाहजहांपुर में ग्रुप क्रिएटर अभिनय कुमार गुप्ता ने 2015 में शहर की महिला पुरुषों को जोड़कर एक ग्रुप बनाया था। इस ग्रुप में डॉक्टर, अध्यापक, उद्योगपति जैसे लोग जुड़े हैं यह ग्रुप समाज सेवा में अहम भूमिका अदा कर रहा है। प्रतिवर्ष यह ग्रुप शहर को हरा भरा बनाने के लिए पेड़ लगा रहा है।

वीआईपी ग्रुप की अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने रविवार को बताया कि कोविड में जब लोग ऑक्सीजन के चलते परेशान हो रहे थे, लोगों की मौत हो रही थी तभी से हमारे दिल में आया कि हमारे इस ग्रुप को हर वर्ष वृक्षारोपण करना चाहिए जिससे हमें प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन मिल सके और अब हमारा ग्रुप अब तक काफी पेड़ लगा चुका है। इस साल हमारा एक लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य है जिसमें से हम काफी लक्ष्य पूरा कर चुके हैं।

ग्रुप की सदस्य दीप माला रस्तोगी ने बताया कि पेड़ों में भी प्राण होते हैं और हमने पेड़ों के राखी बांधने का निर्णय लिया जिससे बृहस्पतिवार से हमारे ग्रुप की सदस्य पेड़ों के राखी बांध रही हैं और पेड़ों को भाई मानकर उनका तिलक करके उन्हें राखी बांधकर मिष्ठान के तौर पर प्राकृतिक खाद उनकी जड़ में डालकर पानी भी दे रही है और उनके दीघार्यु होने की कामना कर रही हैं। इसी ग्रुप की एक सदस्य शमा जैदी का कहना है कि आज पेड़ों को संरक्षित रहने के लिए जो वीणा हमारे ग्रुप की सदस्यों ने उठाया है, उसे सभी को करना चाहिए ताकि हम पेड़ों को संरक्षित कर सके। यही पेड़ हमें छांव के अलावा ऑक्सीजन तथा औषधी के रूप में टॉनिक देने का काम करते हैं। हमारी इस मुहिम में हमारी बहनें लगातार ग्रुप में जुड़ रही हैं।

नगर आयुक्त डॉ विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि यह निजी तौर पर वीआईपी ग्रुप द्वारा किया गया वृक्षारोपण तथा अब वृक्षों को राखी बांधकर उन्हें संरक्षित करने का किया गया प्रयास काफी अच्छा है इसके अलावा स्थानीय निवासियों को भी पेड़ पौधों को सुरक्षित करने का प्रयास करना चाहिए जिसमें बाउंड्री बाल, कटीले तार, तथा ट्री गार्ड लगाकर इन्हें बड़ा होने तक सुरक्षित रखना चाहिए।

विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज

मायावती ने मिल्कीपुर सीट पर उतारा उम्मीदवार, रामगोपाल कोरी को दिया टिकट

एनसीआर समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 10 खाली हुई सीटों पर उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। बसपा (बहुजन समाज पार्टी) ने उपचुनाव के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं और उम्मीदवारों की घोषणा भी की है। हाल ही में बसपा प्रमुख मायावती ने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट से रामगोपाल कोरी को उम्मीदवार बनाया है।

रामगोपाल कोरी ने 2017 में भी बसपा के टिकट पर इसी सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उस चुनाव में उन्हें सफलता नहीं मिली थी और वे तीसरे स्थान पर रहे थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में यह सीट सपा (समाजवादी पार्टी) के खाते में गई थी, जहां से अवधेश प्रसाद विधायक बने थे। बाद में, अयोध्या लोकसभा सीट से चुनाव जीतने के बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे यह सीट खाली हो गई थी।

बसपा द्वारा इन उपचुनावों में सक्रियता से उम्मीदवारों की घोषणा से यह स्पष्ट होता है कि पार्टी इन उपचुनावों को लेकर गंभीर है और अपनी रणनीति के अनुसार आगे बढ़ रही है।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। हाल ही में, बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक की थी, जिसमें उन्होंने पार्टी कार्यकताओं के साथ उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में सभी 10 विधानसभा सीटों के लिए तैयार किए गए उम्मीदवारों के पैनल पर भी चर्चा हुई।

मायावती ने जोनल प्रभारियों से और अधिक योग्य एवं कर्मठ उम्मीदवारों के नाम मांगे थे, ताकि वे पार्टी के लिए बेहतर प्रदर्शन कर सकें। अब तक, बसपा ने फूलपुर विधानसभा सीट से शिव बरन पासी और मझवा सीट से दीपू तिवारी की उम्मीदवारी पर सहमति जताई है।

हालांकि उपचुनाव की तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चुनावी सरगर्मियां तेजी से बढ़ रही हैं, और बसपा अपनी रणनीति को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

मायावती के इस फैसले ने उत्तर प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों में नई हलचल पैदा कर दी है। आमतौर पर उपचुनाव में भागीदारी न करने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने का निर्णय काफी महत्वपूर्ण है। इस फैसले से साफ है कि मायावती इस बार के विधानसभा उपचुनाव को बेहद गंभीरता से ले रही हैं और इसे अपनी पार्टी की प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है।

बसपा के इस कदम से समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस, और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं। मायावती के रणनीतिक मुद्दे, जैसे अनुसूचित जाति और जनजाति आरक्षण और नजूल भूमि से जुड़े फैसले, विपक्षी पार्टियों के लिए चिंता का विषय बन सकते हैं। खासकर, जब बसपा कार्यकर्ता इन मुद्दों को घर-घर जाकर प्रचारित करेंगे और मायावती के वक्तव्य की प्रतियां बांटेंगे, तो इससे विपक्षी दलों की स्थिति कमजोर हो सकती है।

इस चुनावी मुकाबले में बसपा का यह कदम यूपी की राजनीति में बड़े बदलाव की संभावना को दर्शाता है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि बाकी पार्टियां इस चुनौती का सामना कैसे करती हैं।

बसपा (बहुजन समाज पार्टी) का उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है, खासकर दलित और पिछड़े वर्गों के मतदाताओं के बीच। हालांकि, पिछले कुछ चुनावों में बसपा का प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है।

देश की आजादी में रानी अवंतीबाई का बड़ा योगदान : अखिलेश यादव

एनसीआर समाचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को विधानसभा के सामने मौजूद रानी अवंती बाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि रानी अवंती बाई का देश की आजादी में अहम और बहुत बड़ा बड़ा योगदान रहा। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। बाद में अंग्रेजों ने उनका सबकुछ छीन लिया था।

अखिलेश ने कहा कि रानी अवंती बाई को देश-लोधी समाज सम्मान देता है। इस दौरान उप्र में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव होते रहना, डेमोक्रेसी को मजबूत करता है। उन्होंने चुनाव में जीत के लिए विधायकों की खरीद-फिरोख्त का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई जगह विधायक को खरीदा जाता है और सरकार बनाई जाती है। ऐसा करने में काले धन का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में चुनाव होने से ज्यादा काले धन का इस्तेमाल को रोका जाए।

अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी में जुमले उछालने वालों का एक दल बन गया है। बीजेपी अधिकारियों के माध्यम से चुनाव जीतना चाहती है। बीजेपी की शिकायत सपा चुनाव आयोग से करेगी। सपा अध्यक्ष ने महंगाई, रोजगार को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश से महंगाई कम हो, बेरोजगारों को रोजगार मिले ताकि देश का नौजवान तरक्की की राह पर चल सके और लोगों को राहत मिले।

पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर की घटना को लेकर अखिलेश यादव बोले कि किसी भी घटना का बीजेपी राजनीतिकरण करती है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी महिला मुख्यमंत्री हैं वो कार्रवाई करेंगी। ऐसी घटनाओं पर राजनीति नहीं करना चाहिए।

बीते दिनों राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में बारिश से हुए जलभराव के दौरान हुई घटना को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि सभी लोगों के नाम जारी करना चाहिये। उनके माता-पिता के भी नाम जारी करना चाहिए। मुख्यमंत्री सदन में गुस्से से बोल रहे थे कि बुलेट ट्रेन चलेगी, अब सबके नाम वह जारी करें और जो असल में दोषी हैं उन पर कार्रवाई करें।

जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्ट्रेट प्रांगण में किया ध्वजारोहण

कौशाम्बी। जिले में 78वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कलेक्ट्रेट प्रांगण में ध्वजारोहण किया।जिलाधिकारी ने स्वतन्त्रता दिवस पर उदयन सभागार में आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए सभी को स्वतन्त्रता दिवस की शुभकॉमनायें दी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद कौशाम्बी ऊँचाइयों के पथ पर अग्रसर है। जनपद में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य किया जायेंगा। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि शासन द्वारा सौंपे गये दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने का निरन्तर प्रयास कर आमजन में विश्वास उत्पन्न करें तथा आमजन की समस्याओं को सुनकर समाधान करनें का भी पूरा प्रयास करें।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को अंगवस्त्र एवं पुष्प देकर सम्मानित किया। उन्होंने लगातार रक्तदान करने वाले नागरिकों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया और कहा कि आगे भी इसी तरह के रक्तदान शिविरों का आयोजन करते हुए लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया जाय, जिससे जरूरतमंदों को समय से रक्त मिल सकें एवं उनकी जान बचाई जा सकें।

स्वतंत्रता दिवस पर बाबा विश्वनाथ का विशेष तिरंगा शृंगार

एनसीआर समाचार

वाराणसी। स्वतंत्रता दिवस पर गुरुवार को बाबा विश्वनाथ के दरबार में धर्म और राष्ट्रीयता का अद्भुत नजारा दिखा। धाम परिसर में देशभक्ति की बयार के बीच बाबा विश्वनाथ का विशेष तिरंगा शृंगार मंगला आरती में किया गया। मंदिर का पट खुलते ही कतारबद्ध शिवभक्त बाबा विश्वनाथ के तिरंगा शृंगार स्वरूप का दर्शन कर आादित हुए। तिरंगा शृंगार मंदिर के अर्चकों ने भव्यतम रूप में किया था। फूल और पत्तों से स्वर्णिम दरबार की अनोखी सजावट की गई। बाबा के ज्योर्तिलिंग को तिरंगे रंग में रंगने के लिए सफेद नारंगी फूलों का प्रयोग किया गया। हरे रंग के लिए पत्तियों का प्रयोग कर बाबा का विशेष शृंगार किया गया। बाबा का यह स्वरूप सोशल मीडिया में भी छाया रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर काशी विश्वनाथ धाम की विशेष साज-सजावट की गई। धाम के मुख्य प्रवेश द्वार (गेट नं 04) को एवं कॉरिडोर में स्थापित भारत माता की प्रतिमा को पुष्प व तिरंगे से सजाया गया। धाम में राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता, एकता एवं शांति के लिए विशेष महारुद्राभिषेक किया गया। सुबह धाम स्थित प्रशासनिक कार्यालय नीलकंठ भवन पर मंदिर के मुख्य

पीड़ित किराएदारों को तीन महीने का एडवांस दे मेट्रो : महापौर

एनसीआर समाचार

कानपुर। मेट्रो टनल निर्माण में हरबंश मोहाल के कई मकानों में दरारें आ गई हैं और एक मकान गिर भी चुका है। इससे वहां रह रहे किराएदारों में डर का माहौल बना हुआ है। इसको लेकर महापौर प्रमिला पाण्डेय ने शुक्रवार को नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके का जायजा लिया और मेट्रो अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ित किराएदारों को एडवांस दिया जाये। महापौर ने कहा मेट्रो टनल निर्माण में जो मकान प्रभावित हुए हैं उनमें ज्यादातर किराएदार ही रह रहे हैं और उन्हे दूसरी जगह शिप्ट होने के लिए तीन महीने का एडवांस मिलना चाहिये।

कानपुर मेट्रो का भूमिगत काम चल रहा है और हरबंश मोहाल में टनल निर्माण हो रहा है। टनल निर्माण से बीते दिनों एक मकान भूमिगत हो गया। इसके साथ ही एक दर्जन से अधिक मकानों में दरारें आ गईं, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया और घर से बाहर रहने को मजबूर हैं। इसको लेकर मेट्रो ने इलाके का सर्वे कराया और चिन्हित मकानों को ध्वस्तीकरण के लिए जिलाधिकारी से अनुमति मांगी गई।

इस पर जिलाधिकारी ने नगर निगम को जरुरी कार्रवाई के लिए निर्देशित कर दिया तो महापौर प्रमिला पाण्डेय शुक्रवार को मुख्य अभियंता सैय्यद फरीद अख्तर जैदी, मेट्रो अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचीं। महापौर ने वहां के हालात देखे तो पता चला कि टनल की खुदाई के कारण इलाके की सीवर लाइन, वाटर लाइन एवं ड्रेनेज सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। मेट्रो अधिकारियों ने महापौर को बताया कि कुल 12 मकान जर्जर है। जबकि आसपास के 45 मकानों में थोड़ी बहुत समस्या है। जिससे जल्द से जल्द ठीक करा दिया जाएगा।

मेट्रो अधिकारियों ने बताया जो बिल्डिंग गिरी है उसी के ठीक बगल वाली बिल्डिंग भी गिराऊ है। महापौर ने कहा कि हरबंश माहोल में ज्यादातर मकानों में किरायेदार हैं। इसलिए तत्काल तीन महीने का किराया पीड़ितों को एडवांस में दें, क्योंकि मुआवजा मिलने में समय लग सकता है। महापौर ने कहा कि कितने मकानों में मरम्मत होना है। कितने मकान जर्जर है उनकी लंबाई चौड़ाई के साथ सूची बनाकर दो दिन के अंदर दें। इस दौरान मेट्रो मुख्य अभियंता अजहर, प्रोजेक्ट मैनेजर ऋषि गंगवार, एजीएम सिविल ब्रजेश कुमार वर्मा, एफकॉन के डीके सिन्हा और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

कौशांबी में सड़क हादसे में तीन मरे 18 घायल

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के सैनी क्षेत्र में शुक्रवार को श्रद्धालुओं से भरी हुई पिकअप गाड़ी के ट्रक से टकराने से उसमे सवार एक महिला समेत तीन की मौत हो गयी जबकि 18 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बलरामपुर,छत्तीसगढ़ निवासी 21 श्रद्धालु पिकअप गाड़ी से अयोध्या, मथुरा दर्शन करने के बाद इलाहाबाद कानपुर राष्ट्रीय मार्ग से वाराणसी जा रहे थे किसैनी थाना क्षेत्र में गुलामपुर बाजार के पास सड़क के किनारे खड़ा ट्रेलर ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में पिकअप सवार फेकू साव, मुन्नी प्रजापति और शिवकुमारी की मृत्यु हो गई जबकि जवाहर नगर थाना बरदर जनपद बलरामपुर छत्तीसगढ़ अजय पाल, परमेश्वर, रितेश, सुबोध, अंकित, आरती, दिलीप, राकेश, अखिलेश, जागो उर्फ बृहस्पति देवी, विवेक पिकअपचालक महेशवर, ललितादेवी, भोला पाल, बाबूलाल राम कैलाश, जयप्रकाश, राजेंद्र 18 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पतालमें भर्ती कर दिया गया है।

बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में नाबालिग को हिरासत में लिया गया

सहारनपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले के गागलहेड़ी थाना क्षेत्र में चार वर्षीय एक बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि शुक्रवार को गागलहेड़ी थाना क्षेत्र में एक बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी तभी उसके पड़ोस में ही रहने वाला 13 वर्षीय एक लड़का बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने पास के ही एक खाली पड़े एक मकान में ले गया। पुलिस ने बताया कि काफी देर तक जब बच्ची घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश की और बच्ची पास के मकान में बेसुध हालत में मिली। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परिजनों ने लड़के के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग को हिरासत में ले लिया है और इस संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्टॉफ को दी बधाई, बांटा मिष्ठान

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने आवास पर तिरंगा झंडा फहराया। उपमुख्यमंत्री ने अपने आवास के स्टॉफ को मिष्ठान बांटकर स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों और सीआरपीएफ के जवानों को भी ब्रजेश पाठक ने मिष्ठान खिलाये। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि तिरंगा झंडा हमारी आन, मान, शान है। तिरंगा झंडा फहराते हुए गर्व महसूस होता है। हर व्यक्ति अपने देश के लिए सबकुछ करना चाहता है। स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिएर आवास पर तिरंगा झंडा फहराकर अपने लोगों के संग खुशियां बांटी है। सभी शुभचिंतकों, मित्रों, प्रदेशवासियों को मेरी तरफ से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई है। सरकारी आवास पर झंडा फहराने के बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक वहां से भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में पहुंचें। प्रदेश कार्यालय पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल के मौजूदगी में समस्त प्रमुख लोगों संग ध्वजारोहण किया।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर में मेटाडोर डिवाइडर से टकराई, 11 कांवड़िए घायल

बिजनौर। बिजनौर जिले में शुक्रवार सुबह कांवड़ियों को हरिद्वार ले जा रही मेटाडोर डिवाइडर से टकरा गई जिससे उसमें सवार 11 कांवड़िए घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर सर्वम सिंह ने बताया कि घटना स्योहारा इलाके की है जब रामपुर से 31 कांवड़ियों को लेकर हरिद्वार जा रही मेटाडोर डिवाइडर से टकरा गयी। उन्होंने बताया कि संभवतः चालक को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ जिसमें धर्मवीर, अनिकेत, रामकिशोर, प्रेमशंकर और मंजू सहित 11 कांवड़िए घायल हो गये। सिंह ने बताया कि सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से पांच लोगों को बेहतर उपचार के लिए मुरादाबाद भेज दिया। क्षेत्राधिकारी के अनुसार, सभी की हालत खतरे से बाहर है।

बस्ती में मालगाड़ी पर पेड़ गिरा, यातायात बाधित

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में मुण्डेरवा थाना क्षेत्र में रविवार को मालगाड़ी पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एडवान्स सिंग्नल की पोल संख्या-554/33 से 37 के बीच मालगाड़ी पर एक पेड़ गिर गया, इस दौरान ट्रेन बिजली के तार के चपेट में आ गया जिससे पूरी ट्रेन में विद्युत सप्लाई पहुंच गयी और इंजन के पास आग लग गयी। इस दौरान ड्राइवर ब्रेक लगा कर ट्रेन से कूद गया और अपनी जान बचायी। इस घटना के बाद से इन्टरसिटी, ग्वालियर, बरौनी, वन्दे भारत सहित कई अन्य ट्रेनो को जस का तस रोक दिया गया। इस घटना में किसी भी प्रकार कोई जनहानि नही हुआ है।

विहिप बजरंगदल ने किया भारत को पुनः अखंड बनाने का संकल्प

अलीगढ़। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अखंड भारत संकल्प दिवस विश्व हिन्दू परिषद बजरंगदल द्वारा अचलताल पर मनाया गया। कार्यकताओं राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत प्रोत दिखाई दे रहे थे। जहाँ विहिप विभाग मंत्री मुकेश राजपूत ने बताया कि कैसे हमारा भारत कभी अफगानिस्तान से लेकर सुदूर पूर्वोत्तर तक फैला हुआ थाऔर उपगणस्थान कहलाता था।कैसे इंडोनेशिया में आज भी रामायण का मंचन किया जाता है। समय के साथ देशद्रोहियों के कारण ये सभी भूभाग भारत से अलग होते चले गए। हमें इनको पुनः अखण्ड बनाना है। इसीलिए प्रतिवर्ष ये कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। वहीं मुख्य वक्ता जयप्रकाश सारस्वत ने कहा 1929 के रावी के तट पर संकल्प लेने के बाद भी कुछ तत्कालीन राजनेताओं ने भारत विभाजन स्वीकार किया, ये भारत के साथ धोखा था ,फिर धर्म के आधार पर बटवारा हुआ तो पूर्ण क्यो नही हुआ, आज फिर भारत उसी समस्या से जूझ रहा है, लेकिन अब और नही भारत को फिर से अखंड करने का संकल्प लें। कार्यक्रम के अंत में सभी विहिप बजरंग दल के कार्यकताओं ने भारत के अखंड स्वरूप को पुनः वापस प्राप्त करने हेतु संकल्प किया एवं भारत माता की आरती की।

बहराइच में जंगली जानवर के हमले में चार वर्षीय बच्ची की मौत

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के हरदी थाना क्षेत्र में गन्ने के एक खेत में चार वर्षीय बच्ची का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया है, जिसको लेकर यह आशंका जताई जा रही है कि उसे कोई जंगली जानवर उठा ले गया था। वन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) अजीत प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि हरदी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंगिया नसीरपुर गांव में संध्या (चार) अपनी मां के साथ शनिवार की रात घर के आंगन में सो रही थी और देर रात एक अज्ञात जानवर उसे बिस्तर से उठा ले गया। उन्होंने बताया कि बेटी की चीख पुकार सुनकर उठे परिजनों ने जानवर का पीछा किया, पहले से भेड़िए की तलाश में जुटे वन कर्मियों ने भी तलाश की, लेकिन रात में कोई नहीं मिला। रविवार सुबह होते ही ड्रोन कैमरे और टीमें लगाकर तलाश की गयी तो गन्ने के एक खेत में दो सियार बच्ची के शव को खाते हुए मिले। डीएफओ ने कहा कि जानवरों को वहां से भगाया गया और बच्ची के क्षत विक्षत शव को कब्जे में लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मालूम हो सकेगा कि किस जानवर के हमले से बच्ची की मौत हुई है।

हरियाणा: विभिन्न संगठनों ने 21 अगस्त को विरोध प्रदर्शन में भाग लेने की एससी समाज से की अपील

सतीश कुमार

हरियाणा: सर्वोच्च न्यायालय के संविधान विरोधी फैसले पर 21 अगस्त को शांतिपूर्ण प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर महेंद्रगढ़ जिले के अनुसूचित जाति समाज की सभी संस्थाओं की एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन के अंबेडकर भवन, मालवीय नगर, नारनौल रविवार को किया गया । बैठक की अध्यक्षता को-आर्डिनेटर हरिसिंह बड़कोदिया द्वारा की गई । बड़कोदिया ने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा संविधान प्रदत्त आरक्षण को खत्म करने की साजिश से समस्त अनुसूचित जाति समाज खफा है ।

जिसको लेकर पूरे भारत मे 21 अगस्त को विरोध प्रदर्शन की अज्ञात कॉल से देश के सभी अनुसूचित जाति संगठन सक्रिय रूप से सरकार के आरक्षण खत्म करने के असंवैधानिक मंसूबो के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए लामबंद हुए हैं और अपील की गई कि इस प्रदर्शन में अपने हक अधिकारों की सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। बैठक का मंच संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदीचंद गोठवाल ने बताया कि संविधान प्रदत्त आरक्षण आर्थिक आधार पर नहीं है, बल्कि जातीय, असमानता और छुआछूत की वजह से है।

हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के पूर्व प्रधान जयनारायण व प्रधान राजपाल गौरा, अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर, समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, हरियाणा आवाज फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ शिवताज सिंह, महल अनुसूचित जाति विकास मंच के महासचिव जयसिंह नारनौलिया, अंबेडकर जन जाग्रति मंच के प्रधान जसवंत भाटी, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान पूर्ण चंद, पूर्व प्राचार्य मान सिंह नूनीवाल, खण्ड प्रधान ओपी दायमा, जगदीश प्रसाद, एडवोकेट विरेंद्र व हिमांशु, पीएल चवन आदि ने बताया कि इस बाबत खंड व गांव स्तर पर कमेटियों का गठन कर दिया गया है और सभी युद्ध स्तर पर गाँव-गाँव जाकर सम्पर्क कर रहे हैं । यह भी बताया कि हमारा यह संघर्ष किसी भी जाति या समुदाय विशेष के खिलाफ न होकर सरकार की असंवैधानिक सोच के खिलाफ है ।

21 अगस्त को होने वाले विभिन्न कार्यो को लेकर सभी की जिम्मेदारी लगा दी गई है जिसमें सभी संगठनों से दो-दो पदाधिकारियों को लिया गया है । 21 अगस्त का विरोध प्रदर्शन हमारा अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने का मौलिक अधिकार है । समाज के अधिक से अधिक युवा, बुजुर्ग, माताएं व बहनें जोश व होश के साथ सुभाष पार्क से चलकर रोष प्रदर्शन करते हुए जिला उपायुक्त को महामहिम राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम आरक्षण में छेड़छाड़ के संभावित फैसले, आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने, ईडब्ल्यूएस नीति में आरक्षण लागू करने, भर्तियों में ठेकेदारी सिस्टम बंद करने कोलिजियम सिस्टम बंद करने, भारतीय न्यायायिक आयोग का गठन करने आदि मांगों को लेकर ज्ञापन देंगे ।

बैठक में अनुसूचित जाति समाज की विभिन्न संस्थाओं से सम्बंध रखने वाले बलबीर सिंह बबेरवाल, सतीश धानिया, लेखराम, शिंभूदयाल, रामचंद्र ग्रोवर, भानी सहाय, अत्तरसिंह खींची, धर्मवीर कटारिया, डॉ राजपाल, सुरेंद्र अंबेडकर, रोहताश बबेरवाल, रामकुमार डहनवाल, हरिराम महारानियां, अशोक कुमार, रमेश चंद, सुमेर सिंह गोठवाल, विक्रम मांडैया, मैनपाल महायच आदि रहे ।

मध्य प्रदेश: जनपद अध्यक्ष के घर पर हुई फायरिंग

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: जनपद पंचायत अध्यक्ष अनुराधा देवेश सिंह के घर पर शुक्रवार की रात कुछ लोगो ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया जाता है कि दो से तीन राउंड फायरिंग की गई है। अध्यक्ष के देवर इस मामले में एफआईआर दर्ज करा रहे है। जानकारी के मुताबिक भिंड रोड पर जनपद अध्यक्ष अनुराधा तोमर का मकान है, जहा रात 9 बजे के करीब उनके देवर अवधेश सिंह घर के बाहर बैठे हुए थे, तभी कुछ लोग आए और उन पर फायरिंग कर दी, जिससे अवधेश सिंह बच गए। बताया जाता है कि अनुराधा तोमर के सबसे छोटे देवर से शाम के समय विवाद हुआ था, एक कार चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मारी तो उसे पकड़कर थाने ले गए थे।

राजस्थान: बहाव क्षेत्र में पानी में न जाने व सेल्फी ना लेने की प्रशासन ने दी सख्त हिदायत

प्रदीप शर्मा

राजस्थान: जिला प्रशासन द्वारा आमजन के हित को ध्यान मे रखते हुए जलाशय, बांध, तालाब, झरना रनिंग अलवर आदि पानी के बहाव क्षेत्र से सभी लोगों से प्रशासन ने दूर रहने की अपील की है।आमजन इस बात पर गौर से ध्यान दे।

जिला प्रशासन ने आमजन से बांध पर अनावश्यक रूप से आने-जाने की सख्त मनाई की है। और सेल्फी व रील बनाने पर सख्त पाबन्दी है। और इस तरह के हर जगह पर बोर्ड भी लगा दिए गये है।लेकिन फिर भी यदि कोई प्रशासन की अनदेखी करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही भी की जा सकती है।जिला प्रशासन द्वारा आमजन के हित को ध्यान मे रखते हुए जलाशय, बांध, तालाब, झरना रनिंग अलवर आदि पानी के बहाव क्षेत्र से सभी लोगों से प्रशासन ने दूर रहने की अपील की है।आमजन इस बात पर गौर से ध्यान दे।

जिला प्रशासन ने आमजन से बांध पर अनावश्यक रूप से आने-जाने की सख्त मनाई की है। और सेल्फी व रील बनाने पर सख्त पाबन्दी है। और इस तरह के हर जगह पर बोर्ड भी लगा दिए गये है।लेकिन फिर भी यदि कोई प्रशासन की अनदेखी करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही भी की जा सकती है।

जम्मू कश्मीर: 02 गोवंश तस्करी की कोशिशें नाकाम

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: जम्मू पुलिस ने ऑपरेशन 'कामधेनु' के तहत गोवंश तस्करों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए नगरोटा पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम ने 01 गोवंश तस्करी की कोशिश को नाकाम किया है, जिसमें 19 गोवंश पशुओं को बचाया गया और 19 गोवंश पशुओं से भरा एक वाहन ट्रक जब्त किया गया।

जिसका पंजीकरण नंबर जेके18/8668 है, वाहन के चालक का नाम मोहम्मद आरिफ पुत्र अब्दुल गनी जाति गुज्जर निवासी काशी शेरा तलवार, तहसील और जिला रियासी है, जिसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन नगरोटा में मामला एफआईआर संख्या 224/2024 यू/एस 223/बीएनएस 11 पीसीए अधिनियम 5/52/54/56 पशुओं का परिवहन अधिनियम पंजीकृत है।

इसके अलावा पुलिस चौकी सिधरा की पुलिस पार्टी ने एक अन्य गोवंश तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया, जिसमें तीन गोवंश तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनके नाम हैं:-

फकीर मोहम्मद पुत्र मोशम दीन रदीद अहमद पुत्र रेहान अली और मुश्ताक हुसैन पुत्र सुल्तान अली सभी निवासी बैन बजालता तह. व जिला जम्मू, जो बिना किसी डीएम की अनुमति के 07 गोवंश पशुओं को कश्मीर घाटी की ओर पैदल ले जा रहे थे। इस मामले में एफआईआर संख्या 225/024 यू/एस 223 बीएनएस व 11 पीसीए एक्ट के तहत थाना नगरोटा में पंजीकृत है। दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी गई है। आम जनता ने गोवंश तस्करों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई की सराहना की है।

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर में पद्मश्री एवं प्रसिद्ध कजरी गायिका अजिता श्रीवास्तव का हुआ निधन

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर में प्रसिद्ध लोकगीत कजली गायिका पद्मश्री अजिता श्रीवास्तव का मिजार्पुर स्थित आवास विकास कॉलोनी में 70 वर्ष के उम्र में निधन हो गया। पिछले कई महीनो से अजिता श्रीवास्तव अस्वस्थ चल रही थी।

आज अपने आवास पर अंतिम सांस लिया जानकारी होने पर नगर विधायक रत्नाकर मिस पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी पूर्व पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल विभिन्न राजनीतिक सामाजिक संगठन के लोग उनके आवास पर पहुंचे लोगों ने उनके उपलब्धि और मृदभाषी होने का जिक्र किया लोकगीत कजली के लिए समर्पित एक महात्मा के प्रति लोगों के बीच चर्चा हो रही थी।

उत्तर प्रदेश: ग्राम पंचायत बराहार में अपार जल भराव से लोग हुए ग्रस्त

विचार सिंह चौहान

उत्तर प्रदेश: जिला औरैया गंभीर जनसमस्या-खबर विकास खण्ड बिधूना- ग्राम पंचायत बराहार में अपार जल भराव से ग्रस्त हैं।व अति व्याप्त गंदगी से त्रस्त है। सरकारी भवन गिरने के कगार पर खड़े है। घरों में फंसे आमजन। कृपया,पूरव उत्तर में स्थित तालाब में जिसे वर्ष 2005 से 2010 के बीच में पानी भरने और संरक्षण के लिए पंचायत ने बनाया था। उसी में पानी जाता था।

उक्त विपक्षीगणो ने पानी का निकास रोक दिया है। इससे पंचायत घर, सामुदायिक सौचालय, एवं विधालय भी गिरने का खतरा पैदा हो गया है। प्रार्थीगणो को ऐसा पृतीत होता है कि,सक्षम अधिकारी, किसी बड़ी घटना के इन्तजार में है।अति घोर लापरवाही सामने है। पानी निकासी हेतु नाली निर्माण नहीं हो रहा है।

जम्मू कश्मीर: स्वर्णकार समाज की सेवा को सर्वोत्तम तरीके से करना: अजय वर्मा

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: स्वर्णकार समाज के सदस्यों, अजय वर्मा, अध्यक्ष स्वर्णकार संघ जम्मू सिटी और उनकी टीम का उद्देश्य स्वर्णकार समाज की सेवा को सर्वोत्तम तरीके से करना है। हम यहाँ आप सभी के लिए कार्य करने के लिए हैं। हम यहाँ स्वर्णकार समाज के विकास के लिए हैं। हम यहाँ आपके जीवन को सरल बनाने के लिए हैं। हम यहाँ अपने पूर्वजों को गर्व महसूस कराने के लिए हैं।

हम यहाँ किसी भी प्रकार से अनावश्यक धन संग्रह के लिए नहीं हैं, बल्कि हम अपने समय और धन को केवल आपके लिए समर्पित करने के लिए तैयार हैं। यही कारण है कि हम केवल ?50/- OBC certificate के लिए ले रहे हैं, (जो कि इस उद्देश्य के लिए वास्तविक शुल्क है) न कि 150/-. हमें बस आपका प्यार और समर्थन चाहिए।

उत्तर प्रदेश: संभल जाते शिव सैनिकों की पुलिस से भिड़ंत, 800 गिरफ्तार

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश: शिवसेना प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र तोमर व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र अरोड़ा के नेतृत्व में फिर से संभल स्थित प्राचीन हरिहर मंदिर पर जलाभिषेक करने को सैकड़ो शिव सैनिकौ ने कूच किया। पिछले 20 वर्षों से चल रहे हरिहर मंदिर मुक्ति आंदोलन में आज सैकड़ों शिव सैनिकों ने भाग लिया, कल से ही पुलिस प्रशासन द्वारा पश्चिम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के वरिष्ठ पदाधिकारी पर दबाव बनाया जा रहा था, कल रात से ही शिवसेना मुरादाबाद के जिला प्रमुख के घर पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई थी इसके बाद शिव सैनिकों का एक बड़ा समूह रात भर से जिला प्रमुख के आवास पर ही डटा रहा।

मेरठ, बिजनौर, बुलंदशहर, अमरोहा सेबी भारी मात्रा में शिव सैनिक कार्यक्रम में पहुंच रहे थे जिनको स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा बीच रास्ते में गिरफ्तार कर लिया गया, पर फिर भी उन इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यक्रम में पहुंच गए। सुबह सैकड़ो शिव सैनिक बुध बाजार स्थित जिला कार्यालय पर एकत्रित हो जय भवानी जय शिवाजी हरिहर मंदिर जिंदाबाद के नारे लगाने लगे, भारी पुलिस बल के रोकने के बावजूद बी सुसनिक अपने ट्रैक्टरों,गाड़ियों, टेंपो 80 वाहनों पर सवार हो कर संभल की और कूच कर गए। भारी मात्रा में शिव सैनिकों को संभाल की और कूच करता देख पुलिस ने चौधरी चरण सिंह चौक पर शिव सैनिकों को रोकने का प्रयास किया पर पुलिस बल विफल रहा।

इसके बाद सीआरपीएफ व भारी पुलिस बल ने होटल ड्राइविंग 24 के बहार शिव सैनिकों को रोक लिया, भारी भिड़ंत के बाद शिव सैनिकों को 12:30 बजे से लेकर 4:30 बजे तक ड्राइव इन 24 में अस्थाई जेल बना गिरफ्तार कर लिया गया। जहां साडे 800 शिव सैनिकों ने अपनी अधिकृत गिरफ्तारी दी और प्रदेश महासचिव ने सिटी मजिस्ट्रेट और एड्टसीड्टएमड्ट के माध्यम से राष्ट्रपति महोदय को ज्ञापन प्रेषित किया।

कार्यक्रम में बुलंदशहर के सर्वेश राणा,मेरठ के अवधेश शर्मा, अविनाश आर्या,कमल प्रजापति,समी प्रधान, मुजफ्फरनगर के बिट्टू सकेड़ा,कपिल कश्यप मौजूद रहे व अमरोहा के वेद प्रकाश यादव, बिजनौर के आरड्टकेड्ट आर्य और नोएडा के जयराम बंसल को स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा मुरादाबाद पहुंचने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया।

कार्यक्रम में मुरादाबाद के कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे,राजीव राठौर,अरुण ठाकुर, नितेश कुमार, विक्की कश्यप, विपिन भटनागर, जितेंद्र पासी, राजपाल, तिलक राज शर्मा, सरदार इंद्रजीत सिंह,उमेश ठाकुर, बादाम सिंह,प्रदीप, विकास,राहुल,आकाश, सोमपाल सिंह,राजीव सक्सेना,आजाद, राजू वर्मा,अमरपाल,मधुबाला कश्यप, धर्मेंद्र, अशोक सैनी, शिबू सैनी आदि सैकड़ो की मात्रा में शिव सैनिक मौजूद रहे।

एक नजर

राजस्थान: बांग्लादेश में हो रहे हिंदु नरसंहार को लेकर राजगढ़ कस्बे में हिंदू संगठनों ने निकाली हिंदू आक्रोस रैली

प्रदीप शर्मा/राजस्थान: राजगढ़ कस्बे के पंडित भवानी सहाय चौक स्थित बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में हिंदू संगठनों द्वारा हिंदू आक्रोश रैली पंडित भवानी सहाय चौक से निकाली गई। जो कस्बे के मुख्य बाजारों होते हुए। तहसील कार्यालय पहुंची।

इस दौरान राजेंद्र दीक्षित,खेम सिंह आर्य, बृजेंद्र मिश्रा,एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा,राधेश्याम जोशी,दिलीप मुखर्जी,पूरण चंद जैमन,राहुल दीक्षित,अजय यादव,प्रभु दयाल शर्मा,ओम प्रकाश गुप्ता,बजरंग सेना जिला अध्यक्ष-विष्णु जांगिड़,मीना खंडेलवाल,सहित काफी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता रैली में उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में के बी कालेज के छात्र छात्राओं ने किया धरना प्रदर्शन

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर में कोलकाता में नारी शक्ति स्वरूपा ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ जघन्यतम दुराचारण के बाद नृशंस हत्या से के बी कालेज के छात्र छात्राओं में रोष देखा गया। सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राओं ने उक्त घटना की घोर निंदा करते हुए के बी कालेज में धरना प्रदर्शन कर जुलूस निकाला तथा जिलाधिकारी के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन देकर कहा कि देश की बेटी कब आजाद होगी, कब उसे यह महसूस होगा कि वो खुद सुरक्षित है।

छात्रों ने कहा कि मृतक के साथ दरिंदगी करने के पश्चात जिस तरीके से उसके शरीर में कई जख्म दिए गए जिस परिस्थिति में शव मिला वह बहुत ही दुखदाई है। वहीं कालेज की समस्त छात्र/नारी शक्तियों द्वारा बलात्कारियो पर कड़ी कार्यवाही तथा उन्हें फांसी की मांग किया ताकि समाज में ऐसी घृणित सोच रखने वाले ऐसी घटना को अंजाम देने से पहले हजार बार सोचा।

जम्मू कश्मीर: पूर्व एमएलसी ख. जावेद अहमद मिरचल आज पार्टी जेकेएनसी में हुए शामिल

राजेश कुमार/जम्मू कश्मीर: प्रसिद्ध राजनीतिक नेता और करनाह से पूर्व एमएलसी ख. जावेद अहमद मिरचल आज पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में उनके आवास पर जेकेएनसी में शामिल हुए।

इस अवसर पर पार्टी महासचिव हाजी अली मोहम्मद सागर, प्रांतीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी-सोगामी, उपाध्यक्ष के सलाहकार मुदस्सर शाहमीरी, कुपवाड़ा के जिला अध्यक्ष कैसर जमशीद लोन, वरिष्ठ नेता मीर सैफुल्लाह, सलामुद्दीन बजाद और युवा नेता वकार खान भी मौजूद थे। पार्टी नेताओं ने करनाह कुपवाड़ा से बीडीसी नौशादा जी और डीडीसी नजमा जी का भी पार्टी में स्वागत किया।

राजस्थान: सावन महीने में कावड़िया गलता जी से जल लेकर आते हे और चढ़ाते हैं शिव जी को

अब्दुल लतीफ/राजस्थान: सावन महीना पूरा खत्म होने को है। सावन महीने में कावड़िया गलता जी से जल लेकर आते हे और शिव जी को चढ़ाते हैं। दूर-दूर से कांवरिया कावड़ लेकर बच्चे बूढ़े जवान भी कावड़ में जल लेने के लिए बड़ी दूर-दूर से आते हैं। और कावड़ में जल भरकर अपने-अपने गांव में जल अभिषेक करते हैं।

वही शास्त्री नगर नाह री का नाका से कावड़ यात्रा हाथ में तिरंगा लिए हुए और डीजे की धुन पर नाचते गाते अपने कंधों पर कावड़ लेकर चलते हुए। नजर आए। और कल राखी का त्यौहार होने के अवसर पर पूरे बाजारों में राखी की खरीदारी जोरों पर है। बाजारों में भीड़ काफी है और रखियो की दुकान के ऊपर भी काफी भीड़ नजर आ रही है। चांदपोल से लेकर बड़ी चोपड़ तक बाजारों में रखियो की दुकान सजी हुई है।

जम्मू कश्मीर: सुनील प्रजापति ने पार्टी कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर प्रचार करने को कहा

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष और राज्य चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य सुनील प्रजापति ने भाजपा जिला समिति टीम जम्मू की बैठक में लोगों, विशेषकर जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में ओबीसी समुदाय के लोगों के न्याय और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार के समर्पित प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों को गरीब लोगों के लिए शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में जागरूक करने के लिए घर-घर जाकर प्रचार करने पर जोर दिया। बैठक का आयोजन अशोक सालगोत्रा ने किया था।

बैठक में उपस्थित अन्य पार्टी नेताओं में सुरेश सलगोत्रा (उपाध्यक्ष), रवि मेहरा (उपाध्यक्ष), राजेश डोगरा (मंडल उपाध्यक्ष), राम लुभाया, बृज वर्मा, यूसुफ तेली, गोपाल सनोत्रा, परवीन बडयाल, राजेश कुमार, गुलशन प्रजापति, सुदेश कपूर, राकेश ठाकरे, सुरिंदर कुमार, हंस राज बाजीगर, सुभाष कुमार, सुरेश भारती, अमित लूथरा, राज कुमार, विकास सिंह, शाम प्रजापति, सुरेश डोगरा, युगल डोगरा, रमेश कुमार, विक्की पांडे, अजय कश्यप और अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। इस अवसर पर सुनील प्रजापति ने मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें सड़कों का निर्माण, ओवरहेड ब्रिज, रेलवे स्टेशनों का विकास और केंद्र शासित प्रदेश में रेलवे पटरियों का विस्तार शामिल है।

उन्होंने मोदी सरकार द्वारा लोगों के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत आरोग्य योजना, किसान सम्मान निधि योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाडली बेटी, उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना तथा युवाओं के लिए स्टार्ट अप मिशन के बारे में भी बताया। उन्होंने पिछली सरकारों द्वारा उपेक्षित समुदायों के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए अन्य कल्याणकारी उपायों पर भी जोर दिया। प्रजापति ने स्टार्टअप मिशन के तहत युवाओं के लिए कल्याणकारी योजना पर भी जोर दिया, जिसके तहत ओबीसी युवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 35% और शहरी क्षेत्रों के लिए 25% सब्सिडी दी जा रही है।

इस योजना का कई युवाओं ने लाभ उठाया है। ओबीसी युवाओं के लिए स्टार्ट अप मिशन के तहत योजना का लाभ उठाने का यह एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने जोर दिया कि पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को समर्पण दिखाने और घर-घर जाकर सभी कल्याणकारी योजनाओं को सभी तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाने की जरूरत है ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को विजयी बनाया जा सके।

प्रजापति ने इस बात पर भी जोर दिया कि ओबीसी समुदाय से भी संपर्क करके उन्हें यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि अब ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण दिया गया है और 8% आरक्षण प्रदान किया गया है, जबकि पिछली सरकारों द्वारा केवल 2% आरक्षण प्रदान किया गया था। उन्होंने यह भी इच्छा व्यक्त की कि पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों के साथ-साथ विश्वकर्मा योजना में आरक्षण के मुद्दे पर भी चुनाव प्रचार में चर्चा की जानी चाहिए।

जम्मू कश्मीर: मेरा युवा मेरा अभिमान खेल गतिविधियाँ -2024

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: मेरा युवा मेरा अभिमान के तहत रियासी जिले में नेटबॉल खेल की विशेष ग्रीष्मकालीन गतिविधियाँ योग्य मैडम नुजहत गुल, सचिव, जेएंडके स्पोर्ट्स काउंसिल और मोहम्मद हनीफ, मुख्य खेल अधिकारी (जेकेएएस) और बलजिंदर पाल सिंह, डिवीजनल स्पोर्ट्स अधिकारी के मार्गदर्शन में खेलों में अधिकतम युवाओं तक पहुँचने और उन्हें शामिल करने के उद्देश्य से। नेटबॉल के अनुशासन में प्रतियोगिता का आयोजन जेएंडके स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा सरकारी हाई स्कूल नोमैन (कटरा) जिला रियासी में किया गया था, जिसमें देव्स किड्स वर्ल्ड हाई स्कूल कुंदरियां कटरा के 35 छात्रों और हाई स्कूल नोमैन के 45 छात्रों ने भाग लिया था। अपनी क्षमता दिखाने के लिए 80 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

उत्तर प्रदेश: मुठभेड़ में गोकसी का वांछित आरोपी नाजिम हुआ गिरफ्तार पैर में लगी गोली

मोहम्मद रशीद

उत्तर प्रदेश: पुलिस को चकमा देकर दूसरा आरोपी फरार जवाबी कार्रवाई में सिपाही भी घायल जिला अस्पताल में भर्ती घायल आरोपी नाजिम पुलिस ने आरोपी के पास से बाइक तमंचा और चार कारतूस बरामद किए मुरादाबाद कुंदरकी थाना क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में गोकशी के वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है जबकि दूसरा मौके का फायदा उठाकर भाग गया जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है दोनों आरोपी बाइक पर सवारते थे मुठभेड़ में एक सिपाही भी घायल हुआ है पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

एसपी देहात संदीप कुमार मीणा ने बताया कि गोकशी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है बताया कि गांव सोंदा के जंगल में गोकशी के अवशेष बरामद हुए थे इसके बाद गांव वालों ने कुंदरकी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी पुलिस ने रामपुर के सैफनी कसवा निवासी सहने रब जुनैद अलिम तीनों भाई वह थाना सैफनी के गांव आलमगीर समेत अन्य चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 16 अगस्त को अलीम मुनव्वर आलमगीर कल्लन और कुंदरकी के बगरौआ गांव निवासी पिता बाबू हाजी व बेटे आसिफ को गिरफ्तार किया था आरोपी से पूछताछ के बाद नाजिम समेत अन्य नाम प्रकाश में आए थे उन्होंने बताया कि शनिवार तड़के 3:00 बजे चेकिंग के दौरान गांव मिलक काजी स्थित आम के बगीचे के निकट बाइक पर दो संकेत व्यक्ति जाते हुए दिखाई दिए थे पुलिस ने भाई का पीछा किया इसी दौरान आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्यवाही के दौरान मानव देर के फतेहपुर गांव निवासी नाजिम पुत्र मुन्ना के पैर में गोली लगी वह जमीन पर गिर पड़ा दूसरा आरोपी दानिश पुरुष ओला अंधेराका फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया पुलिस मुठभेड़ में एक सिपाही उज्जवल भी घायल हुआ है पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है एसपी देहात ने बताया कि नाजिम पर बॉक्सिंग के कई मुकदमे दर्द है वह वांछित चल रहा था दारू पी के पास से एक बाइक तमंचा और कर जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं वहीं फरार आरोपी समेत अन्य की तलाश के लिए टीम में जुटी हुई है घटना में शामिल अन्य आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

जम्मू कश्मीर: जम्मू के पुलिस स्टेशन बाहु फोर्ट द्वारा सुलझाया गया चोरी का मामला

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: 07.08.2024 को, शिकायतकर्ता आशीष नंदा पुत्र जोगिंदर नंदा निवासी 144, 1-ए एक्सटेंशन त्रिकुटा नगर, जम्मू ने लिखित शिकायत दर्ज कराई कि मई महीने के दौरान, दो अज्ञात व्यक्ति शिकायतकर्ता की दुकान में घुसे, शटर के ताले तोड़ दिए और उपरोक्त सामान चुरा लिया।

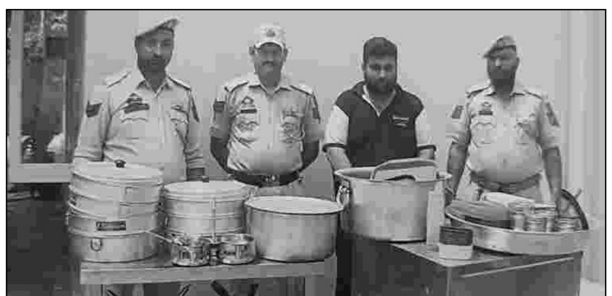

इस संबंध में, मामला एफआईआर संख्या 186/2024 यू/एस 457/380 आईपीसी पुलिस स्टेशन बाहु फोर्ट में दर्ज किया गया था। चोरों को पकड़ने के लिए तेजी से कार्रवाई करते हुए, एक विशेष टीम का गठन किया गया और विश्वसनीय स्रोतों से इनपुट के आधार पर और तकनीकी सहायता की मदद से, बाहु फोर्ट पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार कर लिया।

संचित सावनी पुत्र लेफ्टिनेंट संजय सावनी निवासी गुरा ब्राह्मणा बनतालाब जम्मू 2. सचिन डोगरा पुत्र बृजमोहन डोगरा निवासी मकान नंबर एफ 51 मोहल्ला मंगोत्रियन जैन बाजार जम्मू को हिरासत में लेकर उनसे लगातार पूछताछ की गई। लगातार पूछताछ के दौरान उन्होंने अपराध में अपनी संलिप्तता का खुलासा किया और उनके खुलासे पर उनके कब्जे से 01 स्टील तंदूर 01 चीनी स्टील काउंटर, 01 लोहे की बाथिया और अन्य बर्तन बरामद किए गए, जिनकी कीमत लगभग 1,75,000 रुपये है। उपरोक्त मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा मामले की जांच जारी है।

उत्तर प्रदेश: जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील राठ में संपन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

राधा कृष्ण

उत्तर प्रदेश: हमीरपुर में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में तहसील राठ में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 112 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 15 शिकायतों का तत्काल मौके पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस शासन का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जन समस्याओं को सुनने के पश्चात उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में मौके पर जाकर दोनों पक्षों से मिलकर उनकी बातों को अवश्य सुना जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस, आईजीआरएस पोर्टल, मुख्यमंत्री संदर्भ/1076 के संदर्भ/शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार परेशान ना होना पड़े।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा बसेला स्टेडियम का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर सीएमओ डॉ गीतम सिंह, एसडीएम राठ विपिन शिवहरे, जिला विकास अधिकारी अजीत श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक (डी0आर0डी0ए0) जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला वनाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, सीओ राठ तथा अन्य संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जम्मू कश्मीर: स्वर्णकार समुदाय उधमपुर ने ओबीसी में शामिल किए जाने पर मोदी सरकार को दिया धन्यवाद

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: स्वर्णकार द्वारा आयोजित उधमपुर में एक समारोह में भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू-कश्मीर यूटी के अध्यक्ष सुनील प्रजापति ने अरुण गुप्ता (जिला अध्यक्ष भाजपा) के साथ मिलकर मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसने समाज के सभी लोगों के लिए न्याय और कल्याण सुनिश्चित किया है। उन्होंने हाल ही में 15 मार्च 2024 के एसओ 176 के तहत ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण के लिए स्वर्णकार समुदाय को विचार करने के लिए उधमपुर में स्वर्णकार समुदाय द्वारा आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए मोदी सरकार के समर्पित प्रयासों पर जोर दिया।

उधमपुर में स्वर्णकार समुदाय द्वारा जोगिंदर वर्मा (अध्यक्ष स्वर्णकार संग) की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का आयोजन मोदी सरकार के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए किया गया था, जिसने अन्य राज्यों में अपने समकक्षों को प्रदान किए जा रहे ओबीसी श्रेणी के तहत स्वर्णकार समुदाय के आरक्षण पर विचार किया। उन्होंने कहा कि पिछली जम्मू-कश्मीर सरकारों द्वारा ओबीसी वर्ग की हमेशा उपेक्षा की गई थी, जिसे मोदी सरकार के तहत न्याय मिला है, क्योंकि ओबीसी को पहली बार ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण प्रदान किया गया है, क्योंकि लगातार सरकारों ने ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण से इनकार कर दिया था।

लेकिन जम्मू-कश्मीर के ओबीसी को धोखा देने के लिए सामाजिक जातियों (ओएससी) श्रेणी के तहत केवल 2% आरक्षण प्रदान किया था। बैठक में भाजपा के जिला अध्यक्ष अरुण गुप्ता भी मौजूद थे। प्रजापति ने कहा कि मोदी सरकार ने समाज के उन सभी वर्गों की ओर बहुत ध्यान दिया है, जिन्हें पिछली सरकारों द्वारा उपेक्षित किया गया था। उन्होंने बताया कि सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विकास मिशन के तहत मोदी सरकार ने ओबीसी श्रेणी के तहत स्वर्णकारों सहित समाज के सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिया है। अन्य जातियां जिन्हें हाल ही में ओबीसी आरक्षण दिया गया है, वे हैं जाट समुदाय, सैनी समुदाय, पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थी, गोरखा और आचार्य।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा ओबीसी को नगर पालिकाओं और पंचायत चुनावों में भी आरक्षण प्रदान किया गया है। तदनुसार, ओबीसी आरक्षण के तहत पंचायतों और नगर पालिकाओं में स्वर्णकार समुदाय के कुछ प्रतिनिधि भी चुने जाएंगे। बैठक में उपस्थित अन्य सभी लोग सुरेश सालगोत्रा (उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा), आरती वर्मा (पूर्व पार्षद), संजय वर्मा (उपाध्यक्ष), रमेश हीरा (अध्यक्ष), राम कुमार (सचिव) और राकेश कुमार (मंडल अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा) हैं।

एक नजर

महाराष्ट्र: निरक्षर लोगो की जमीन निराकरण के नाम पे

सुरेश श्रवण बुल्ले/महाराष्ट्र: विश्लेषण-जिल्हा गडचिरोली से तालुका वारसा देसाई गंज तालुका कार्यालय नैनपुर वार्ड देसाईगंज तलाठी कार्यालय विसरा खेत मलिक ने जाच करवा लिया तलाठी कार्यालय से जमीन किस्से बेचा और किसी ने खरेदी ये कोई बता नही रहा। तलाठी कार्यालय विसरा नामक सुरेश रामटेके कोतवाल से जाच की, जमीन श्रवण नागो बुल्ले की 0.05 एकद उशी बाजू आशा शंकर माडीवर वाह जमीन खरेदी दार ने खरेद किया हो ऊस जमीन दस्तावेज जमीन मलिक को मीलना होगा. खरेदी दार का सात बारा पे नाम आया है! ऊस जमीन के बाजू अर्जुन ठोंबरे के जमीन के नाम पे वाहि निराकार के नाम से सात बारा पे नाम आया है। तलाठी कार्यालय से जाच होणे के बाद नजर मे आया. तक्रार दार की तक्रार आई है. ऊस जमीन खरेदी बिक्र का दस्तावेज जमीन मालिक को मिले और जलदी से कार्यवाही होणा मागते है।

जम्मू कश्मीर: जम्मू के कैदियों के लाभ के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया उद्घाटन

राजेश कुमार/जम्मू कश्मीर: मिशन शक्ति और बागवानी विभाग के सहयोग से पुलिस नशा मुक्ति, पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र जम्मू के कैदियों के लाभ के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन उप निदेशक बागवानी (प्रसंस्करण और कैनिंग) गुल सईद और जिला मिशन समन्वयक मिशन शक्ति डीएचईडब्ल्यू जम्मू, शगुन मनचंदा ने डॉ. शहनाज बट, निदेशक डीडीआरसी जम्मू और केंद्र के अन्य स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में किया। केंद्र के कैदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण उनके पुनर्वास की प्रक्रिया में उनकी मदद करेगा।

उत्तर प्रदेश: मोदीनगर रेलवे स्टेशन के पास पटरी ठीक करते कर्मचारी

अनिल गुप्ता/उत्तर प्रदेश: मोदीनगर रेलवे स्टेशन के पास पटरी ठीक करते कर्मचारी रेलवे की तरफ से आदेश हुआ है जो भी कर्मचारी है वो अपने रेलवे स्टेशन की पटरी को अच्छे से चेक करते रहे ताकि कोई भी दुर्घटना ना हो आय दिन ट्रेन पलट जाती हैं कभी गोंडा में तो कभी कानपुर में इस लिए सभी स्टेशन के अधीक्षक ने अपने कर्मचारी को अच्छे से ड्यूटी को करने के लिए बोला जहा पटरी का नट बोल्ट ढीले है`

उसको तुरंत चाबी से टाइट करो जिससे ट्रेन को आने जाने में कोई भी परेशानी ना हो पेंसेजर एक्सप्रेस ट्रेन इस लाइन पर बहुत गुजरती रहती हैं कही भी पटरी टूटी हुई मिलती है तो तुरंत उसको वेल्डिंग मशीन से ठीक करवाए पटरी पर पत्थर ईट या कोई भी चीज रखी ना मिले जिससे इंजन के ड्राईवर को ट्रेन रोकनी पड़ती हैं इस लिए पटरी को अच्छे से दिन में चेक करते रहो कोई भी व्यक्ति कोई चीज पटरी के ऊपर ना रखे यात्री की सुरक्षा करना हमारे लिए बहुत जरूरी है जिंदगी का सवाल है कोई भी लापरवाही काम में नहीं होनी चाहिए`

हरियाणा: मूलचंद बस स्टॉप के पास बिजली घर श्यामपुरा के सामने किया गया पौधा रोपण

विनोद कुमार/हरियाणा: महेंद्रगढ़, सतनाली (श्यामपुरा) में एच. आर राव मूलचंद बस स्टॉप के पास बिजली घर श्यामपुरा के सामने विनोद श्यामपुरिया एमबीजी संदूक कूलर अलमारी ट्रंक फर्नीचर फैक्ट्री के पास अंगूर , जामुन, आम, मौसमी, कीनू, चिक्कू, अनार आदि फलो के पौधा रोपण किया गया`

डा.धर्मेश कौशिक डिप्टी डायरेक्टर यदुवंशी ग्रुप ने कहा कि पेड़ पौधे हमारी जीवन को जीने के लिए बहुत आवश्यक है इनके बिना मानव जीवन सफल नहीं है पूरे देश में आज पेड़ पौधों की बहुत आवश्यकता है हमारी सरकार भी इस और विशेष ध्यान दे रही है`

इस पर डा. कौशिक ने इस अच्छी पहल के लिए विनोद श्यामपुरिया का धन्यवाद किया और आगे भी इसी प्रकार के पर्यावरण के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया साथ में फैक्ट्री के मालिक विनोद श्यामपुरिया व सुरेश बजाज , सरवन , नरेश कुमार व फैक्ट्री के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे`

गीता गोपीनाथ के लिए एक नकारात्मक जोखिम बदलें जलवायु भारतीय अर्थव्यवस्था

जमील अहमद

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की गीता गोपीनाथ ने भारतीय आर्थिक दृष्टिकोण के लिए जलवायु परिवर्तन का एक नकारात्मक जोखिम झड़प किया है और इस मोर्चे पर "बहुत सारी कार्रवाई" का आह्वान किया है। , सुश्री गोपीनाथ ने उल्लेख किया कि कैसे जलवायु परिवर्तन विकास को नुकसान पहुंचा रहा है और देश में रोजगार सृजन पर बात की है।

"भारत के लिए दृष्टिकोण के जोखिमों के संदर्भ में - नकारात्मक जोखिमों में से एक जलवायु से संबंधित है। हम देख रहे हैं कि वर्षा में अस्थिरता के संदर्भ में, उस वर्षा और फसल और ग्रामीण आय के लिए निहितार्थ की भविष्यवाणी करते हुए," उसने कहा। शीर्ष अर्थशास्त्री ने यह भी बताया कि एशिया में तापमान वृद्धि विश्व औसत से अधिक रही है।

"हमने एशिया को एक पूरे क्षेत्र के रूप में देखा है और आप एशिया में जो तापमान में देख रहे हैं, वह दुनिया के औसत से अधिक है। विशेष रूप से भारत के लिए, यदि आप 1950 से 2018 को देखते हैं, तो तापमान आधे से आ गया है डिग्री सेंटीग्रेड और इसके वास्तविक परिणाम हैं, "सुश्री गोपीनाथ ने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे वैश्विक जलवायु आपदाएं अगले दशक में एक बड़ी वित्तीय चुनौती बना सकती हैं।

जलवायु आपदाओं (विश्व स्तर पर) की लागत जो हमने 1980 के बाद से शुरू की है, वह प्रति वर्ष सकल घरेलू उत्पाद का लगभग आधा प्रतिशत बिंदु है और हमारी उम्मीद यह है कि अगले दशक में, यह लागत लगभग 0.3 प्रतिशत अंक होगी। इसलिए, यह एक बहुत ही गंभीर खतरा है जो दुनिया का सामना करता है, "सुश्री गोपीनाथ ने कहा। आईएमएफ अर्थशास्त्री ने कहा, "भारत सहित जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए बहुत सारी कार्रवाई की आवश्यकता है।"

एक संभावित समाधान के बारे में बोलते हुए, उसने कहा कि अक्षय ऊर्जा को सब्सिडी देने वाला एक पैकेज और कार्बन मूल्य निर्धारण योजना के साथ एक स्वच्छ-ऊर्जा संक्रमण प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए एक स्वच्छ-ऊर्जा संक्रमण करने के लिए डॉलर की खरबों डॉलर की आवश्यकता है, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि 90% क्लीन-एनर्जी ट्रांजिशन फंडिंग को निजी क्षेत्र से आना है।

'कम रोजगार वृद्धि'

भारत के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि देश ने शीर्षक वृद्धि के मामले में "बहुत अच्छा" किया है और बताया कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार की वृद्धि 2% से कम रही है। "भारत की वृद्धि पूंजी गहन रही है, लेकिन श्रमिकों को काम पर रखने से बहुत कम रहा है। भारत को मानव पूंजी और स्किलिंग श्रमिकों में अधिक निवेश की आवश्यकता है। 60-148 मिलियन के बीच नौकरियों को अब और 2030 के बीच बनाने की आवश्यकता है," उन्होंने एनडीटीवी को बताया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौतियों और अवसरों और भारतीय नौकरी बाजार के संदर्भ में इसके निहितार्थ पर भी विस्तार से बताया। "जनरेटिव एआई सेवाओं को अधिक स्वचालित बना रहा है और भारत की 24% श्रम शक्ति एआई के संपर्क में है," उसने कहा।

मध्य प्रदेश: सुप्रीम कोर्ट द्वारा सूचना दी गई की 21 अगस्त को को होगा भारत बंद

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेश: 21 अगस्त को भारत बंद की सूचना सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति एससी और अनुसूचित जनजाति एसटी आरक्षण के संबंध में, दिए गए फैसले के विरोध में 21 अगस्त 2024 को पूरे भारत में सुबह ,(5) से शाम (5)तक संपूर्ण भारत बंद का समर्थन करते हुए देवास जिला के सभी जिलों में पूर्णत बंद करने का आह्वान किया गया है`

आप सभी से विनम अनुरोध है कि इस भारत बंद में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु आप सभी विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी दिनांक 21 अगस्त को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भारत बंद को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें`

दिनांक 21 अगस्त को आवश्यक सेवाओं को छोड़कर समस्त व्यवसाय संस्थाएं एवं शैक्षणिक संस्था हाट बाजार बंद रहेंगे एवं साथ ही परिवहन सेवा भी बन रहेंगे उक्त संबंध अनुसूचित जाति एससी और अनुसूचित जनजाति सेंट के लोगों के द्वारा निर्णय लिया गया है`

हरियाणा: रोटरी क्लब सदस्यों ने रोटरी सिलाई सैंटर की बहनों से रक्षासूत्र बंधवाकर मनाया रक्षाबंधन का पर्व

सतीश कुमार शर्मा

हरियाणा: रक्षाबंधन पर्व की पूर्व संध्या पर साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में रोटरी क्लब द्वारा संचालित रोटरी सिलाई सैंटर पर रक्षाबंधन पर्व का आयोजन किया गया। रोटरी क्लब नारनौल सिटी व रोटरी बेलाज क्लब के सदस्यों ने सिलाई सैंटर की शिक्षिका व सिलाई सीखने वाली बहनों से रक्षा सूत्र बंधवा कर राखी का त्योंहार मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम के प्रधान अजीत जैन तथा प्रायोजक रोटरियन पवन यादव एवं मुकेश यादव के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

रोटरी क्लब प्रधान विनोद चौधरी ने कहा कि क्लब द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु पिछले करीब 3 वर्षों से इस सिलाई सैंटर का संचालन किया जा रहा है। जहां पर इच्छुक महिलाएं सिलाई सीखकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं और आज के दिन हमारा रक्षाबंधन जैसा पारंपरिक त्योहार हमारी इन बहनों के साथ मनाना हम सभी के लिए गौरव की बात है। बेलाज क्लब की प्रधान प्रियंका संघी ने कहा कि रक्षाबंधन पर हर भाई अपनी बहनों की रक्षा के लिए वचन देता है और बहने अपने भाई की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं।

आज यहां सिलाई सैंटर के माध्यम से सभी बहनों को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प रोटरी परिवार ने लिया है। जिससे अधिक से अधिक माताएं बहने सिलाई सीखकर स्वरोजगार की ओर अग्रसर हो और आत्मनिर्भर बन सकें। रोटरी क्लब की प्रोजेक्ट प्रायोजक पवन यादव व मुकेश यादव को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विनोद चौधरी, राजकुमार चौधरी, एडवोकेट राजकुमार यादव, हितेंद्र शर्मा, विजय जिंदल, नरेश गोगिया, सीए विकास अग्रवाल, पवन यादव, दिनेश भार्गव, पवन गुप्ता, संदीप नूनीवाला, पूनम चौधरी, मुकेश कुमारी, बबीता गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश: कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरतापूर्ण घटना के खिलाफ विंध्य क्षेत्र की मातृशक्तियों का आक्रोश

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर में आज दिनांक 17 अगस्त 2024 को शहीद उ?द्यान नारघाट,में समाज सेविका नंदिनी मिश्रा के नेतृत्व में नगर की विभिन्न महिला संगठनो की मातृशक्तियाँ काले वस्त्रों में एकत्रित होकर कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुई बर्बरता पूर्ण घटना के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया तथा शहीदों की प्रतिमाओं के नीचे मोमबत्ती जलाकर पीड़ित मृत महिला चिकित्सक की आत्मा की शांति हेतु मौन प्रार्थना की।

इस अवसर पर आक्रोशित मातृ शक्तियों ने देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तथा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नाम लिखित ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ की गई बर्बरतापूर्ण घटना के दोषी को मृत्यु दण्ड की सजा देने हेतु तथा देश में आए दिन घट रही इस तरह की घटनाओं के रोकथाम हेतु कठोर कानून लागू करने की मांग की ।

नंदिनी मिश्रा ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आखिर इस देश की महिलाएं और लड़कियां कब सुरक्षित होंगी लगता है वर्तमान कानून इस तरह की घटनाओं को रोकने में कारगर नहीं है अतएव हम विंध्य क्षेत्र की मातृशक्तियां भारत सरकार सेअनुरोध करते हैं कि कोलकाता कांड के दोषी को तीन महीने के अंदर त्वरित कानूनी कार्रवाई कर मृत्यु दण्ड दिया जाए साथ ही इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए वर्तमान कानून की समीक्षा करते हुए कठोर से कठोर कानून बनाने की मांग करती हैं।

उत्तर प्रदेश: भाजपा नेता के साथ टोल कर्मियों द्वारा कथित तौर पर हुई बदसलूकी

फैजल

उत्तर प्रदेश: भाजपा नेता के साथ टोल कर्मियों द्वारा कथित बदसलूकी को लेकर भाजपाइयों तथा बजरंग दल कार्यकताओं ने किया टोल प्लाजा पर प्रदर्शन` प्रदर्शन के दौरान टोल फ्री कराने को लेकर प्रदर्शनकारियों तथा टोल कर्मियों और उनके समर्थकों के बीच हुई गर्मागर्म बहस।

थानाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए समझा बुझाकर मामले को कराया शान्त। प्रदर्शनकारियों ने टोल कर्मियों पर आये दिन चालकों से बदसलूकी के आरोप लगाते हुए दिया सरसावा थाना में दिया केंद्रीय मंत्री के नाम का ज्ञापन। कल शुक्रवार रात 10 बजे के करीब यमुनानगर से लौट रहे एक भाजपा नेता के साथ टोल कर्मियों ने की थी कथित बदसलूकी भाजपा नेता न ये कहा है की टोल कर्मी की बहुत बार ऐसी हरकत सुनी है कि वो अबरद और चालकों से गलत भाषा मे बात करते है।

जम्मू कश्मीर: एसएसपी कुलगाम ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर व्यापक की बैठक

राजेश कुमार/जम्मू कश्मीर: एसएसपी कुलगाम श्री साहिल सारंगल-आईपीएस ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा उपायों, तैनाती योजना आदि से संबंधित डीपीएल कुलगाम में एक व्यापक बैठक की। इस बैठक में एडिशनल एसपी कुलगाम, एडिशनल एसपी एनएचडब्ल्यू काजीगुंड, सभी जीओ, एसएचओ, आईसी पीपी और पीसी सहित अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान, मतदान स्थलों, शिविर स्थलों की सुरक्षा, आतंकवाद/एलएंडओ का मुकाबला करने की रणनीति, चुनाव से संबंधित अन्य मुद्दों पर गहन चर्चा की गई ताकि चुनाव को परेशानी मुक्त तरीके से कराया जा सके। एसएसपी कुलगाम ने अधिकारियों को आम जनता के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध सुनिश्चित करने, पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान एसओपी का पालन करने, भारत के चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का पालन करने और जिले में काम कर रहे अन्य बलों के साथ अधिकतम तालमेल बनाए रखने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। एसएसपी ने सभी अधिकारियों से लोगों को मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करने में सुविधा प्रदान करने पर भी जोर दिया।

उत्तर प्रदेश: ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन को लेकर प्रदेश घर में हाई अलर्ट, 1.38 करोड रुपए की इंजेक्शन बरामद'

आनंद कुमार/उत्तर प्रदेश: खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग लखनऊ ने ऑक्सीटॉसिन इंजेक्शन को लेकर प्रदेश भर में अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के सभी दवा निरीक्षकों को बिहार सीमा से लगे जिलों में विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। इंजेक्शन बिहार से लाया जा रहा है। एफएसडीए सोनभद्र ,चंदौली ,बलिया, देवरिया, कुशीनगर ,महाराजगंज , सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और श्रावती आदि जिलों के औषधि निरीक्षकों को दुकानों की निरंतर जांच के निर्देश दिए हैं।

ऑक्सीटॉसिन इंजेक्शन की तस्करी करने वाले दो तस्करों को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन व एसटीएफ की टीम ने मुखबिरों के सूचना पर बृहस्पतिवार को लखनऊ के बंगला बाजार से तेली बाग जाने वाली रोड पर एक एक्सयूवी गाड़ी खड़ी थी उसमें दो लोग सवार थे। गाड़ी में अवैध ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद किए गए। आरोपी की पहचान बुद्धेश्वर के मायापुरम निवासी अनमोल पाल तथा दिनेश पाल के रूप में हुई।

जम्मू कश्मीर: श्रीनगर में एनडीपीएस मामले में शामिल वाहन को पुलिस ने किया जब्त

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: जम्मू कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में नशा मुक्त समाज और नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी। शनिवार को श्रीनगर जिले के श्री गंज जैनाकदल पुलिस स्टेशन की श्रीनगर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में शामिल एक सैंट्रो कार को जब्त किया।

कहा कि एफआईआर संख्या 10/024 यू/एस 8/21 और 29 एनडीपीएस में अपराध करने में शामिल एक सैंट्रो कार को आज श्रीनगर पुलिस स्टेशन श्रीगंज द्वारा एनडीपीएस अधिनियम 1985 के प्रावधानों के तहत श्रीगंज की निगरानी में जब्त किया गया, यह वाहन प्रतिबंधित पदार्थों के उत्पादन के माध्यम से खरीदा गया था।

रिपोर्ट के अनुसार उक्त वाहन आरोपी शफीक अहमद जू पुत्र फतेह जू निवासी दिलदार करनाह का है। श्रीनगर पुलिस ने आम जनता से इस खतरे को खत्म करने में हाथ मिलाने का आग्रह किया जो हमारे समुदाय की भलाई और सद्भाव को खतरा पहुंचाता है। आपकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। एक साथ आकर और सामूहिक कार्रवाई करके, हम इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से संबोधित और समाप्त कर सकते हैं।

सभी के लिए एक सुरक्षित और बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए हमें आपके समर्थन, सतर्कता और सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। एक साथ, आइए हम मजबूती से खड़े हों और एक स्थायी प्रभाव डालें।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार कश्मीर हेडलाइंस समाचार गृह मंत्रालय, भारत सरकार आमिर निसार यू अर्शीद मीर एलजी कार्यालय, जम्मू-कश्मीर फॉलोअर्स3 प्रेस सूचना ब्यूरो - पीआईबी, भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार डिप्टी कमिश्नर श्रीनगर मीडिया सेंटर, पीएचक्यू, जम्मू-कश्मीर पुलिस।

एक नजर

मध्य प्रदेश: 21 अगस्त के आंदोलन के चलते भीम आर्मी जय भीम राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह नौटियाल को हो सकता है जान को खतरा

फूलचंद मालवीय/मध्य प्रदेश: राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश राज्यपाल उत्तर प्रदेश डीजीपी उत्तर प्रदेश पुलिस अधीक्षक महोदय सहारनपुर 21 अगस्त के आंदोलन के चलते भीम आर्मी जय भीम राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह नौटियाल की जान को खतरा होने के कारण सुरक्षा देने के संबंध में महोदय में भीम आर्मी जय भीम राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत या नौटियाल जो कि पूरे देश में एक संवैधानिक आंदोलन चला रहे हैं।

देश के वंचित शोषित पीड़ित मजलूम मजदूर किसने की आवाज को संवैधानिक रूप से बुलंद करते आ रहे हैं वर्तमान में 21 अगस्त को देश में एससी एसटी वर्ग कारण के विरोध में हमने देश में आंदोलन रखा है जिसके चलते मुझे जान का खतरा लगातार महसूस हो रहा है काफी दिन से इनपुट भी मिल रहे हैं कि मेरे ऊपर हमला हो सकता है मेरी हत्या कराई जा सकती है इसलिए महोदय आपसे निवेदन है कि 21 अगस्त तक मुझे सुरक्षा दी जाए जिससे कि मैं अपने अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के लोगों की आवाज को संवैधानिक दायरे में सरकार के सामने रख सकूं मुझे आपसे निवेदन है कि मेरे 21 अगस्त तक सुरक्षा बढ़ा दी जाए।

उत्तर प्रदेश: कोलकाता घटना के विरोध मे नीमा गाजीपुर में हुआ जबरदस्त कैंडिल मार्च

धर्मेंद्र वर्मा/उत्तर प्रदेश: आई.एम. ए., नीमा गाजीपुर, एच.एम.ए.आई., जे एम एफ के नेतृत्व मे गाजीपुर मे कोलकत्ता मे डॉक्टर बेटी के साथ हुई कुकृत्य, अमानवीय, घटना के विरोध मे कैण्डल मार्च निकाला गया. जिसमें घटना में शामिल अपराधियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा की मांग की गई। इसी क्रम में जिले के विभिन्न डॉक्टर द्वारा ब्लैक रिबन बांधकर एवं इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर ओ.पी.डी को पूरी तरह से बंद रखा गया. प्रधानमंत्री से सभी स्वास्थ्य देखभाल संस्थाओं को विशेष संक्षिप्त क्षेत्र घोषित करने की मांग की गई एवं डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को सभी प्रकार की अराजक घटनाओं से बचाने के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने की मांग की गई। नीमा प्रेसिडेंट डॉ.डी.के.वर्मा ने नीमा के अन्य साथियों के साथ इस प्रकार की कुक्कृत्य घटनाओं के विरोध में सरजु पार्क मे 2 मिनट का शांति मौन रखा गया. कैंडल मार्च में शामिल नीमा के सेक्रेटरी डॉ ए.के.सिंह,डॉ. ए.सी. पांडे डॉ यू सी राय,डॉ.कृतिका जायसवाल, डॉ. बालाजी,डॉ.अरशद उस्मान,डॉ.याहिया डॉ.रमेश कुशवाहा, डॉ. सैफी, डॉ. जियाउद्दीन,आदि मेंबर से उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश: जौहड़ में डूबने से दो बच्चों की मौत पर परिवार को मिला हर संभव मदद का भरोसा

फूलचंद मालवीय/मध्य प्रदेश: बहुजन समाज पार्टी के पूर्व प्रदेश महासचिव भोला सिंह बाजीगर नगरपालिका टिब्बी में जोहड़ में डूबने से दो बच्चों की मौत हो जाने के बाद उन्के घर जाकर परिजनों से मिले और उन्हें ढांढस बंधाया उन्होंने कहा की इस दुख की घड़ी में हम आपके साथ है स्थानीय जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की लापरवाही से जो आपके घर के चिराग खोये है उनकी पूर्ति तो नहीं हो सकती ।

परन्तु परमात्मा से इनकी आत्मा को शांति दे व परिवार को दुख सहने की शक्ति दे की कामना करी तथा उन्होंने उस परिवार को व्यक्तिगत सहायता भी दी तथा शहर व आसपास के आमजन से अपील भी की प्रत्येक नागरिक उस परिवार को सहायता दे ताकि आज उस गरीब परिवार को जो दुखों का पहाड़ टुट चुका है। उसमें हम सब मिलकर साथ दे इस मौके पर राजकुमार चांवरिया दिलीप बिरट भूपेंद्र बाल्मिक राम सिंह पार्षद मलकीत सिंह बाजीगर शंकर नायक प्यार राम बाजीगर रविकुमार अजय कुमार वाल्मीकि अजीत सिंह धालीवाल संत बावरी नरेश कालूराम नाई माखन राम सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर: मुबस्सिर लतीफी, आईपीएस ने पीएचक्यू में प्रभारी उप पुलिस महानिरीक्षक (कार्मिक) का संभाला पदभार

राजेश कुमार/जम्मू-कश्मीर: मुबस्सिर लतीफी, आईपीएस ने आज पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में प्रभारी उप पुलिस महानिरीक्षक (कार्मिक) का पदभार संभाला, उन्होंने डीआईजी एम सुलेमान चौधरी, आईपीएस का स्थान लिया। अधिकारियों के बीच औपचारिक कार्यभार सौंपने और कार्यभार संभालने का समारोह आयोजित किया गया।

लतीफी ने पुलिस उपाधीक्षक एसओजी सोपोर, उपाधीक्षक मुख्यालय जम्मू, एसडीपीओ शोपियां, एसडीपीओ नौशेरा, एडिशनल एसपी जम्मू, एसपी साउथ जम्मू, एसपी रामबन, एसपी कुलगाम, एसपी राजौरी, एसपी क्राइम जम्मू, एआईजी (कार्मिक) पीएचक्यू, एआईजी (प्रोव/टीपीटी) पीएचक्यू, सीओ-आईआरपी-15वीं बटालियन और सीओ-आईआरपी-10वीं बटालियन सहित विभिन्न पदों पर विभाग की सेवा की है।

संपादकीय

देश में सत्ता परिवर्तन

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब-जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब-तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी। भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा और इसे सोने की चिडि ?ाइ कहा जाता रहा।

712 ईस्वी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था परंतु 1750 ईस्वीं में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कंपनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा, बल्कि भारत की संस्कृति पर भी गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूटखसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोरजबरदस्ती एवं मारकाट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिन्दू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न-भिन्न किया जाए। ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिन्दू हैं ही नहीं, बल्कि सिख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि-आदि। जातियों के आधार पर जन गणना की मांग की जा रही है ताकि समस्त सुविधाओं को हिन्दू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके।

वीभत्सता की पराकाष्ठा है कोलकाता का रेप-मर्डर कांड

कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर की हत्या और रेप के मामले को लेकर देश भर में आक्रोश है और इसके विरोध में निरंतर प्रदर्शन किए जा रहे है। सीबीआई की टीम ने इस मामले में पूछताछ के लिए आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल को बुलाया था। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई को पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के बारे में कुछ जानकारी मिली है।

-मनोज कुमार अग्रवाल-

पश्चिम बंगाल के कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ वीभत्स रेप एवं हत्या के दिल दहलाने वाले मामले में जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही है, रोजाना नये नये खुलासे हो रहे हैं। इस कांड के पीछे किसी बड़े सरमायेदार या उसके परिजन का हाथ होने की संभावना है। अब इस मामले में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। इस मामले में पीड़िता के माता-पिता ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को बताया है कि इस अपराध में उसी कॉलेज के कुछ इंटर्न और डॉक्टर शामिल हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक की सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई मामले की जांच कर रही है। इस वीभत्स कांड की सही जांच के नतीजे बेहद हतप्रभ करने वाले हो सकते हैं क्योंकि इस वारदात के पीछे किसी राजनीतिक कद्दावर मंत्री के पुत्र से लेकर उसकी दोस्त महिला ट्रेनी डाक्टर समेत कुछ सफेदपोश चेहरों के गुनहगार होने की चर्चा चल रही हैं। जांच में इनके बेनकाब होने की उम्मीद बनी है।

कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर की हत्या और रेप के मामले को लेकर देश भर में आक्रोश है और इसके विरोध में निरंतर प्रदर्शन किए जा रहे है। सीबीआई की टीम ने इस मामले में पूछताछ के लिए आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल को बुलाया था। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई को पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के बारे में कुछ जानकारी मिली है। अब कोलकाता रेप-मर्डर केस में सीबीआई किसी बड़ी साजिश की भी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने 30 से 35 लोगों की एक लिस्ट तैयार की है। ये लोग मृतका के दोस्त हैं, जिनके नाम उसके

परिवार ने सीबीआई को दिए हैं। सीबीआई अस्पताल के कुछ डॉक्टर्स और स्टूडेंट को समन कर रही है। सीबीआई के रडार पर अस्पताल के कुछ गार्ड और कोलकाता पुलिस के सुरक्षाकर्मी भी हैं। सीबीआई को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के बारे में भी कुछ जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक, मृतका के परिवार वालों ने इस वारदात में कुछ और लोगों के शामिल होने का शक जताया है।

सीबीआई इसे बड़ी साजिश मानकर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। सीबीआई बीते दिनों में दस से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है जिसमे पीड़िता का परिवार भी शामिल है। सीबीआई अस्पताल के कुछ डॉक्टर्स और स्टूडेंट को भी सम्मन जारी कर रही है। सीबीआई ने वारदात की जगह पर आरोपी के साथ सीन रीक्रिएट भी किया है, मसलन आरोपी के कोलकाता पुलिस और सीबीआई को दिए बयानों की पुष्टि की।

सीबीआई को दिए गए अपने बयानों में मृतका के परिवार वालों ने कुछ डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स के नाम बताए, जिनके सीबीआई बयान दर्ज करेगी। सीबीआई की टीम इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं अस्पताल में किसी तरह की कोई गैरकानूनी गतिविधियां तो नहीं चल रही थी, जिसका कनेक्शन इस वारदात से हो।

दूसरी ओर बताया जाता है कि कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में एक लेडी डॉक्टर ने सनसनीखेज दावा किया है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर ने दावा किया है कि ट्रेनी डॉक्टर के साथ पहले मारपीट की गई, फिर उसका रेप कराया गया। मारने वालों में एक लड़की भी शामिल थी। आरोप है कि इस पूरी साजिश में कॉलेज के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। कोलकाता रेप-मर्डर की गुत्थी उलझती जा रही है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है, हालांकि जिस तरह से मामले में खुलासे हो रहे हैं, उससे ये अंदाजा लगाना मुश्किल है कि अभी इस मामले में कितनी और परतें खुलेंगी। दो डॉक्टरों के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद अब एक लेडी डॉक्टर का ऑडियो वायरल हुआ है, जिसमें उसने ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के लिए मेडिकल कॉलेज के स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

डॉक्टर का दावा है कि इस घटना को पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम दिया गया। जिस सेमिनार हॉल में घटना घटी उसमें कई सीनियर पीजीटी और अन्य लोग आराम के लिए जाते थे। उस दिन उसे अकेले ही सोने के लिए कहा गया था। जानबूझकर उसे अकेला रखा गया। किसी को जाने नहीं दिया गया। कहा गया कि कमरे में आज काम होगा। चार लोगों ने उसके साथ खाना खाया। इनमें एक लड़की भी थी। आप सोचें कि वह कैसी लड़की थीङ्कसेमिनार हॉल में जब खाना खाया जा रहा था तब झगड़ा हुआ। इसके बाद वह लड़की धमकी देकर चली गई। उसके बाद साथियों ने जाकर शराब पी और फिर वापस आकर हमला किया। दो लोगों ने उसके दोनों हाथ पकड़े। इंटर्न लड़की ने भी उसकी मदद की। उसे जोर से खींचकर पटका। जोर से पटकने की वजह से ट्रेनी डॉक्टर का पेल्विक बोन टूटा, फिर कॉलर बोन टूट गया। इसके बाद वीभत्स अत्याचार किए गए। उसे उलटा किया गया। उसकी पीठ पर चले, सिर पर मारा, इससे उसका स्कल्पचर वगैरह टूट गया। इसके बाद गला दबाकर उसकी जान ले ली। वायरल ऑडियो में लेडी डॉक्टर ने दावा किया है कि जब ट्रेनी डॉक्टर को मारने के बाद ये लोग बाहर निकले तो इन्होंने देखा कि नीचे आरोपी संजय शराब पी रहा है। ये लोग जानते थे कि उसका खराब लोगों के साथ मेल जोल था। वह वेश्या वगैरह के पास भी जाता था। ऐसे में उससे कहा गया कि सेमिनार रूम में तुम्हारे लिए कुछ रखकर आए हैं.. जाकर तुम काम कर आओ.. इसके बाद उसने डेड बॉडी से रेप किया. बाथरूम में हाथ धोए, उस दिन सबूत मिटाने के लिए दीवार को तोड़ दिया गया.. बाथरूम की जगह को ही तोड़ा गया, कहा गया कि वहां रूम बनाएंगे।

वहीं 15 अगस्त की पूर्व मध्य रात्रि को जिस तरह शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे डाक्टरों, छात्रों और अन्य लोगों के बीच अचानक कुछ सौ लोगों की भीड़ ने आरजी कर अस्पताल में घुसकर तोड़ फोड़ की और घटना स्थल से तोडफोड़ कर सबूत मिटाने की कोशिश की और पुलिस रोक टोक के लिए अराजक भीड़ के सामने नहीं आई। इससे भी लगता है कि इस रेप मर्डर केस में कुछ सफेदपोश बड़े लोग भी शामिल है जो अपनी ताकत और दबंगई के बूते पर सबूत मिटाने के लिए कुछ भी करने पर आमादा है।

हिंसक षडयंत्र से आयोग को रहना होगा बेहद सतर्क

-डॉ. रवीन्द्र अरजरिया-

देश के दो राज्यों में चुनावों का बिगुल फूंका जा चुका है। जम्मू-कश्मीर राज्य में निर्वाचन की घोषणा के साथ ही अतीत की यादें ताजा हो जातीं है जब सेना के जवान मतपेटियों के साथ अपने गन्तव्य की ओर प्रस्थान करते थे तब सीमापार के षड़यंत्र को अमली जामा पहनाने वाले मीरजाफरों की फौज ने अपने खास सिपाहसालारों की दम पर न केवल पथराव कराया था बल्कि बेखौफ झूमाझटकी भी करने का दुस्साहस भी किया था। सेना के अधिकारी व्दारा स्वयं की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय सम्पत्ति के संरक्षण हेतु जब एक आतंकी को जीप में बांधकर सुनियोजित भीड से निकलने का प्रयास किया तब उसे सरकारी डंडे व्दारा लहूलुहान करने की कोशिशें की गईं। वह मंजर आज भी जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन हालातों की दुःखद यादों को ताजा कर देता है। वहां दस वर्षो बाद हुए चुनावी ऐलान में पूरी तस्वीर बदली हुई है। अब विशेष राज्य का दर्जा देने वाला आर्टिकल 370 हट चुका है, लद्दाख को अलग करके जम्मू-कश्मीर को केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया है। नवीन परिसीमन के बाद 7 सीटें बढ चुकीं हैं। आंकडों के आइने पर नजर डालें तो सन् 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में कुल 111 सीटें थी जिनमें से 24 सीटें पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर के लिए आरक्षित रहीं थी जहां चुनाव नहीं हुए, शेष 87 पर चुनाव हुआ था। इन 87 सीटों में लद्दाख की 4 सीटें भी शामिल थीं। तब पीडीपी को 28 सीटें मिलीं थी जिसने बहुमत हेतु भाजपा की 25 सीटों के साथ गठबंधन किया और सरकार बनाई। यह सरकार लगभग 18 माह ही चल सकी। दौनों राजनैतिक दलों की नीतिगत साझेदारी टूटते ही जून 2018 में राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। अगले वर्ष 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग-अलग हिस्सों में विभक्त करके उन्हें केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा बनी लेकिन लद्दाख में नहीं बनी। इसी क्रम में परिसीमन आयोग ने 5 मई 2022 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें जम्मू-कश्मीर की 107 सीटों को बढाकर 114 कर दिया गया। नये परिसीमन में जम्मू के खाते में 43 सीटें तथा कश्मीर के खाते में 47 सीटें आईं हैं। इस बार यहां पर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, पीडीपी तथा नेशनल कांफ्रेंस के साथ-साथ जम्मू रिपब्लिक पार्टी, जम्मू कश्मीर पिपुल मूमेन्ट, सीपीआई, सीपीआई(एम) सहित एक दर्जन राजनैतिक दल अपने प्रत्याशी मैदान में उतार सकते हैं। वर्तमान में हिन्दू बाहुल्य जम्मू में भाजपा और कांग्रेस अपने वर्चस्व को बढाने में लगी है जबकि मुस्लिम बाहुल्य कश्मीर में पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस में रस्साकशी चल रही है। ज्ञातव्य है कि तब मार्च 2024 को लोकसभा चुनावों की घोषणा के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने स्पष्ट किया था कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सुरक्षात्मक कारकों को रेखांकित करते हुए दौनों चुनावों को एक साथ कराने से मनाकर दिया है। इसी श्रंखला में यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि देश के उच्चतम न्यायालय की 5 न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ ने दिसम्बर 2023 में आर्टिकल 370 पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय संविधान के सभी प्राविधान वहां लागू हो सकते हैं। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय की उक्त पीठ ने 30 सितम्बर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने के आदेश भी दिये थे जिसके तहत विगत शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने अपने सहयोगी ज्ञानेश कुमार तथा डा. सुखवीर सिंह संधू की मौजूदगी में जम्मू-कश्मीर सहित हरियाणा विधानसभा के चुनावों की भी घोषणा कर दी। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर तीन चरणों में तथा हरियाणा की भी 90 सीटों पर एक चरण में मतदान होगा जबकि दौनों राज्यों के परिणामों की घोषणा 4 अक्टूबर को एक साथ की जायेगी। जम्मू-कश्मीर में 18 सितम्बर को 24 सीटों पर, 25 अक्टूबर को 26 सीटों पर तथा 1 अक्टूबर को 40 सीटों पर मतदान होगा जबकि हरियाणा की सभी 90 सीटों पर 1 अक्टूबर को ही मतदान होगा। हरियाणा के राजनैतिक परिदृश्य में रेखांकित करने योग्य आधारभूत बदलाव नहीं आये हैं। यहां पर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, जननायक जनता पार्टी, इंडियन नेशनल लोकदल, जजपा, आम आदमी पार्टी सहित अन्य दल भी अपनी किस्मत आजमाने हेतु प्रत्याशियों को मैदान में उतारने की तैयारी में हैं। लोकसभा चुनावों के जनादेश को देखते हुए आईएनडीआईए गठबंधन बेहद उत्साहित है जबकि एनडीए अपने खोयी हुई लोकप्रियता को वापिस लाने के लिए जी-तोड कोशिश कर रहा है। हरियाणा के चुनावों को प्रभावित करने के लिए पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पूरी तरह जुट गई है। खालिस्तान समर्थकों की एक बडी जमात सक्रिय हो चुकी है जो किसानों के वेष में नये पैतरे आजमाने हेतु अपने सीमापार के आकाओं के संकेत की प्रतीक्षा में है। पंजाब से ऐसा ही प्रयास हिमाचल के चुनावों में किया गया था जब दो राज्यों के मध्य अधिकारों की जंग छिड गई थी। दौनों राज्यों के चुनावी काल में पाकिस्तान के रास्ते चीनी और अमेरिकी साजिशें देश के भितरघातियों के माध्यम से अपने करतब दिखाने की पूरी कोशिश करेंगी। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी कमांडोज का आतंकियों के लबादे में हमले करना, बंगाल के रास्ते रोहिंग्याओं सहित घुसपैठियों की आपराधिक हरकतें करना, लोकसभा-राज्यसभा में विपक्ष व्दारा अशोभनीय कृत्य करना, खालिस्तान समर्थकों का क्षेत्र में आतंक फैलाना आदि कुछ ऐसे कारक हैं जिनके आधार पर यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि चुनाव काल में आयोग को रहना होगा बेहद सतर्क अन्यथा अप्रिय घटनाओं के लिए कमर कसकर बैठे भितरघातिये अपने आकाओं व्दारा निर्धारित किये गये हिंसक षडयंत्र को मूर्तरूप देने से नहीं चूकेंगे।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा यानी देश का मान सम्मान

-तनवीर जाफरी-

पड़ोसी देश बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में व्यापक हिंसा हुई। वहां नौकरियों में विवादित आरक्षण व्यवस्था पर हुये राष्ट्रव्यापी विरोध तथा अपनी सरकार के विरुद्ध हुए व्यापक हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर 5 अगस्त को भारत आ गई थीं। इस हिंसा के दौरान बांग्लादेश में आवामी लीग से जुड़े अनेक नेताओं सहित स्थानीय अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदू समुदाय के लोगों व उनके घरों व व्यवसायिक ठिकानों पर भी अनेक हमले हुए हैं। बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस नाम के एक गैर-राजनीतिक हिन्दू संगठन के दावों के अनुसार पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से 48 जिलों में 278 स्थानों पर अल्पसंख्यक समुदाय को या तो हमलों अथवा धमकियों का सामना करना पड़ा है। निश्चित रूप से यह अत्यंत निंदनीय व गहन चिंता का विषय है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुये हमले की गंभीरता को इस बात से भी समझा जा सकता है कि इसकी धमक संयुक्त राष्ट संघ में भी सुनाई दी है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से अपने सम्बोधन में कहा कि ह्यह्यबांग्लादेश में जो कुछ हुआ है उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते हमें चिंता होना स्वाभाविक है। मैं आशा करता हूं कि वहां हालात जल्द सामान्य होंगे। 140 करोड़ देशवासियों की चिंता यह है कि वहां हिंदू, अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत हमेशा चाहता है कि हमारे पड़ोसी देश सुख और शांति के मार्ग पर चले। शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, हमारे संस्कार हैं। आने वाले दिनों में बांग्लादेश की विकास यात्रा के लिए हमेशा हमारी शुभेच्छा रहेगी, क्योंकि हम मानव जाति की भलाई के बारे में सोचने वाले लोग हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की इस चिंता का ही परिणाम था कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रो. मोहम्मद यूनुस ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की और बांग्लादेश में हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व संरक्षण का आश्वासन दिया। प्रो. मोहम्मद यूनुस हिन्दू समुदाय के साथ एकजुटता दिखाते हुए बांग्लादेश के सबसे प्रमुख हिंदू मंदिर ढाकेश्वरी मंदिर भी गए और हिंदू समुदाय के लोगों को बंगलादेश के परिवार का सदस्य बताते हुये उन्हें पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन भी दिया। परन्तु बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर हमारे देश में चिंताओं के साथ साथ अफवाहों का बाजार भी बहुत गर्म रहा। केवल सोशल मीडिया ही नहीं बल्कि वाट्सएप जैसे फेक न्यूज फैलाने वाले माध्यम को ही आधार मानकर देश के अनेक गोदी मीडिया चैनल्स ने उन्हीं फेक न्यूज को प्रसारित कर भारत में भी तनाव बढ़ाने की पूरी कोशिश की। ऐसे अनेक टी वी चैनल व अखबार जिनके नेटवर्क बांग्लादेश में नहीं हैं वे सभी वाट्सएप व फेक न्यूज का सहारा लेकर विचलित कर देने वाली झूठी वीडिओ चलाकर अपना एजेंडा थोपने में लगे थे।

भारत में इसी तरह के झूठ को प्रसारित कर यह भ्रम फैलाने की कोशिश की गयी कि बांग्लादेश में हिन्दुओं का नरसंहार हो रहा है तथा वहां हिन्दू महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया जा रहा है। हद तो यह है इस झूठे प्रचार तंत्र ने 2021 के अपने ही देश में बंगलौर में हुये एक सामूहिक बलात्कार के विडिओ क्लिप को बांग्लादेश में हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार का क्लिप बताकर प्रसारित कर दिया? बांग्लादेश में वहां की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मशरफे मुर्तजा के घर में आग लगा दी गयी। मुर्तजा 2 बार आवामी लीग के सांसद चुने गए थे तथा शेख हसीना के करीबी लोगों में थे। इसीलिये प्रदर्शनकारियों ने उन्हें निशाना बनाया परन्तु भारत में यह दिखाया गया कि बांग्लादेश टीम के हिन्दू क्रिकेटर लिटन दास के घर को जला दिया गया। मजे की बात तो यह है कि भारत में अपने घर को जलने की खबर खुद लिटन दास अपने ही घर में भारतीय टीवी चैनल पर देखते नजर आये। क्या यही विश्वसनीयता है हमारे देश के फरेबी बेलगाम पूर्वाग्रही मीडिया की? इसी तरह बांग्लादेश के मशहूर शहर चिटगांव में शेख हसीना के एक करीबी सलमान फजलुर्रहमान की दुकान में आग लग दी गयी देश के एक साम्प्रदायिकता भड़काने वाले टीवी चैनल ने इसे हिन्दू व्यक्ति का घर जलाने के नाम से प्रसारित कर हमारे देश में नफरत फैलाई। वहां का एक प्रसिद्ध राज कॉफी एंड रेस्टूरेंट शॉप को आग लगाई गयी उस रेस्टूरेंट भवन को मंदिर भवन में आग लगना बताया गया।

इसी तरह एक वीडिओ हिन्दू महिला के अपहरण की वीडिओ बताकर चलायी गयी। जबकि यह छ महीने पुराना वीडिओ था जिसमें किसी हिन्दू समुदाय के एक नशेड़ी पति द्वारा अपनी ही पत्नी का अपहरण कराया गया था जो उसे छोड़कर चली गयी थी। एक पूरे मुस्लिम परिवार को मारा गया उसे हिन्दू परिवार बताया गया। एक विडिओ हिन्दू व्यक्ति को तालाब में पत्थर मार मारकर डुबोने की बताकर वायरल की गयी। जबकि यह मौलवी बाजार जिला बांग्लादेश की वीडिओ है जिसमें आवामी लीग का सेक्रेटरी जोकि स्थानीय मेयर भी है, उसे लोग तालाब में पत्थर मार कर उसे डुबोना चाह रहे हैं।

फिलहाल ठंडे बस्ते में

-रजनीश कपूर-

बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विधान सभा में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश किया गया। इस बिल को विधान सभा में तो पास कर दिया गया परंतु उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इसका भारी विरोध हुआ जिसके चलते बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी की मांग पर इसे सदन ने पास करने की जगह प्रवर समिति को भेजने का फैसला लेकर इसे फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया। उत्तर प्रदेश में कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिया गया यह निर्णय सही जरूर प्रतीत होता है, परंतु जिस तरह इस विधेयक का विरोध उन्हीं की पार्टी द्वारा किया जा रहा है, तो ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में शायद कुछ संशोधन के साथ इसे पुनः पेश किया जाए। उल्लेखनीय है कि जिस भी जमीन का कोई वारिस न हो और वो सरकार के अधीन हो, उसे नजूल जमीन कहते हैं। गौरतलब है कि औपनिवेशिक शासन में अंग्रेजों द्वारा भारत में बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा किया गया था, लेकिन आजादी के बाद जिस भी नागरिक के पास उसकी जमीन के दस्तावेज थे उन्हें उनकी जमीन वापस मिल गई, परंतु ऐसी कई जमीनें थीं जिनकी मिल्कियत के प्रमाण या जीवित स्वामी उपलब्ध नहीं थे। ऐसी जमीनों को सरकार ने अपने पास रखा, जिसे नजूल जमीन कहा गया। आजादी के बाद इस नजूल जमीन पर यदि कोई रह रहा था तो उससे सरकार ने किराया वसूलना शुरू किया और उस जमीन को लंबे समय के लिए लीज पर देना शुरू कर दिया। इसके बावजूद ऐसी कई नजूल जमीनें हैं जिन पर लोग अवैध कब्जा कर रह रहे हैं, परंतु जैसे ही उत्तर प्रदेश में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश हुआ, तो सरकार ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि जिस-जिस नजूल जमीन पर लोग गैरकानूनी ढंग से रह रहे हैं या जिन नजूल जमीनों की लीज का किराया सरकार को नहीं दिया जा रहा, उस नजूल जमीन को उत्तर प्रदेश की सरकार वापस ले लेगी और इस भूमि को सरकारी विकास कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। योगी जी द्वारा उठाया गया ये कदम सही था, परंतु विपक्ष को इस बात पर शक है कि विकास कार्य के नाम पर कहीं प्रदेश की लाखों करोड़ की हजारों एकड़ जमीन को अपने खास चुनिंदा लोगों के बीच बांट दिया जाएगा। इतना ही नहीं भाजपा के विधायक भी इस अधिनियम के विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में ऐसी कई जमीनें हैं जिन पर शागिर्द-पेशा वाले परिवार रह रहे हैं, जो सदियों से वहां रह रहे हैं, परंतु उनके पास कोई भी प्रमाण नहीं है। ऐसे में उनका क्या होगा? कई भाजपा विधायकों का तो यह भी कहना है कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री आवास योजना से बेघर लोगों को घर दिए जा रहे हैं और वहीं दूसरी ओर जो गरीब दशकों से यहां रह रहे हैं उन्हें बेघर किया जा रहा है। तो भला ऐसे बिल का क्या औचित्य? जैसे ही इस अधिनियम पर राजनीति तेज हुई विपक्ष भी खुलकर सामने आया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर इसका विरोध जताते हुए लिखा, नजूल लैंड का मामला पूरी तरह से घर उजाड ?इ का फैसला है क्योंकि बुलडोजर हर घर पर नहीं चल सकता है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी खुशी मानती है। जब से भाजपा आई है, तब से जनता रोजी-रोटी-रोजगार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। क्या भू-माफियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में है। इ देखा जाए तो इस अधिनियम के विरुद्ध हो रहे विवाद में भाजपा और विपक्षी नेताओं का एतराज सही है। यदि सरकार को ऐसा अधिनियम लाना ही था तो उसे नजूल भूमि पर सदियों से बसे हुए परिवारों को पुनर्वास करने की योजना भी बनानी चाहिए थी। इसके हर पहलू पर गहन विचार के बाद ही इसे पेश किया जाना चाहिए था। चूंकि उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों ही जगह भाजपा की सरकार है तो योगी जी को प्रधानमंत्री मोदी से इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। इसे भाजपा शासित किसी छोटे राज्य में लागू करना चाहिए था। इस अधिनियम को लाने से पहले सरकार द्वारा यहां पर बसे लोगों को पुनर्वास करने की योजना बना लेनी चाहिए थी। सरकार को इन नजूल भूमि पर किए जाने वाले विकास कार्यों की सूची भी बना लेनी चाहिए थी। सरकार द्वारा नजूल भूमि पर अवैध रूप से पट्टे जारी करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को दंड देने का भी प्रावधान बनाना चाहिए था।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त खबरें

देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में कटौती, पोलैंड को किया गया अंजीर के जूस का निर्यात

नई दिल्ली। सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह टैक्स आज यानी शनिवार से लागू होगा। यह टैक्स विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि नई दरें 17 अगस्त से प्रभावी हैं।

भारत ने पहली बार 1 जुलाई, 2022 को विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगाया, जो उन देशों की सूची में शामिल हो गया है जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो हफ्तों में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है। भारत ने पोलैंड को अंजीर के जूस की पहली खेप का किया निर्यात भारत ने देश से अनूठे कृषि उत्पादों के शिपमेंट को बढ़ाने की अपनी पहल के तहत पोलैंड को अंजीर के रस की पहली खेप का निर्यात किया। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जीआई-टैग वाले पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर के रस के पोलैंड को निर्यात की सुविधा प्रदान की। जीआई (भौगोलिक संकेत) टैग किसी वस्तु को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, और इसके अनधिकृत उपयोग को रोकता है। यह किसी उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करता है। मंत्रालय के अनुसार ये शिपमेंट वैश्विक बाजारों में भारतीय कृषि उत्पादों की क्षमता को उजागर करते हैं।

त्योहारों से पहले चना और चना दाल के भाव बढ़े, अभी तक 10 प्रतिशत तक उछले दाम

मुंबई। त्योहारी सीजन के पहले चना और चनादाल के भाव में उछाल देखने को मिला है, इसके भाव में अभी तक 10 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। जबकि जून में दालों की महंगाई दर 21 प्रतिशत के पार पहुंच गई थी। हालांकि जुलाई महीने में रिटेल महंगाई सालाना आधार पर घटकर 3.54 प्रतिशत पर आ गई है। इससे पहले जून में महंगाई दर 5.08 प्रतिशत पर रही थी। बावजूद इसके दालों के भाव 12 महीनों से दोहरे अंकों में बने हुए हैं और नीचे आने का नाम नहीं ले रहे हैं।

त्योहारी सीजन से पहले चना दाल का भाव अभी तक 10 प्रतिशत तक बढ़ गया है। थाली में चना दाल के अलावा चने का इस्तेमाल त्योहारों में बेसने रूप में अधिक होता है जिसमें मिठाई, नमकीन और अन्य खाद्य वस्तुएं प्रमुख है। इसकी वजह से आम लोगों के जेब पर असर पड़ सकता है। उद्योग के अनुसार खुदरा बाजार में गत महीने तक 80 से 85 रुपये के बीच बिक रहा था वह आज 90 से 95 रुपये में बिक रहा है इस तरह काबुली चना खुदरा बाजार में 115 से 125 रुपये के बीच बिक रहा था यह बढ़कर 130 से 140 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार त्योहारी सीजन में दालों की मांग बढ़ जाती है पिछले महीने की तुलना में चना दाल के भाव में 10 प्रतिशत की बड़ी वृद्धी हुई है। नवी मुंबई ग्रेन एसोसिएशन के सदस्य कीर्ती राणा बताते हैं कि केंद्र सरकार महंगी दाल से राहत देने के लिए नेफेड के जरिए 60 रुपये किलो की कीमत पर दाल की बिक्री कर रही है। आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र के अकोला में अरहर दाल की एक्स मिल कीमत एक महीने में 700 रुपये प्रति क्विटंल जो 4.2 प्रतिशत कम होकर 15,800 रुपये प्रति प्रति क्विटंल है जबकि सालाना आधार पर यह कीमत 9 प्रतिशत अधिक है।

त्योहारी मौसम शुरू होने की वजह से कारोबारी चना की थोक बिक्री करने में जुट गए है, क्योंकि इसका इस्तेमाल बेसन के रूप में मिठाइयां और नमकीन में होता है। मुंबई के मजिस्द बंदर बाजार (होलसेल मसालों, ड्राइफ्रूटस और किराना का प्रमुख होलसेल एवं रिटेल बाजार) के कारोबारी योगेश गणत्रा बताते हैं कि सभी दालों के भाव पिछले एक साल से दोहरे अंकों में बने हुए हैं। इसमें अभी तक कोई कमी नहीं आई है। हमें लगाता है कि आगामी दिनों में दाल के भाव में वृद्धि देखने को मिलेगी। कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया दालों के दामों ने पहले से ही आम उपभोक्ताओं की थाली का स्वाद बिगाड़ रखा है। पिछले 1 वर्ष के भीतर दालों की महंगाई सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों के बावजूद नीचे आने का नाम नहीं ले रही है।

सरकार के मिशन के तहत AI इंफ्रा को शामिल करने के लिए बोलियां आमंत्रित

नई दिल्ली। सरकार ने 10,372 करोड़ रुपये के भारत एआई मिशन के तहत क्लाउड पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेवाएं प्रदान करने के लिए संस्थाओं के पैनल के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं, जिसे इस साल मार्च में कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। डेटा सेंटर और क्लाउड सेवा प्रदाताओं जैसी पैनल वाली एजेंसियों को शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स, शोधकताओं सरकारी निकायों आदि को बोली प्रक्रिया के माध्यम से खोजी जाने वाली सबसे कम दर पर ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू), एक्सेलेरेटर, टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट (टीपीयू), स्टोरेज आदि जैसे हाई-स्पीड कंप्यूटिंग एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच प्रदान करनी होगी। इंडियाएआई मिशन के तहत, एआई इकोसिस्टम बनाने के लिए 10,000 से अधिक जीपीयू वाली सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विभिन्न हितधारकों को उपलब्ध कराई जाएगी। इसे संभव बनाने के लिए सेवा प्रदाताओं को पैनल में शामिल करने के उद्देश्य से, इंडियाएआई - डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के तहत एक आईबीडी, एमईआईटीवाई ने एक आरएफई (पैनल के लिए अनुरोध) जारी किया है, एमईआईटीवाई के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा। दुनिया भर में एआई के तेजी से विकास ने जीपीयू-आधारित सर्वरों की मांग में वृद्धि की है, क्योंकि वे सीपीयू-आधारित सर्वरों की तुलना में अधिक गति से डेटा प्रोसेस कर सकते हैं। भारत में ऋद्धव-आधारित क्लाउड सेवाओं तक पहुँचने की दर उन देशों की तुलना में दोगुनी होने का अनुमान है, जिन्होंने बड़ी संख्या में स्थापित किए हैं।

रक्षाबंधन और त्योहारी सीजन के कारण सोने की मांग बढ़ी, कारोबारियों को उम्मीद- भाव होंगे मजबूत

मुंबई। सोमवार यानी 19 अगस्त को रक्षाबंधन है जिसके बाद से त्योहारों की शुरूआत हो जाएगी। इसको देखते हुए सोने की खरीदारी में तेजी है। मुंबई के झवेरी बाजार में रक्षाबंधन के लिए 400 से 500 ग्राम तक के गहनों की मांग में 25 प्रतिशत तक वृद्धि देखने को मिल रही है, निवेशकों की मांग 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है। ज्वेलरी उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि सोने की खरीदारी करने का यह सबसे सुनहरा मौका है, क्योंकि आने वाले महीनों में सोने की कीमतें 75,000 से 76,000 प्रति दस ग्राम तक (जीएसटी शुल्क के बिना) पहुंच सकती हैं। ज्वेलर्स भी आने वाले त्योहारी सीजन के लिए अपनी तैयारी पूरी कर चुके हैं। मुंबई सरार्फा बाजार में रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए ज्वेलर्स हल्के गहनों की रेंज लेकर आए हैं। वहीं बड़े गोल्ड ज्वेलर्स रिटेलर तनिष्क, कैरेटलेन और मारबार गोल्ड ने भी नए कलेक्शन बाजार में उतारे हैं।

फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती और भू-राजनीतिक संकट का सोने की कीमतों पर असर पड़ेगा। इंडियन बुलियन और ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला डॉट कॉम को बताया कि सोने की कीमतों में आने वाले दिनों में इजाफा दिख सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार सोने की कीमतें अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती करने या नहीं करने से प्रभावित होंगी। फेडरल रिजर्व 17 और 18 सितंबर, 2024 को फिर से एक बैठक कर रहा है। अगर केंद्रीय बैंक इस बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना पर चर्चा कर कोई बड़ा फैसला लेता है तो इसका असर पूरी दुनिया के सरार्फा बाजार पड़ेगा। आगे त्योहारी सीजन भी है। इसलिए इस महीने और इसके बाद वाले महीने में सोने के भाव 75000 से 76000 रुपये प्रति दस ग्राम तक (जीएसटी शुल्क के बिना) तक पहुंच सकते हैं।

कॉमोडिटी बाजार के विशेषज्ञ प्रथमेश कहते हैं कि आने वाले महीनों में सोने के दामों में बढ़ोतरी होगी क्योंकि भू-राजनीतिक परिस्थितियों खासकर, इस्राइल और ईरान युद्ध संकट के कारण क्रूड ऑयल की कीमतों में वृद्धि होगी। जिससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने पर निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है।

ग्राहकों के लिए सोना खरीदने का अच्छा मौका...सुरेंद्र मेहता कहते हैं कि सोना खरीदने का यह अच्छा समय है। क्योंकि आगामी दिनों में भाव में तेजी बनी रहेगी। इसलिए ग्राहक और निवेशक इस समय खरीदारी कर सकते हैं। उमेदमल त्रिलोकचंद ज्वेलर्स के कुमार जैन बताते हैं, आगामी महीनों में सोने के दाम बढ़ने की पूरी संभावना है। क्योंकि जिस तरह से वैश्विक स्तर पर युद्ध की स्थितियां बन रही है वह सोने के दाम में वृद्धि करने में मदद करेंगी। वे कहते हैं कि आमतौर पर त्योहारी सीजन और शादियों के महीनों में सोने के दाम बढ़ जाना स्वाभाविक होता है, जिसकी जानकारी ग्राहकों को भी है। इसलिए खरीदारी पहले से शुरू होने लगी है। 23 जुलाई को संपूर्ण बजट में सोने और चांदी पर आयात शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत करने की घोषणा के बाद ही लोगों ने अच्छी खासी खरीदारी थी। इसके बाद से सोने के दामों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन त्योहारों के आने से पहले एक बार फिर सोने की बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है।

त्योहारों और शादी-ब्याह के लिए लोगों ने शुरू की खरीदारी...कुमार जैन बताते हैं कि रक्षाबंधन पर हल्के वजन में 400 से 500 ग्राम तक के गहनों की मांग में 25 प्रतिशत तक वृद्धि देखने को मिल रही है। वहीं निवेशकों के लिहाज से बात करें तो सोने के सिक्के और बार की मांग 20 प्रतिशत तक बढ़ी है। बाजार में त्योहार और शादी ब्याह की खरीदारी से रौनक बढ़ रही है। लोग रक्षाबंधन के अलावा शादी ब्याह के लिए भी खरीदारी कर रहे हैं। इसमें गहनों के पूरे सेट के साथ अंगूठी, कंगन और शादियों में उपहार स्वरूप दिए जाने वाले गहने शामिल हैं।

शनिवार को सोने के भाव...रक्षाबंधन से पहले सोने के दाम शनिवार को 73,400 रुपये प्रति दस ग्राम के ऊपर बने हुए हैं। खबर लिखने तक देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 73,400 रुपये प्रति दस ग्राम और मुंबई में 24 कैरेट सोने का दाम 73,000 रुपये प्रति दस ग्राम है। जबकि चांदी का भाव 85,400 प्रति किलोग्राम पर चल रहा है।

ग्राहकों को लुभाने के लिए सरार्फा कारोबारी भी दे रहे ऑफर

कुमार बताते हैं कि ज्वेलर्स आगामी त्योहारों को देखते हुए ग्राहकों को लुभाने के लिए कई तरह के ऑफर देने की तैयारी कर रहे हैं। इनमें मेकिंग चार्ज पर छूट और हल्के गहनों में दिए जाने वाले कई ऑफर शामिल हैं। तनिष्क के सहयोगी ओमनीचैनल ज्वेलरी ब्रांड कैरेटलेन की मार्केटिंग वीपी जेनिफर पंड्या बताती हैं कि रक्षाबंधन के अवसर पर युवाओं और महिलाओं को आकर्षित करने के लिए नया डिज्नी कलेक्शन पेश किया है। यह भाइयों की ओर से बहनों को उपहार के रूप में दिया जा सकता है। मालाबार गोल्ड ने हल्के वजन में 5000 रुपये से लेकर 6000 रुपये तक की राखियां पेश की है। इसके अलावा उपहार में दिए जाने वाले गहनों के भी नए कलेक्शन बाजार में उतारे गए हैं।

क्या कहतें हैं ग्राहक?

मुंबई झवेरी बाजार में रक्षाबंधन के अवसर पर खरीदारी करतीं परी सेठ ने बताया कि रक्षाबंधन के लिए उन्होंने अपनी बेटी के लिए अंगूठी और कुछ हल्के गहनों की खरीदारी की है। वे कहती हैं कि सोने के भाव चढ़ते और उतरते रहते हैं, इससे हमारी खरीदारी पर असर पड़ता है, लेकिन त्योहारों और शादी ब्याह में उपहार देने के लिए तो गहने लेने ही पड़ते हैं। एक अन्य ग्राहक कंचन बोरिचा बताती हैं कि सोने के दाम बढ़ें या कम हों हम अपनी जरूरत को देखते हुए गहनों की खरीदारी करते हैं। मैं यहां रोजाना पहनने के लिए हल्के वजन के गहनों की शॉपिंग कर रही हूं। आगामी नवंबर में अपने बेटे की शादी के लिए अभी से तैयारी में जुटीं सेजल जड़ेजा बताती हैं कि हमने सोने पर आयात शुल्क की कटौती की घोषणा के बाद ही खरीदारी की थी तब सोने के भाव गिरे थे। वर्तमान में सोने के दाम बढ़े हैं, बावजूद हमें कुछ गहने और खरीदने हैं। यह भी अच्छा मौका है, रक्षाबंधन और गणपति के त्योहार सामने हैं, ऐसे में हमें अच्छे ऑफर भी मिल रहे हैं।

RBI ने P2P लेंडिंग प्लेटफॉर्म के लिए कड़े किए मानदंड, पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार की उम्मीद

मुंबई। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म) के लिए मानदंड कड़े कर दिए। आरबीआई द्वारा जारी संशोधित मास्टर निर्देश के अनुसार, पी2पी प्लेटफॉर्म को निवेश उत्पाद के रूप में पीयर-टू-पीयर लेंडिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए, जिसमें अवधि-लिंक्ड सुनिश्चित न्यूनतम रिटर्न, लिक्विडिटी विकल्प आदि जैसी विशेषताएं हों।

उसने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी लेंडिंग प्लेटफॉर्म) को किसी भी बीमा उत्पाद को क्रॉस-सेल नहीं करना चाहिए, जो क्रेडिट वृद्धि या क्रेडिट गारंटी की प्रकृति का हो। जब तक ऋणदाताओं और उधारकताओं का मिलान/मैपिंग बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार नहीं किया जाता है, तब तक कोई ऋण वितरित नहीं किया जाना चाहिए। आरबीआई ने 2017 में पी2पी लेंडिंग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। ऐसा प्लेटफॉर्म एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है जो पीयर-टू-पीयर लेंडिंग में शामिल प्रतिभागियों को एक ऑनलाइन मार्केटप्लेस/प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। हालांकि, यह देखा गया है कि इनमें से कुछ प्लेटफॉर्म ने कुछ ऐसी प्रथाओं को अपनाया है, जो मास्टर डायरेक्शन 2017 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसी प्रथाओं में, अन्य बातों के अलावा, निर्धारित फंड ट्रांसफर मैकेनिज्म का उल्लंघन, पीयर-टू-पीयर लेंडिंग को निवेश उत्पाद के रूप में बढ़ावा देना, जिसमें अवधि से जुड़े सुनिश्चित न्यूनतम रिटर्न जैसी विशेषताएं शामिल हैं। इसमें लिक्विडिटी विकल्प प्रदान करना और कई बार प्लेटफॉर्म होने के बजाय जमाकर्ता और उधारदाता की तरह काम करना शामिल है। कुछ संस्थाओं द्वारा उल्लंघन के मद्देनजर, आरबीआई ने संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए। संशोधित दिशा-निर्देश तुरंत प्रभावी हो गए हैं।

26/11 हमले से बचीं, ICICI से सेबी पहुंचीं, सबसे युवा और पहली महिला अध्यक्ष हैं माधबी पुरी बुच

नई दिल्ली। 1988 में अपनी राह खोजने के जज्बे के साथ आईआईएम, अहमदाबाद से निकली माधबी पुरी बुच पहली महिला व दूसरी गैर-आईएएस सेबी प्रमुख हैं और अर्थजगत के आंकड़ों में वर्षों से अपनी अद्वितीयता साबित करती आई हैं। फिलहाल एक अमेरिकी शॉर्टसेलर के आरोपों से चर्चा में हैं, यह बात दीगर है कि आरोप लगाने वाले की विश्वसनीयता खुद सवालों के घेरे में है।

1988 का साल था। आईआईएम, अहमदाबाद के उस बैच के करीब सभी विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हो चुका था। लेकिन एक लड़की थी, जिसने खुद को प्लेसमेंट की प्रक्रिया से अलग कर लिया था। आईआईएम उसे शुभकामनाएं ही दे सकता था। लेकिन वह लड़की जो तब अपनी राह की खोज में निकली थी, करीब तीन दशक बाद संस्थान के 59वें दीक्षांत समारोह में बतौर चीफ गेस्ट लौटती है। इस मौके पर आईआईएम, अहमदाबाद अपने एक्स अकाउंट पर लिखता है, ह्यआईआईएम-ए 1988 बैच की उस पूर्व छात्रा की वापसी पर आनंदित है, जिसने अपने नियम खुद लिखे, प्लेसमेंट के बजाय अपना रास्ता खुद चुना और सेबी की पहली महिला अध्यक्ष बन कर इतिहास रचा। वही माधबी पुरी बुच आज कथित आरोपों के घेरे में हैं। पिछले साल अदाणी समूह को निशाना बना कर भूचाल पैदा करने वाले अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग ने अब तक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा भेजे गए नोटिस का जवाब बेशक न दिया हो, लेकिन पेरिस ओलंपिक के समापन से ठीक एक दिन पहले यानी दस अगस्त को सेबी को ही आंकड़ों के जाल में फंसाकर उसकी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर कथित भ्रष्टाचार के आरोप जरूर लगा दिए हैं। कथित तौर पर, माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर उद्योगपति विनोद अदाणी को फायदा पहुंचाने और उनसे लाभ लेने के आरोप लगे हैं, जिन्हें सेबी प्रमुख ने निराधार बताया है।

आईएमएफ के साथ अपना सहयोग बढ़ाने के लिए और तरीके तलाशने को तैयार

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को आईएमएफ की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ से मिलीं। बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ अपना सहयोग बढ़ाने के लिए और तरीके तलाशने को तैयार है। मुलाकात के दौरान गोपीनाथ ने भारत सरकार की ओर से अपनाए जा रहे राजकोषीय समेकन पथ में नीतिगत निरंतरता के लिए वित्त मंत्री को बधाई दी। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, " वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत आईएमएफ के साथ अपने संबंधों और निरंतर जुड़ाव को बहुत महत्व देता है और अब इसे और आगे बढ़ाने पर विचार कर रहा है। भारत सरकार आईएमएफ के साथ सहयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने के लिए तैयार है।" दूसरी ओर, गीता गोपीनाथ ने भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता को स्वीकार करते हुए आईएमएफ के साथ भारत के संबंधों की मजबूती की सराहना की।

अमेरिका के सिएटल में आयोजित इंडिया डे समारोह में बोले बिल गेट्स भारत पूरे विश्व की मदद कर रहा

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और अरबपति कारोबारी बिल गेट्स अमेरिका के सिएटल क्षेत्र में भारत के स्वतंत्रता दिवस पर आयोजिक एक समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तक भारत की सरलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरे विश्व की मदद कर रही है। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स ने 78वें भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाई।सिएटल वाणिज्य दूतावास की ओर से शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गेट्स ने समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 2,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित किया। इस दौरान गेट्स ने भारत को प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सफल नवाचारों वाला वैश्विक नेता बताया।

कार्यबल का बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से जूझ रहा, अधिकांश ब्लू कॉलर नौकरियों में 20,000 से कम वेतन

नई दिल्ली। भारत में ज्यादातर ब्लू-कॉलर नौकरियों में वेतन 20,000 रुपये प्रति माह या उससे भी कम है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के आंकड़े दशार्ते हैं कि देश के कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से जूझ रहा है। यह तबका आवास, चिकित्सा और शिक्षा जैसी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

ब्लू कॉलर नौकरियां क्या हैं?...ब्लू कॉलर नौकरियों के तहत ऐसे कामगार आते हैं, जो दिहाड़ी पर काम करते हैं। ऐसे कामगार शारीरिक श्रम करते हैं; जैसे :- वेल्डर, मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, माइनिंग, किसान, मिस्त्री, रसोइया, वाहन चालक आदि। सामान्य शिक्षा के साथ छोटी-छोटी नौकरियां करने वालों को भी ब्लू कॉलर श्रमिकों की श्रेणी में रखा जाता है।

तकनीक-सक्षम ब्लू कॉलर भर्ती प्लेटफॉर्म वर्कइंडिया ने एक रिपोर्ट में कहा कि 57.63 प्रतिशत से अधिक ब्लू-कॉलर नौकरियां 20,000 रुपये प्रति माह या उससे कम वेतन सीमा में आती हैं। आंकड़े बताते हैं कि देश में अब भी अधिकांश लोग न्यूनतम वेतन के करीब ही कमा पाते हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 29.34 प्रतिशत ब्लू-कॉलर नौकरियां मध्यम आय वर्ग में हैं, जिनमें वेतन 20,000-40,000 रुपये प्रति माह है। इस सीमा में आय से जरूरतें तो पूरी हो सकती हैं, लेकिन बचत या निवेश के लिए बहुत कम जगह बचती है। यह आंकड़ा ब्लू-कॉलर कार्यबल के एक बड़े हिस्से की आर्थिक कमजोरी को उजागर करता है।

छोटी-मोटी नौकरियों की संख्या ज्यादा, अच्छे वेतन के अवसर सीमित...वर्कइंडिया के सीईओ और सह-संस्थापक नीलेश डूंगरवाल ने पीटीआई को बताया, "डेटा से पता चलता है कि ब्लू-कॉलर क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों की संख्या ज्यादा और उच्च आय के अवसर सीमित हैं। यह असमानता न केवल कार्यबल के एक बड़े हिस्से के सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों को दशार्ती है, बल्कि सामाजिक स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए व्यापक निहितार्थ भी रखती है। डूंगरवाल ने कहा कि इस असमानता को दूर करने के लिए कौशल विकास, वेतन सुधार और अधिक उच्च वेतन वाली नौकरी के अवसरों के सृजन जैसे लक्षित हस्तक्षेप की जरूरत है।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि कार्यबल का एक बहुत छोटा हिस्सा, जो केवल 10.71 प्रतिशत है, को प्रति माह 40,000-60,000 रुपये से अधिक वेतन मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार इस उच्च आय वर्ग के श्रमिकों के आंकड़ों से पता चलता है कि उनके पास कोई विशेष कौशल या अनुभव है। फिर भी ऐसे पदों की सीमित उपलब्धता से पता चलता है कि इस खंड से ऊपर की ओर जाने में भी लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

अच्छा वेतन देने वाली नौकरियों की संख्या कम...रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल 2.31 प्रतिशत ब्लू-कॉलर नौकरियां 60,000 रुपये से अधिक वेतन प्रदान करती हैं, जो कि एक बहुत ही छोटा प्रतिशत है यह आंकड़ा इस क्षेत्र में अच्छे भुगतान वाले अवसरों की कमी को दशार्ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस शीर्ष ब्रैकेट में पद आमतौर पर अत्यधिक विशिष्ट होते हैं या और इस वर्ग के कर्मचारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभानी होती है। जिससे ऐसी नौकरियां केवल कुछ चुनिंदा लोगों के लिए ही सुलभ होते हैं। रिपोर्ट पिछले दो वर्षों में वर्कइंडिया प्लेटफॉर्म से एकत्र किए गए नौकरियों के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। प्लेटफॉर्क पर विभिन्न उद्योगों में 24 लाख से अधिक नौकरियां पोस्ट की गई हैं।

नौकरियों में फील्ड सेल्स के पद सबसे ज्यादा...रिपोर्ट में कहा गया है कि फील्ड सेल्स पद सबसे अधिक भुगतान वाली ब्लू-कॉलर भूमिकाओं की सूची में सबसे आगे हैं, जिसमें 33.84 प्रतिशत भूमिकाएं 40,000 रुपये प्रति माह से अधिक वेतन देती हैं। इसके बाद बैक ऑफिस भूमिकाएं हैं जिनमें 33.10 प्रतिशत लोगों को 40,000 रुपये से अधिक का वेतन मिल पा रहा है। अकाउंटिंग क्षेत्र में 24.71 प्रतिशत नौकरियां 40,000 रुपये से अधिक वेतन देती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी के संचालन के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण व्यावसायिक विकास भूमिकाएं प्रतिस्पर्धी वेतन प्रदान करती हैं, जिसमें 21.73 प्रतिशत पदों के लिए कंपनियां 40,000 रुपये प्रति माह से अधिक का भुगतान करती हैं।

रिपोर्ट से जो दिलचस्प बात सामने आती है वह यह है कि कुशल रसोइये और रिसेप्शनिस्ट भी मोटा वेतन पाने वालों की श्रेणी में आते हैं।

स्वदेश लौटीं विनेश फोगाट

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत, बजरंग, साक्षी सहित कई दिग्गजों ने की अगवानी

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थी। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया।

विनेश ने हाथ जोड़कर कहा,मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं।

इसके बाद यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा में उनके गांव बलाली रवाना हुआ। पूरे रास्ते में लोग उनके स्वागत के लिए खड़े थे और इस पहलवान ने भी उनका आभार व्यक्त किया।

अपने गांव रवाना होने से पहले विनेश ने दिल्ली के द्वारका में एक मंदिर में पूजा अर्चना भी की।

विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका

वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था।

साक्षी मलिक ने कहा,वह लंबे समय बाद स्वदेश लौटी है। वह काफी भावुक है। वह कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताएगी और खुद को शांतचित्त रखेगी। विनेश ने महिलाओं के लिए जो कुछ किया है वह सराहनीय है। वह भले ही पदक हासिल नहीं कर पाई लेकिन हमारे लिए वह चैंपियन है।

लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया। यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे।

नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया।

नारंग ने लिखा,वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जज्बे को सलाम।

विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा, हमारे गांव में लोग उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं।

इस दिग्गज पहलवान ने अयोग्य ठहराए जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में शनिवार को कहा कि उन्हें लगता है कि विभिन्न परिस्थितियों में वह 2032 तक खेल सकती हैं क्योंकि उनमें अभी काफी कुश्ती बची है, लेकिन अभी वह अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित है क्योंकि हो सकता है कि चीजें पहले की तरह न हों।

अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट में विनेश ने अपने बचपन के सपने और अपने पिता को खोने के बाद की मुश्किलों के बारे में बताया। उन्होंने अपनी इस असाधारण यात्रा में लोगों के योगदान को भी याद किया।

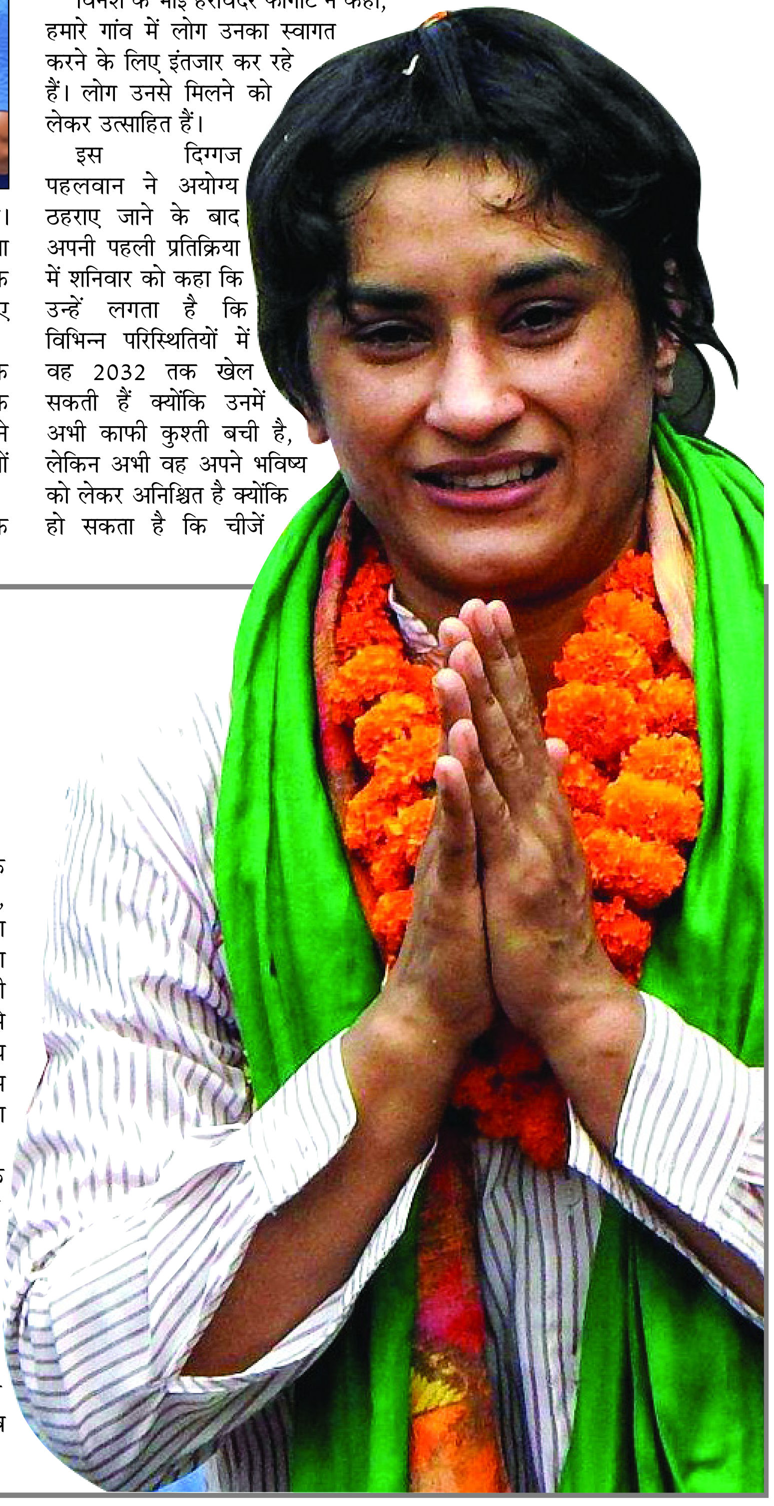

हमने आत्मसमर्पण नहीं किया, मुझे नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा : विनेश फोगाट

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को कहा कि 'विभिन्न परिस्थितियो' में वह 2032 तक प्रतिस्पर्धा कर सकती है क्योंकि उनके अंदर अभी काफी कुश्ती बची है लेकिन उन्हें भविष्य के बारे में नहीं पता है।

विनेश ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा फाइनल में 100 ग्राम अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद खेल से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने इस फैसले को खेल पंचाट (सीएएस) में चुनौती दी थी लेकिन उनकी अपील खारिज कर दी गई थी। विनेश ने सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट में अपने बचपन के सपने, अपने पिता को खोने के बाद झेली कठिनाइयों को साझा किया। उन्होंने अपनी असाधारण यात्रा में लोगों द्वारा किए गए योगदान को भी याद किया।

विनेश ने 'एक्स' पर साझा पोस्ट में फाइनल के दिन अपने वजन करवाने की घटना का जिक्र करते हुए लिखा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि हमने हार नहीं मानी, हमारे प्रयास नहीं रुके, लेकिन घड़ी रुक गई और समय ठीक नहीं था। मेरी किस्मत में शायद यही था।

उन्होंने कहा, मेरी टीम, मेरे साथी भारतीयों और मेरे परिवार को ऐसा लगता है कि जिस लक्ष्य के लिए हम काम कर रहे थे और जिसे हासिल करने की हमने योजना बनाई थी वह अधूरा है। हमेशा कुछ न कुछ कमी रह सकती है और चीजें फिर कभी पहले जैसी नहीं हो सकती हैं।

उन्होंने लिखा, हो सकता है कि अलग-अलग परिस्थितियों में, मैं खुद को 2032 तक खेलते हुए देख सकूं, क्योंकि मेरे अंदर संघर्ष और कुश्ती हमेशा रहेगी। मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकती कि भविष्य में मेरे लिए रखा है लेकिन मुझे इस यात्रा का इंतजार है। मुझे यकीन है कि मैं जिस चीज में विश्वास करती हूं और सही चीज के लिए हमेशा लड़ती रहूंगी।

ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद भले ही उनका दिल टूट गया हो, लेकिन विनेश ने उन सभी लोगों का शुक्रिया किया, जो उनकी असाधारण यात्रा का हिस्सा थे, उन्होंने कहा कि उन्हें कभी हार ना मानने का जज्बा उनकी मां से मिला है। उन्होंने कहा कि उनके कोच वोलेर अकोस 'असंभव' शब्द में विश्वास नहीं करते हैं और डॉ. दिनशॉ पारदीवाला किसी फरिश्ते की तरह है।

पेरिस में भारतीय दल की मदद के लिए आईओए ने जिस 13 सदस्यीय मेडिकल स्टाफ की व्यवस्था की थी उसका नेतृत्व करने वाले डॉ. पारदीवाला को हाल ही में विनेश द्वारा 50 किग्रा की सीमा से 100 ग्राम अधिक वजन होने पर अनुचित आलोचना का शिकार होना पड़ा था। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने भी इसके बाद डॉ. पारदीवाला का बचाव किया था।

एक नजर

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने फुलहम को 1-0 से हराया

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शुक्रवार को ब्रिटेन के ओल्ड ट्रैफर्ड में फुलहम के खिलाफ 1-0 की रोमांचक जीत के साथ अपने प्रीमियर लीग अभियान की शुरूआत की। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने उनकी टीम में पदार्पण करने वाले जोशुआ ज़िर्कजी के देर से किए गए गोल की बदौलत जीत हासिल हुई। लीग में विजयी अभियान की शुरूआत के बावजूद पूर्व यूनाइटेड डिफेंडर गैरी नेविल ने मुख्य कोच एरिक टेन हाग के नेतृत्व में टीम के प्रदर्शन और खेलने की शैली के बारे में चिंता व्यक्त की। स्काई स्पोर्ट्स फुटबॉल पर बात करते हुए नेविल ने कहा, इस मैच में टीम में ठहराव और शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूनाइटेड मैच में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती हुई दिखाई दी। नेविल ने कहा उन्हें जीतना ही था पर ऐसा नहीं लग रहा था कि टीम मैच में बड़े अंतर से जीतेगी। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि मैच के दौरान मैदान में खिलाड़ी तनावपूर्ण माहौल में खेलते दिखाई दे रहे थे। डिफेंडर नेविल ने क्लीन शीट के महत्व को भी बताया। उन्होंने कहा कि टीम ने रक्षात्मक रूप से खेल की शुरूआत की जो पिछले सीजन की तुलना में टीम इस बार बेहतर दिख रही है। उन्होंने कहा कि यह जीत सीजन की आशाजनक शुरूआत है। नेविल की टिप्पणियों से लगता है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड को टेन हाग के तहत खेल की एक सुसंगत और अपनी चिरपरिचित शैली विकसित करने के लिए अभी भी काम करना होगा।

मार्केटा वोंद्रोसोवा और कैम नॉरी अमेरिकी ओपन से हटे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विंबलडन 2023 की चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा और कैम नॉरी चोटिल होने के कारण 26 अगस्त से शुरू होने वाली अमेरिकी ओपन टेनिस प्रतियोगिता से हट गए हैं। विश्व रैंकिंग में 18वें नंबर की खिलाड़ी वोंद्रोसोवा के हाथ में चोट लगी है जबकि नॉरी को बांह में समस्या है। चेक गणराज्य की 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा ने पिछले साल विंबलडन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। वह 2019 फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थी। उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक भी जीता था। अमेरिकी ओपन में महिलाओं के ड्रॉ में वोंद्रोसोवा की जगह पेट्रा मार्टिच को जबकि पुरुषों के वर्ग में नॉरी की जगह फ्रांसिस्को कोमेसाना को शामिल किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर 239 रन की बढ़त बनाई

प्रोविडेंस, एजेंसी। एडेन मार्कराम और काइल वेरेन के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 239 रन की बढ़त हासिल कर ली। अपनी पहली पारी में 160 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 144 रन पर आउट हो गई थी। मार्कराम ने 50 रन बनाए जबकि वेरेन 51 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर वियान मुल्डर 34 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने नाबाद 54 रन की पारी खेली। उन्होंने शमर जोसेफ (25) के साथ दसवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को दक्षिण अफ्रीका के स्कोर के करीब पहुंचाया। प्रोविडेंस स्टेडियम में शुरूआती दिन 17 और दूसरे दिन आठ विकेट गिरे। वियान मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले जेडेन सील्स ने दूसरी पारी में अभी तक 52 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। इन दोनों टीम के बीच त्रिनिदाद में खेला गया पहला मैच बारिश से प्रभावित रहा था तथा ड्रॉ समाप्त हुआ था। दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद इन दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला खेली जाएगी।

सिद्धार्थ विश्वकर्मा डेविस कप में चयनित होने वाले यूपी के पहले खिलाड़ी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के टेनिस खिलाड़ी सिद्धार्थ विश्वकर्मा ने स्वीडन के खिलाफ खेलने वाली भारत की डेविस कप टीम में चयनित होकर इतिहास रच दिया। वह डेविस कप टीम में चयनित होने वाले यूपी के पहले खिलाड़ी हैं। उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन (यूपीटीए) सचिव पुनीत अग्रवाल के अनुसार आल इंडिया टेनिस एसोसिएशन यानी आइटा की चयन समिति ने स्वीडन के खिलाफ 14 औ? 15 सितंबर को होने वाले मुकाबले के लिए भारतीय टीम की घोषणा की है। स्वीडन के स्टॉकहोम में होने वाली इस डेविस कप टाई में चयनित खिलाड़ियों में सुमित नागल, रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, निकी पोनाचा औ? सिद्धार्थ विश्वकर्मा शामिल हैं। इस टीम में आर्यन शाह को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर जगह दी गयी है। भारतीय टीम का नेतृत्व गैरखिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल करेंगे। टीम के कोच का दायित्व आशुतोष सिंह को सौंपा गया है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी निवासी खिलाड़ी सिद्धार्थ विश्वकर्मा के चयन पर यूपीटीए के प्रेसीडेंट नवनीत सहगल ने खुशी जताई है। सिद्धार्थ की ये उपलब्धि उनके लिए तो बहुत बड़ी है पर इसका बहुत व्यापक असर यूपी टेनिस पर पड़ने वाला है। यूपीटीए के सचिव पुनीत अग्रवाल ने सिद्धार्थ के चयन को यूपी टेनिस के लिए बहुत बड़ा मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ चूंकि अभी अपनी प्रैक्टिस पर पूरा ध्यान लगा रहे हैं इसलिए जब वो स्वीडन से लौटेंगे तो उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन उनका सम्मान करेगा।

सुमित नागल डेविस कप में भारतीय टेनिस टीम की करेंगे अगुवाई

नयी दिल्ली। सुमित नागल अगले महीने स्वीडन के खिलाफ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप क मुकाबले के लिए पांच सदस्यीय भारतीय टेनिस टीम की अगुवाई करेंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने शुक्रवार को यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि भारत 14 और 15 सितंबर को स्टॉकहोम के रॉयल टेनिस हॉल में इनडोर हार्ड कोर्ट पर स्वीडन से मुकाबला करेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन आशुतोष सिंह भारत की डेविस कप टीम के नए राष्ट्रीय कोच होंगे। विश्व टेनिस रैंकिंग में 74वें स्थान पर काबिज और भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल की फरवरी में इस्लामाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल पाने के बाद डेविस कप टीम में वापसी हुई है। इस बीच भारत के नंबर वन युगल खिलाड़ी युकी भांबरी ने स्वीडन के खिलाफ मुकाबले से बाहर होने का फैसला किया है। युकी की जगह एन श्रीराम बालाजी लेंगे। रामकुमार रामनाथन ने भी भारतीय डेविस कप टीम में जगह बनाई है। वह स्वीडन के साथ एकल और युगल दोनों स्पधाओं में खेल सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पदार्पण करने वाले निकी पूनाचा और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन सिद्धार्थ विश्वकर्मा को भी भारत की डेविस कप टीम में शामिल किया गया है।

अल्कराज ने हार के बाद रैकेट पर निकाला गुस्सा

सिनसिनाटी, एजेंसी। चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूनामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना गुस्सा रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटककर तोड़ डाला।

मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की। बारिश के कारण यह मैच गुरुवार को पूरा नहीं हो पाया था।

दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने मैच के बाद कहा, मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे करियर का अब तक का सबसे खराब मैच था। मैंने वास्तव में बहुत अच्छी तैयारी कर रही थी और मैं अच्छा महसूस कर रहा था लेकिन मैं उस तरह का खेल नहीं दिखा पाया। मैं इस मैच को भूल जाना चाहता हूं और अमेरिकी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।

यह टूनामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है। मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चला और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्गर रूण से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए। महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मार्ता कोस्त्युक पर 6-2, 6-2 की शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। आर्यना सबालेंका भी एलिना स्वितोलिना पर 7-5, 6-2 से जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही लेकिन फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उपविजेता रही जैस्मीन पाओलिनी को मीरा एंड्रीवा से 3-6, 6-3, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा।

वेस्ट दिल्ली लायंस के जर्सी लांच में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के उद्घाटन संस्करण की शुरूआत से पहले वेस्ट दिल्ली लायंस टीम ने शुक्रवार को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान टीम के मालिक डॉ राजन चोपड़ा भी मौजूद रहे। डीपीएल का पहला संस्करण शनिवार से नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शुरू होने वाला है, जिसके लिए वेस्ट दिल्ली लायंस ने पूरी तरह से कमर कस ली है।

बैठक में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने टीम की जर्सी का अनावरण किया और टीम को आगामी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के लिए शुभकामनाएं

दीं। वेस्ट दिल्ली लायंस के द्वारा जारी बयान के अनुसार, बैठक में डॉ राजन चोपड़ा ने केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को दिल्ली प्रीमियर लीग में शिरकत करने का न्योता दिया, जिसको मंत्री जयंत चौधरी ने सहर्ष स्वीकार करते हुए निश्चित तौर पर शामिल होने का आश्वासन दिया है।

जर्सी अनावरण के दौरान टीम के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा, कोच मनोज प्रभाकर और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। रितिक शौकीन, भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी, मध्यक्रम बल्लेबाज देव लाकड़ा, ऑलराउंडर दीपक पुनिया जैसे खिलाड़ियों से सजी वेस्ट दिल्ली लायंस अपना पहला मुकाबला रविवार 18 अगस्त को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ खेलेगी जबकि उनका दूसरा मैच 21 अगस्त को पुरानी दिल्ली-6 के खिलाफ होना है। लीग के पहले संस्करण में कुल 40 मैच होंगे, जिनमें 33 पुरुष और 7 महिला मुकाबले शामिल हैं।

यह टूनामेंट 17 अगस्त से 8 सितंबर, 2024 तक खेला जाएगा। वेस्ट दिल्ली लायंस टीम: रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल, शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांत डोनल, अब्राहम अहमद मसूदी आदि उपस्तिथ रहे।

पीकेएल 2024 नीलामी के बाद टीमें तैयार, ये रही खिलाड़ियों की सूची

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए नीलामी शुक्रवार को समाप्त हो गया। मुम्बई में हुए दो दिवसीय ऑक्शन में 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। ऑक्शन के दौरान खिलाड़ियों पर जमकर पैसे बरसे हैं। सचिन तंवर 2.15 करोड़ रुपये के साथ पीकेएल 2024 के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें तमिल थलाइवाज ने खरीदा है।

ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह प्रो कबड्डी लीग प्लेयर ऑक्शन में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने। उन्हें हरियाणा स्टीलर्स ने 2.07 करोड़ रुपये में खरीदा। पीकेएल के 11वें सीजन के लिए सभी टीमों ने तीन कैटेगरी में कुल 88 खिलाड़ियों को रिटेन किया था। एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स कैटेगरी में 22, रिटेन्ड यंग प्लेयर्स श्रेणी में 26 और एक्साइटिंग न्यू यंग प्लेयर्स कैटेगरी में 40 प्लेयर रिटेन किए गए हैं।

पांच सबसे महंगे खिलाड़ी

2.07 करोड़ - मोहम्मदरेजा शादलोई चियानेह, ईरान (हरियाणा स्टीलर्स)

1.97 करोड़ - गुमान सिंह (गुजरात जायंट्स)

1.725 करोड़ - पवन कुमार सहरावत (तेलुगु टाइटंस)

1.30 करोड़ - भारत हुडा (यूपी योद्धा)

ये रही पूरी टीमें

बंगाल वॉरियर्स की पूरी टीम

रेडर्स: विश्वास एस, नितिन कुमार, महारुद्र गरजे, सुशील काम्ब्रेकर, मनिंदर सिंह, चाई-मिंग चांग, आकाश बी चौहान, अर्जुन राठी, प्रणय विनय राणे

डिफेंडर: श्रेयस उंबरदंड, आदित्य एस. शिंदे, मंजीत, दीप कुमार, दीपक अर्जुन शिंदे, यश मलिक, फजल अत्राचली, नितेश कुमार, मयूर जगन्नाथ कदम, प्रवीण ठाकुर, हेम राज, संभाजी वबाले, वैभव भाऊसाहेब गरजे

ऑलराउंडर: सागर कुमार

बेंगलुरु बुल्स की पूरी टीम

रेडर्स: सुशील, अक्षित, मंजीत, पंकज, अजिंक्य पवार, प्रदीप नरवाल, प्रमोत सैसिंग, जय भगवान, जतिन

डिफेंडर: पोनपार्थिबन सुब्रमण्यन, सौरभ नंदल, आदित्य पोवार, लकी कुमार, पार्टिक, अरुलनंथाबाबू, रोहित कुमार, अक्षित, हसुन थोंगक्रूआ

ऑलराउंडर: चंद्रनायक एम, नितिन रावल

गुजरात जायंट्स की पूरी टीम

रेडर्स: राकेश, प्रतीक दहिया, नितिन, गुमान सिंह, मोनू, हिमांशू, हिमांशू सिंह, आदेश सिवाच

डिफेंडर: सोमबीर, वाहिद रेजाइमेहर, नीरज कुमार, हर्ष लाड, मोहित, मनुज, नितेश

ऑलराउंडर: जितेंद्र यादव, बालाजी डी, मोहम्मद एस्माईल नबीबख्श, राज डी. सालुंखे, रोहन सिंह

दबंग दिल्ली की पूरी टीम

रेडर्स: नवीन कुमार, आशु मलिक, मनु, मोहित, सिद्धार्थ सिरीश देसाई, मोहम्मद मिजानुर रहमान, हिमांशु, परवीन, राहुल, विनय

डिफेंडर: हिम्मत अंतिल, आशीष, योगेश, विक्रांत, संदीप, मोहम्मद बाबा अली, गौरव छिल्लर, राहुल, रिंकू नरवाल

ऑलराउंडर: आशीष, नितिन पंवार, बृजेन्द्र सिंह चौधरी

जयपुर पिंक पैंथर्स की पूरी टीम

रेडर्स: अर्जुन देशवाल, रितिक शर्मा, अभिजीत मलिक, सोमबीर, श्रीकांत जाधव, विकास खंडोला, नीरज नरवाल, के. धरणीधरन, नवनीत

डिफेंडर: अंकुश, अभिषेक केएस, रेजा मीरबाघेरी, नितिन कुमार, रौनक सिंह, सुरजीत सिंह, अर्पित सरोहा, मयंक मलिक, रवि कुमार, लकी शर्मा

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है। देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि विज्ञान-आधारित, उच्च-प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इससे संबंधित रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। ये हैं - पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिी व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि। कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है।

कृषि विज्ञान एक व्यापक बहुविषयक क्षेत्र है, जिसमें प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान हिस्से हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में निम्नलिखित पर अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं- उत्पादन तकनीकें (जैसे कि, सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स) गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार (जैसे कि सूखा झेलने वाली फसलों तथा पशुओं का चयन, नए कीटनाशकों का विकास, खेती-संवेदन प्रौद्योगिकियां, फसल वृद्धि के सिमुलेशन मॉडल, इन-वाइट्रो सैल कल्चर तकनीकें) प्राथमिक उत्पादों का अंतिम-उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन (जैसे कि डेरी उत्पादों का उत्पादन, संरक्षण और पैकेजिंग) विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार (जैसे कि मृदा निम्नीकरण, कचड़ा प्रबंधन, जैव-पुन: उपचार) सैद्धान्तिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाए यादा प्राकृतिक पारिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा यादा दीर्घकालिक होती हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के विशेषज्ञता के क्षेत्र के अनुरूप उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति में भिन्नता रहती है।

खाद्य विज्ञान - खाद्य वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीविद सामान्यत: खाद्य संसाधन उद्योग, विश्वविद्यालयों या संघीय सरकार में नियुक्त किए जाते हैं। वे स्वास्थ्यपरक, सुरक्षित

और सुविधाजनक खाद्य उत्पादों की उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में मदद करते हैं।

पादप विज्ञान - पादप विज्ञान में कृषि विज्ञान, फसल विज्ञान, कीट-विज्ञान तथा पादप प्रजनन को शामिल किया गया है।

मृदा विज्ञान- इसके अंतर्गत काम करने वाले व्यक्ति पौधें या फसल विकास से जुड़ी मिट्टी के रासायनिक, भौतिकीय, जैविकीय तथा खनिजकीय संयोजन का अध्ययन करते हैं। वे उर्वरकों, जुताई के तरीकों और फसल चम को लेकर विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रत्युत्तरों का अध्ययन करते हैं।

पशुविज्ञान- पशु वैज्ञानिकों का कार्य है मांस, कुक्कुट, अण्डों तथा दूध् के उत्पादन तथा प्रोसेसिंग के बेहतर और अधिक कारगर तरीकों का विकास करना। डेयरी वैज्ञानिक, पशु प्रजनक तथा अन्य संबद्ध वैज्ञानिक घरेलू फार्म पशुओं के आनुवंशिकी, पोषण, प्रजनन, विकास तथा उत्पादन से जुड़े अध्ययन करते हैं।

प्रशिक्षण, अन्य योग्यताएं -

कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण की अपेक्षाएं उनके विशेषज्ञता क्षेत्र तथा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करती है। अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए या मौलिक अनुसंधान में सहायता के लिए कृषि विज्ञानों में बैचलर डिग्री पर्याप्त होती है लेकिन मौलिक अनुसंधान के वास्ते मास्टर्स या डॉक्टरल डिग्री अपेक्षित होती है। कॉलेज शिक्षण और प्रशासनिक अनुसंधान पदों में प्रगति के लिए सामान्यत: कृषि विज्ञान में पी-एच.डी. डिग्री अपेक्षित होती है।

कृषि विज्ञान में बी.ई. करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए मौलिक पात्रता मानदंड भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित और वरीयतन जीव-विज्ञान विषयों के साथ 10+2 है। एक सुयोग्य कृषि इंजीनियर बनने के लिए किसी के भी पास कृषि इंजीनियरी में स्नातक डिग्री (बी.ई.बी.टेक) या कम से कम डिप्लोमा होना चाहिए। अनुसंधान के क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति कृषि अनुसंधान वैज्ञानिक (एआरएस) बन सकता है। इन पदों पर भर्ती संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए की जाती है। एआरएस नेट पी-एच.डी. उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को लेक्चरशिप तथा स्कॉलरशिप प्रदान करने हेतु आयोजित की जाती है।

दूसरा विकल्प कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) बनने का है, जो पद खण्ड विकास अधिकारी के समकक्ष होता है। इन पदों पर भर्ती प्रवेश परीक्षा के आधार पर की जाती है।

तीसरे आपके पास निजी क्षेत्र के संगठनों में अनुसंधान वैज्ञानिक के पद पर आवेदन करने का विकल्प होता है। वहां पर आपकी सेवाएं निजी प्रयोगशालाओं में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं। इस उद्देश्य के लिए अपेक्षित योग्यता डॉक्टरल स्तर की अर्थात पी-एच.डी. है।

बी.एससी. करने के उपरांत आप बैंकों, वित्त और बीमा कम्पनियों की नौकरियों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंक कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तरों के लिए फील्ड अधिकारियों, ग्रामीण विकास अधिकारियों तथा कृषि और परिवीक्षा अधिकारियों के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करते हैं। इनके अलावा फार्म प्रबंधन,भूमि मूल्यांकन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग तथा लेबलिंग के क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध् हैं। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, दोनों में भी विपणन और बिी, परिवहन, फार्म उपयोगिता, भण्डारण आदि के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध् कराया जाता है।

कृषि विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ‑ कृषि केंद्र, अलीगढ़-202002 (उ.प्र.)
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय (उ.प्र.)
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ कृषि इंजीनियरी संकाय, डाकघर कृषि नगर, अकोला-444104
- गुजरात कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, सरदार कृषि नगर-385506, जिला बनासकांठा (गुजरात)
- इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय कृषक नगर, रायपुर-492006 (छत्तीसगढ़)
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय कृषि इंजीनियरी संकाय, कृषि नगर, अगरतला, जबलपुर-482004
- केरल कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, वेल्लानिकाड़ा, त्रिशूर-680654 (केरल)
- उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व-विद्यालय कृषि संकाय, भुवनेश्वर, खुर्दा-751003 (उड़ीसा)।

बिजली की निगरानी का कारोबार

जब बादल गरजने लगते हैं तो स्टीफन थर्न की नजरें तुरंत अपने कम्प्यूटर पर गड़ जाती हैं। यह इलैक्ट्रीकल इंजीनियर तुरंत जानना चाहते हैं कि कहीं आसमानी बिजली गिराने वाला तूफान तो आने वाला नहीं है। उनकी तकनीक ने उन्हें कभी निराश नहीं किया है। वह बहुराष्ट्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स कम्पनी सीमन्स की 'द लाइटनिंग सर्विस' नामक जर्मन फर्म के प्रमुख हैं जो जर्मनी में प्रतिवर्ष औसतन 10 लाख बार आसमानी बिजली के कौंधने को दर्ज करती है। फर्म का जर्मन नाम 'ब्लित्जडेन्स्ट' है। जर्मन भाषा में 'ब्लित्ज' का अर्थ बिजली कौंधना होता है। जर्मनी भर में स्थापित 16 निगरानी केंद्र देश में बिजली कौंधने की सभी घटनाओं को दर्ज करने के लिए काफी हैं। अपनी सहयोगी कम्पनियों के साथ मिल कर सीमन्स यूरोप में ऐसे कुल 150 निगरानी केंद्र चला रही है। इन आंकड़ों की जरूरत इलैक्ट्रिसिटी कम्पनियों, हवाई अड्डों, बीमा कम्पनियों एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजकों को पड़ती है जो इस सूचना के लिए फर्म को फीस देते हैं। आसमानी बिजली को दर्ज करना सरल है। इसकी हर कौंध के साथ इलैक्ट्रॉमैग्नेटिक तरंगें पैदा होकर तेज रफ्तार से सभी दिशाओं में फैल जाती हैं। आसमानी बिजली की निगरानी करने वाले केंद्र इन तरंगों को 600 किलोमीटर दूर से भी पहचान सकते हैं। स्टीफन के अनुसार इन्हें और भी दूरी से दर्ज किया जा सकता है। वह पुर्तगाल के आकाश में चमकने वाली बिजली की कौंध को जर्मनी के कार्लरुहे निगरानी केंद्र से दर्ज कर चुके हैं। जब आसमानी बिजली को कम से कम दो केंद्रों में दर्ज किया जाता है तो उनके समय तथा दूरी का आकलन करके स्थान का पता लग जाता है। जितने अधिक निगरानी केंद्र होंगे आसमानी बिजली के कौंधने के स्थान का पता उतनी ही सटीकता से लगाया जा सकता है। फिलहाल फर्म की सटीकता 200 से 700 मीटर तक है। बिजली कौंधने के स्थान में सबसे अधिक रुचि ओवरहैड पावर लाइन ऑप्रेटर्स को होती है। उनकी कोई तार टूटते ही वह जानना चाहते हैं कि इसकी वजह कहीं आसमानी बिजली का गिरना या पेड़ का गिरना तो नहीं है। यदि इलाके में बिजली गिरने की पुष्टि हो जाए तो तारों को जल्द से जल्द जोड़ा जा सकता है जबकि पेड़ गिरने की सूरत में उसे ठीक करने में अधिक समय लगता है। बीमा कम्पनियां बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के दावों की पड़ताल के लिए इस सूचना की मदद लेते हैं। अक्सर आसमान से गिरने वाली बिजली की वजह से सीधा नुक्सान नहीं होता है बल्कि इसकी वजह से वोल्टेज में होने वाली अत्यधिक वृद्धि के कारण होता है। इससे अढ़ाई किलोमीटर के दायरे में विद्युत उपकरणों में शॉर्ट-सर्किट हो सकता है।

जर्मनी में हर साल बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के 3 से 5 लाख दावे किए जाते हैं। दावों की राशि करीब 25 अरब रुपए होती है। बीमा कम्पनियां 'द लाइटनिंग सर्विस' से हासिल बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों की जांच करके तुरंत पता लगा लेती हैं कि दावा असली है या फर्जी।

वैसे फर्म केवल आसमानी बिजली की कौंध को दर्ज ही नहीं करती है, उसके आंकड़े चेतावनी जारी करने के काम भी आते हैं। कम्पनी के अनेक ग्राहक हैं जिन्हें समय रहते इलाके में बिजली चमकने या तूफान आने की पूर्व सूचना मिलती है और वे अपने बिजली के उपकरणों को बंद करके नुक्सान होने से बच जाते हैं।

महिलाएं विदेशों में जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी के लिए अपनाएं यह कॅरियर

डॉक्टरों को दूसरा भगवान कहा जाता है क्योंकि मरीजों को स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य में नर्स की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता है। देखा जाए तो मरीजों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी इनके ऊपर ही होती है। तभी तो इन्हें सभी प्यार से सिस्टर भी कहते हैं। भारतीय सिस्टर विदेश का भी रुख करने लगी हैं क्योंकि विदेशों में इन्हें जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी भी मिलने लगी है।

जॉब ऑप्शन

डी.पी.एम.आई. की प्रिंसीपल डॉक्टर अरुणा सिंह के मुताबिक आप 10वीं और 12वीं करने के बाद भी नर्सिंग के कोर्स में दाखिला ले सकती हैं। इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज जॉब की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हैल्थ डिपार्टमैंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हैल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सैक्टर, मैडीकल डिपार्टमैंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

विदेश में अवसर

यदि आप इस क्षेत्र से जुड़ी हैं तो आज यूरोपियन देशों, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका और खाड़ी देशों में जॉब की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। साथ ही इन देशों में आकर्षक सैलरी पैकेज के साथ ओवरटाइम भी मिलता है। यही वजह है कि भारतीय नर्स विदेश का रुख करने लगी हैं लेकिन यूरोप और अमरीका जाने के लिए सी.जी.एफ.एन.एस. (कमीशन ऑफ ग्रेजुएट ऑफ फॉरेन नर्सिंग स्कूल), टी.ओ.ई. एफ.एल. (टैस्ट ऑफ इंग्लिश एज ए फॉरेन लैंग्वेज), टी.डब्ल्यू.ई. (टैस्ट ऑफ रिटन इंग्लिश) और टी.एस.ई. (टैस्ट ऑफ स्पोकन इंगलिश) के एग्जाम के दौर से होकर जुडऩा पड़ सकता है।

सरकारी प्रयास

नर्सिंग एजुकेशन में व्यापक सुधार के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने की योजना है। इसके लिए हैल्थ मिनिस्ट्री ने 230 जिलों की पहचान की है जहां ऑग्जिलियर नर्स मिडवाइव्स (ए.एन.एम.) और ग्रैजुएट नर्स मिडवाइव्स (जी.एन.एम.) इंस्टीच्यूट खोला जाएगा। इसके अलावा, चार रीजनल इंस्टीच्यूट में नर्सिंग की शिक्षा को और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। सच तो यह है कि आज नर्स हैल्थ केयर सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पारिश्रमिक

नर्स की सैलरी उनकी योग्यता और अनुभव पर भी निर्भर करती है। सरकारी अस्पतालों में सैलरी 8 हजार से 15 हजार रुपए के करीब हो सकती है। लेकिन प्राइवेट और मिलिट्री नर्सिंग में कार्य करने वालों की सैलरी ज्यादा होती है।

रंगों की दुनिया में उभरते रोजगार

रंगों की दुनिया चमक-दमक से भरी होती है। इस बहुरंगी दुनिया में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। दुकान, मकान, घर और कल-कारखानों से लेकर हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए विभिन्न प्रकार के रंगों का इस्तेमाल होता है। रंगों के क्षेत्र में पेंट इंजीनियरिंग एक आकर्षक और बेहद फायदेमंद कॅरियर है। मोटर वाहन उद्योग, विद्युत, रसायन और हल्के इंजीनियरिंग उद्योगों में भी रंगों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। इस प्रकार पेंट के उपयोग के क्षेत्रों में विस्तार होने के साथ-साथ पेंट तकनीकी का भी काफी विकास हुआ है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़े हैं। साथ ही हाल के वर्षों में पेंट की खपत भी बढ़ी है।

पेंट निर्माण के क्षेत्र में न केवल देशी कंपनियों में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ कच्चा माल तैयार करने वाले उद्योगों में भी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन दूसरी इंजीनियरिंग शाखाओं की अपेक्षा पेंट इंजीनियरिंग की विस्तृत जानकारी के प्रचार-प्रसार का अभाव है। यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए अत्यधिक उपयोगी है जो इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर निराश हो जाते हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निम्न संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं-

- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव- 425 001।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- जगन्नाथ रथी वोकेशनल गाइडेंस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फरर्गसन कालेज कैम्पस के सामने बीएमसीसी, पुणे।
- इंडस्ट्रीयल रिसर्च लैबोरेटरी, कैनाल साउथ रोड, कोलकाता।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नाथलाल पारीख मार्ग, माटुंगा, मुंबई।
- रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर, झारखंड।

प्रभास के साथ स्पिरिट में अभिनय करेंगी तृषा

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इसके साथ ही उनके पास खाते में और भी कई दिलचस्प फिल्में हैं। उनमें से एक उनकी फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ है, जिसका नाम स्पिरिट है। यह फिल्म जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने के लिए तैयार है। वहीं अब बीच फिल्म में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री को कास्ट करने को लेकर नई दिलचस्प जानकारी सामने आई है। खबर है कि फिल्म में निर्माता प्रभास के विपरीत नायिका के लिए साउथ अभिनेत्री तृषा को कास्ट करने के बारे में बातचीत कर रहे हैं। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा, जिन्होंने एनिमल और अर्जुन रेड्डी जैसी धमाकेदार फिल्में बनाई हैं, अब वे अभिनेता प्रभास के साथ स्पिरिट नाम की फिल्म में काम करेंगे। अब, इस प्रोजेक्ट के बारे में ताजा खबर यह है कि अभिनेत्री तृषा एक बार फिर प्रभास के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले तृषा ने वर्षम और पूर्णिमा जैसी फिल्मों में प्रभास के साथ काम किया है। ऐसे में अब वे एक बार फिर आगामी फिल्म में प्रभास के साथ अभिनय करेंगी। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्शन थ्रिलर कही जाने वाली इस फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में और खलनायक दोनों की भूमिका में नजर आएंगे। अगर ये खबरें सच हुईं तो यह पहली बार होगा जब प्रभास अपने करियर में नकारात्मक भूमिका निभाएंगे। 300 करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म की शूटिंग दो साल से अधिक समय तक चलेगी। फिल्म की रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। इससे पहले फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने कहा था, हां, स्पिरिट अर्जुन रेड्डी और एनिमल दोनों से बड़ी होने वाली है। निर्माता 300 करोड़ रुपये लगाने जा रहे हैं। मैं हमेशा इस बात पर गौर करता हूं कि निर्माता उस पैसे को कैसे वसूल करेगा।

बिग बॉस ओटीटी 3 की ट्रॉफी न मिलने से आहत हैं रणवीर शौरी

अभिनेता रणवीर शौरी ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 का हिस्सा बनकर खूब सुर्खियां बटोरीं। रणवीर एक दमदार प्रतियोगी बनकर उभरे साथ ही एक वर्ग को तो यह भी उम्मीद थी कि वह विजेता की ट्रॉफी उठाएंगे। हालांकि, उम्मीदें टूट गईं और सना मकबूल ने वोटों की अधिकता के आधार पर ट्रॉफी अपने नाम की। रैपर नैजी फर्स्ट रनरअप बने। वहीं, रणवीर शौरी सेकंड रनरअप रहे। अब शो खत्म होने के बाद रणवीर शौरी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है।

अभिनेता शो के निर्माताओं पर ही सवाल खड़े करते नजर आए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में रणवीर शौरी ने कहा कि बिग बॉस ओटीटी 3 के निर्माताओं का सना मकबूल के लिए सॉफ्ट कॉर्नर था। उन्होंने यह भी कहा कि अरमान मलिक या वह शो जीतने के अधिक हकदार थे। रणवीर शौरी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने (सना मकबूल) घर में कुछ भी सकारात्मक किया है। आगे बढ़ने और मैं स्वार्थी हूं, मैं जीतना चाहती हूं का जाप करने या यह मानने के अलावा कि शो इस बारे में है कि आप कितनी बुरी बातें कर सकते हैं और इसे दृढ़ संकल्प कहते हैं। रणवीर शौरी ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कोई सकारात्मक प्रभाव डाला है घर में या घर के सदस्यों पर। मैं उन्हें सबसे योग्य उम्मीदवार नहीं मानता। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि बिग बॉस के मन में उनके लिए कहीं न कहीं सॉफ्ट कॉर्नर था। मुझे लगता है कि उन्हें वोट मिले। इसका सम्मान किये जाने की जरूरत है। उन्हें बधाई... अरमान विजेता हो सकते थे। मैं विजेता हो सकता था। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी सना के लिए अपने शब्दों पर पछतावा हुआ, रणवीर ने कहा, उन्होंने कुछ कठोर बातें कहीं और उन्हें उसका करारा जवाब मिला। बिग बॉस ओटीटी 3 के अंतिम एपिसोड में, रणवीर और सना के बीच प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई।

प्रशंसकों के प्यार से अभिभूत हैं सना मकबूल

'बिग बॉस ओटीटी 3' की ट्रॉफी जीतने के बाद अभिनेत्री सना मकबूल ने अपना पहला इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने प्रशंसकों का धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपनी जीत का श्रेय प्रशंसकों को देते हुए कहा कि यह एक सामूहिक जीत है। वह उनके द्वारा मिले प्यार से अभिभूत हैं। उन्होंने प्रशंसकों से कहा कि वह इसी तरह अपना प्यार और स्नेह उन पर बनाए रखें।

वीडियो पोस्ट साझा कर जताया आभार

सना ने अपने वीडियो पोस्ट में प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा, 'मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहती हूं। यह हम सबकी जीत है। मुझे आप सब ने ढेर सारा प्यार दिया और मैं चाहती हूं आप इसी तरह ढेर सारा प्यार मुझे देते रहें। ऐसे ही प्यार करें और ऐसे ही सपोर्ट करें। धन्यवाद!'

कैप्शन में लिखा भावनात्मक नोट

सना ने वीडियो संदेश के कैप्शन में लिखा, 'बिग बॉस ओटीटी 3' के सफर के दौरान मुझे प्यार मिला, उसके लिए मैं आभारी हूं। यह आपका अटूट समर्थन है जिसने ट्रॉफी को घर तक लाया है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैंने कितनी नकारात्मकता का सामना किया, आपके प्यार ने सब कुछ खत्म कर दिया। यह वही है जो मैंने वास्तव में पाया है। मेरे दिल की गहराई से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

आयुष्मान खुराना ने छोड़ी मेघना गुलजार की फिल्म दायरा

आयुष्मान खुराना ने अपने 12 साल के लंबे करियर में इंडस्ट्री को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। वहीं, बीते दिन आई रिपोर्ट ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया था। रिपोर्ट थी कि वह अब मशहूर निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा में काम करने जा रहे हैं। इतना ही नहीं इस फिल्म में करीना कपूर खान के होने की भी जानकारी है। हालांकि, अब नई रिपोर्ट ने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। रिपोर्ट की मानें तो आयुष्मान खुराना ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। साथ ही इसके पीछे का कारण भी चौंकाने वाला है। जानकारी के अनुसार, आयुष्मान खुराना जो पहले फिल्म निर्माता मेघना गुलजार की शक्तिशाली ड्रामा में करीना कपूर खान के साथ अभिनय करने के लिए तैयार थे उन्होंने अब शेड्यूलिंग संघर्ष के कारण फिल्म से नाम वापस ले लिया है। कथित तौर पर फिल्म का नाम दायरा है, जो 2019 के हैदराबाद बलात्कार और हत्या मामले पर आधारित है। अगर खुराना इस फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार होते तो यह करीना कपूर खान और मेघना गुलजार दोनों के साथ उनका पहला जुड़ाव होता। इस साल दो प्रमुख फिल्मों के लिए आयुष्मान खुराना की प्रतिबद्धताओं ने उनके लिए गुलजार की फिल्म को अपने शेड्यूल में फिट करना असंभव बना दिया है। रिपोर्ट की मानें तो, मेघना गुलजार साल के अंत तक अपना प्रोजेक्ट शुरू करने का इरादा रखती हैं, यह समयरेखा खुराना की योजनाओं के साथ सटीक नहीं बैठती है। हालांकि, इन खबरों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में आयुष्मान खुराना का एक संगीत दौरा निर्धारित है। जिसके दौरान वह कई प्रमुख अमेरिकी शहरों में प्रदर्शन करेंगे। अपने संगीत दौरे के अलावा, खुराना ने दो फिल्मों के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है।

नेगेटिव रोल कई चीजों को एक्सप्लोर करने का देता है मौका

टीवी एक्ट्रेस एकता तिवारी इन दिनों टीवी शो गुड़िया रानी में नजर आ रही हैं। इसमें वह फूल का नेगेटिव किरदार निभा रही हैं। अपने रोल को लेकर एक्ट्रेस का मानना है कि इस तरह के किरदार से एक्टर को यूनिक चीजें एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है, जो एक्सपीरियंस को आगे बढ़ाती हैं। एकता ने बताया कि यह रोल उनके द्वारा निभाए गए अन्य किरदारों से कितनी अलग है। एक्ट्रेस ने कहा, किसी भी प्लेटफॉर्म या प्रोजेक्ट पर पॉजिटिव या नेगेटिव किरदार निभाना एक जिम्मेदारी है, और मुझे लगता है कि एक एक्टर आसानी से उनके बीच स्विच कर सकता है। हालांकि, लीड हीरो के किरदार को निभाने में कुछ सीमाएं होती हैं। ऐसे किरदारों को जिम्मेदार, नैतिक और विचारशील दिखना होता है। एक राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के नजरिए से, पॉजिटिव रोल की कई सीमाएं हैं। एकता ने आगे कहा, नेगेटिव रोल, भले ही वे हिंसक न हो, लेकिन एक एक्टर के तौर पर कई चीजें एक्सप्लोर करने का मौका देता है। पहली बार, मैं गुड़िया रानी में एक नेगेटिव किरदार निभा रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरा रोल काफी कलरफुल है। यह केवल सिर्फ एन्जॉय करने के बारे में नहीं है, यह इससे भी कहीं आगे है। नेगेटिव किरदारों के लिए अक्सर इंटेंस और शार्प परफॉर्मेंस की जरूरत होती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें टाइपकास्ट होने का डर है, तो एकता ने अपने जवाब में कहा, टाइपकास्ट होने का कोई डर नहीं है, मजा अलग-अलग एक्सपीरियंस लेने में है। हां, हमारे इंडस्ट्री में सभी कलाकारों को टाइपकास्ट करने का चलन है, जिसे तोड़ा जाना चाहिए। चाहे मैं कितना भी नेगेटिव किरदार निभाऊं, मुझे नहीं लगता कि मैं टाइपकास्ट हो जाऊंगी। मेरे किरदार की इमोशनल जर्नी है, जिसके चलते शो में उसके काम और रिएक्शन होते हैं। गुड़िया रानी जल्द ही दंगल टीवी पर प्रसारित होगा।

चिरंजीवी की आगामी फिल्म विश्वंभर पर आई नई जानकारी

मेगास्टार चिरंजीवी साउथ सिनेमा का बड़ा नाम हैं। वह तेलुगु के अलावा हिंदी फिल्मों में भी नजर आते हैं। उन्होंने चार दशक से भी ज्यादा समय से दर्शकों का लगातार मनोरंजन किया है। अब एक बार फिर वह दर्शकों का दिल जीतने वापस आ रहे हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म 'विश्वंभर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के निर्माताओं ने उनके फैंस के साथ एक नई जानकारी साझा की है।

'विश्वंभर' में चिरंजीवी और तृषा कृष्णन नजर आने वाले हैं। तृषा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज बृंदा की सफलता का आनंद ले रही हैं। तृषा की ये आगामी फिल्म विश्वंभर एक सामाजिक-काल्पनिक थ्रिलर होने वाली है, जो अब निर्माण प्रकिया की ओर आगे बढ़ रही है। फिल्म का निर्देशन वशिष्ठ मल्लिदी कर रह हैं, जिन्हें बिम्बिसार के लिए काफी सराहना मिल चुकी है। अब इस फिल्म के लिए मशहूर फाइट कोरियोग्राफर को साथ जोड़ा गया है।

मशहूर फाइट कोरियोग्राफर अरासु फिल्म से जुड़े

रविवार को फिल्म के निर्माताओं एक रोमांचक अपडेट साझा की है। उनके द्वारा घोषणा किया गया है कि फिल्म के लिए मशहूर फाइट कोरियोग्राफर एएनएल अरासु को जोड़ा गया है। इस फिल्म के साथ ही अरासु जूनियर एनटीआर की 'देवरा' और ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' जैसी बड़ी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। उन्हें 'विश्वंभर' की टीम ने क्लाइमेक्स एक्शन सीक्वेंस डिजाइन करने के लिए बुलाया है। टीम की तरफ से सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये जानकारी दी गई है।

अगले साल जनवरी में रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि यूवी क्रिएशंस द्वारा बड़े पैमाने पर इस फिल्म को बनाया जा रहा है। 'विश्वंभर' में मेगास्टार चिरंजीवी और तृषा के अलावा आशिका रंगनाथ, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला, आश्रिता वेमुगंती नंदूरी और कुणाल कपूर सहित कई प्रभावशाली कलाकार काम कर रहे हैं। फिल्म में ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी संगीत दे रहे हैं। ये फिल्म 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

खेती करना चाहती हैं मृणाल, जमीन के लिए बचा रहीं पैसे

मृणाल ठाकुर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के साथ दक्षिण भारत में भी काफी ज्यादा मशहूर हैं। मृणाल ने एक बातचीत में खुलासा किया है कि वह खेती करना चाहती हैं। उनके मुताबिक वह एक्टिंग के साथ खेती भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए वह जमीन लेने की तैयारी भी कर रही है।

अभिनेत्री ने कहा कि मैं एक जमीन खरीदना चाहती हूं, जिस पर मैं खेती कर सकूं और उस जमीन पर उगी हुईं चीजें खा सकूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस काम के लिए वह पैसे भी बचा रही हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009